3 | राजधानी
बदला जाएगा पुराना ड्रेनेज सिस्टम

6 | अभिमत
व्यक्तिगत आय कर में सुधार

11 | विदेश
हमास का सैन्य शाखा प्रमुख भी मारा गया

12 | स्पोर्ट्स
बेल्जियम से हारी भारत की हाकी टीम

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 264
नई दिल्ली, शुक्रवार, 2 अगस्त, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

सरकार सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध

राष्ट्रीय-10

उत्तर से दक्षिण तक मानसून ने मचाई भारी तबाही

राष्ट्रीय राजधानी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार शाम हुई रिकॉर्ड तोड़ बारिश ने पिछले 14 वर्षों में जुलाई में एक दिन में सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई है। बारिश के कारण हर तरफ जलभराव हो गया है, सड़कों पर पानी भर जाने के कारण यातायात व्यवस्था पर असर पड़ा है। कई जगहों पर देर रात तक ट्रैफिक जाम रहा। वहीं झमाझम बारिश ने दिल्ली एनसीआर में कम से कम 11 लोगों की जान ले ली, जिसमें एक माँ और उसका तीन वर्षीय बच्चा भी शामिल है, जो पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर में निर्माणाधीन नाले में जलभराव से गिर गए। राष्ट्रीय राजधानी के प्राथमिक मौसम केंद्र, सफदरजंग ने 24 घंटे के भीतर 108 मिलीमीटर बारिश दर्ज की, जो 14 वर्षों में जुलाई में एक दिन में हुई सबसे अधिक बारिश है। बुधवार देर रात शुरू हुई इस बारिश ने शहर की सड़कों को डुबो दिया और खासकर लुटियन दिल्ली में यातायात जाम हो गया था। दिल्ली एनसीआर में हुई भारी बारिश के कारण नए संसद भवन की लॉबी में भी पानी भर गया। इसके अलावा, परिसर के आसपास, खासकर नई संसद के मकर द्वार के पास जलभराव देखा गया, जिसके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। विपक्षी नेताओं ने नए संसद भवन की लॉबी में पानी के रिसाव को लेकर नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा और मजबूत पुराने संसद भवन की सराहना की। एक बयान में लोकसभा सचिवालय ने कहा कि नए संसद भवन में पानी का मामूली रिसाव लॉबी के ऊपर कांच के गुंबदों को ठीक करने के लिए इस्तेमाल में चिपकने वाली सामग्री के हट जाने के कारण (शेष पेज 9)

रुद्रप्रयाग के लिनचोली के पास जंगलचट्टी में बादल फटने के बाद फंसे लोगों को बाहर निकालते एसडीआरएफ कर्मी

शिमला के पास रामपुर में बादल फटने के बाद राहत और बचाव कार्य में लगे कर्मचारी

वायनाड

एजेंसी। वायनाड

केरल का वायनाड जिला दक्षिण-पश्चिम मानसून का कहर झेल रहा है। मुंडक्कई बस्ती में मरने वालों का आंकड़ा गुरुवार शाम 6 बजे तक 283 के पार पहुंच गया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि वायनाड जिले में भूस्खलन और बाढ़ ने तबाही मचाई है, जिसे राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाना चाहिए। जिले में लगातार हो रही बारिश ने बचाव कार्यों की गति को प्रभावित किया है, क्योंकि आपदा प्रतिक्रिया दल के सदस्यों को कीचड़, पानी, चट्टानों और पानी से होकर गुजरना मुश्किल हो रहा है। पिछले तीन दिनों के बचाव अभियान के दौरान 283 शव मलबे से निकाले गए हैं। लेकिन बचाव कर्मियों को नदियों और भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों से मिले क्षत-विक्षत शवों के बारे में अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है। मंगलवार को हुए भूस्खलन में लापता हुए मुंडक्कई के लगभग 240 लोगों के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

भारतीय सेना के इंजीनियरों ने बचाव अभियान को आसान बनाने के लिए चालियार नदी पर बेली ब्रिज

वायनाड में राहत और बचाव कार्य में लगे सेना के जवान

बनाने का काम लगभग पूरा कर लिया है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया दल के 500 से अधिक जवान और स्वयंसेवक चट्टानों और मिट्टी के नीचे फंसे लोगों को बचाने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री विजयन ने मीडिया से बातचीत में कहा कि सेना के अधिकारियों ने उन्हें बताया है कि मुंडक्कई में किसी भी जीवित प्राणी के मिलने की कोई संभावना नहीं है, क्योंकि पूरी आबादी भूस्खलन के कारण आए सैलाब में डूब गई है या बह गई है। मुंडक्कइ के सभी 348 घर बाढ़ के पानी में बह गए। बाढ़ के बारे में चेतावनी जारी करने का काम सौंपी गई एजेंसी केंद्रीय जल आयोग ने राज्य के पांच जिलों में बाढ़ की चेतावनी जारी की है। विजयन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर बाढ़ और भूस्खलन के बारे में समय पर चेतावनी (शेष पेज 9)

हिमाचल/उत्तराखंड

शिमला। देहरादून

भारी बारिश से हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में इमारतें ढह गईं, सड़कें बह गईं। इसके चलते तीर्थयात्रियों को हवाई मार्ग से निकाला गया। ये दृश्य गुरुवार सुबह उत्तराखंड और पड़ोसी हिमालयी प्रदेश में दिखे, जब बादल फटने के कारण इन राज्यों में भारी बारिश हुई। भारी बारिश और बादल फटने की कई घटनाओं के कारण उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई, 50 लापता हैं और सैकड़ों लोग फंसे हुए हैं । मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। केदारनाथ पैदल मार्ग पर फंसे 1,500 से अधिक तीर्थयात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जो कई स्थानों पर चट्टानों के कारण अवरुद्ध हो गया है। तीर्थयात्रियों को हेलीकॉप्टर और एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस और जिला प्रशासन की बचाव टीमों की मदद से बचाया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, लिनचोली और भीमबली से हेलीकॉप्टर द्वारा 425 तीर्थयात्रियों को सुरक्षित निकाला गया है, जबकि बचाव दलों की मदद से विभिन्न स्थानों से 1100 तीर्थयात्री पैदल सोनप्रयाग पहुंचे हैं। आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने बताया कि बुधवार रात भारी बारिश के कारण गौरीकुंड-केदारनाथ यात्रा मार्ग का 20-25 मीटर हिस्सा बह जाने से तीर्थयात्री गौरीकुंड-केदारनाथ यात्रा मार्ग पर भीमबली से आगे फंस गए थे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राज्य के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से बात करके हर संभव मदद का भरोसा दिया है। प्रदेश में एनडीआरएफ की टीमों द्वारा राहत एवं बचाव कार्य किए जा रहे हैं वहीं मौसम विभाग ने फिर से बारिश की चेतावनी दी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे तबाही के वीडियो लोगों को भयभीत कर रहे हैं। अधिकारिक जानकारी के अनुसार शिमला में 35, मंडी में नौ और कुल्लू में सात लोग लापता हैं। कुल्लू के जाओन व निरमंड में बादल फटने से श्रीखंड यात्रा का बेस कैंप प्रभावित हुआ है। सबसे ज्यादा तबाही शिमला जिला के रामपुर इलाके के झाकड़ी में हुई है। (शेष पेज 9)

उच्चतम न्यायालय ने केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार के व्यवहार पर जताई नाराजगी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार को जमकर फटकार लगाई। कोर्ट ने पूछा कि क्या इस तरह के गुंडे को मुख्यमंत्री आवास में काम करना चाहिए। बिभव ने इस साल मई में आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल पर कथित रूप से हमला किया था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कुमार की जमानत याचिका पर अगले बुधवार को सुनवाई करेगा। पीठ ने बिभव कुमार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी से कहा कि अदालत दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा दर्ज की गई घटना के विवरण से हैरान है। बिभव कुमार ने मामले में जमानत देने से इनकार करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के 12 जुलाई के आदेश को चुनौती दी है और दावा किया है कि उसके खिलाफ आरोप झूठे हैं। उसने यह भी कहा है कि जांच पूरी होने के कारण अब उसकी हिरासत की आवश्यकता नहीं है। शीर्ष अदालत ने बिभव कुमार की याचिका पर दिल्ली सरकार को एक नोटिस जारी किया। पीठ ने सिंघवी से पूछा, क्या मुख्यमंत्री आवास एक निजी बंगला है, क्या इस तरह के गुंडे को मुख्यमंत्री आवास में काम करना चाहिए। सिंघवी ने इस पर कहा कि चोटें गंभीर नहीं थीं और 13 मई की घटना के तीन दिन बाद एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अपनी तीखी टिप्पणियों में, पीठ ने सिंघवी से यह भी पूछा कि राज्यसभा सदस्य मालीवाल का हमले की घटना के दौरान पीसीआर को कॉल करना क्या संकेत देता है। पीठ ने कहा, हम हर दिन भाड़े के हत्यारों, हत्यारों, लुटेरों को जमानत देते हैं, लेकिन सवाल यह है कि किस तरह की घटना है। पीठ ने कहा कि जिस तरह से यह घटना हुई, उससे वह परेशान है। पीठ ने कहा, बिभव कुमार ने (शेष पेज 9)

राज्यों को एससी कोटा को उप वर्गीकृत करने का अधिकार

राजेश कुमार। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को एक ऐतिहासिक फैसले में कहा कि राज्यों को अनुसूचित जातियों के भीतर उप-वर्गीकरण करने का संवैधानिक अधिकार है, ताकि उन जातियों को आरक्षण प्रदान किया जा सके जो सामाजिक और आर्थिक रूप से अधिक पिछड़ी हैं। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली सात-सदस्यीय संविधान पीठ ने 6:1 के बहुमत के निर्णय के जरिए ईवी चिन्नैया बनाम आंध्र प्रदेश सरकार मामले में शीर्ष अदालत की पांच-सदस्यीय पीठ के 2014 के फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि अनुसूचित जातियों (एससी) के किसी उप-वर्गीकरण की अनुमति नहीं दी जा सकती, क्योंकि वे अपने आप में स्वजातीय समूह हैं।

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने अपने 140 पृष्ठ के फैसले में कहा, संविधान के अनुच्छेद 15 (धर्म, जाति, नस्ल, लिंग, जन्म स्थान के आधार पर किसी भी नागरिक के साथ भेदभाव न करना) और 16 (सार्वजनिक रोजगार में अवसर की समानता) के तहत सरकार अपनी शक्ति का प्रयोग करते हुए सामाजिक पिछड़ेपन की विभिन्न श्रेणियों की पहचान करने और नुकसान की स्थिति में विशेष प्रावधान (जैसे आरक्षण देने) के लिए स्वतंत्र है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ऐतिहासिक और अनुभवजन्य साक्ष्य दर्शाते हैं कि अनुसूचित जातियां सामाजिक रूप से विजातीय वर्ग हैं। इस प्रकार, अनुच्छेद 15(4) और 16(4) के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए राज्य अनुसूचित जातियों को आगे वर्गीकृत कर सकता है यदि (ए) भेदभाव के लिए एक तर्कसंगत सिद्धांत है और (बी) तर्कसंगत सिद्धांत का उप-वर्गीकरण के उद्देश्य के साथ संबंध है। इस विवादास्पद मुद्दे पर कुल 565 पृष्ठों के छह फैसले लिखे गए। प्रधान न्यायाधीश ने अपनी ओर से और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की ओर से फैसले लिखे, (शेष पेज 9)

रेल मंत्री ने हाल के हादसों पर कदम उठाने का दिया भरोसा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हाल के दिनों में बढ़ती ट्रेन दुर्घटनाओं और पटरी से उतरने की घटनाओं के कारण आलोचनाओं का सामना कर रहे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को आश्वासन दिया कि सरकार स्वचालित ट्रेन-सुरक्षा प्रणाली कवच को सही तरीके से लागू करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। हालांकि वैष्णव ने पूरे रेलवे नेटवर्क पर कवच को लागू करने के लिए कोई समयसीमा नहीं बताई, लेकिन उल्लेख किया कि बहुत छोटे रेलवे नेटवर्क वाले छोटे देशों को स्वचालित ट्रेन-सुरक्षा प्रणाली को लागू करने में 20 साल से अधिक का समय लगा। वैष्णव ने अपने लंबे भाषण में कहा, मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि सुरक्षा प्रणाली कवच को लागू करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। हम दिन-रात कड़ी मेहनत करेंगे और हर किलोमीटर पर कवच लगाने का हर संभव प्रयास करेंगे। इस दौरान उन्होंने प्रतिदिन लगभग 20,000 ट्रेनों में दो करोड़ यात्रियों को ले जाने वाले 12 लाख रेलवे कर्मचारियों के प्रयासों की भी प्रशंसा की। नौकरशाह से राजनेता बने वैष्णव ने विपक्षी सदस्यों को जवाब देते हुए अपना आपा भी खो दिया, जो उन्हें 'डिरेलमेंट मिनिस्टर' और 'रील मिनिस्टर' जैसे शब्दों से घेर रहे थे।

वैष्णव ने विपक्षी कांग्रेस और उसकी सोशल मीडिया ट्रोल आर्मी पर रेलवे नेटवर्क पर हर छोटी घटना को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने का आरोप लगाते हुए कहा, ताकि हर रोज रेलवे नेटवर्क का इस्तेमाल करने वाले दो करोड़ से ज्यादा यात्रियों में डर की भावना पैदा की जा सके। मंत्री ने कहा, कांग्रेस द्वारा गलत सूचना फैलाने के प्रयास सफल नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी द्वारा अयोध्या रेलवे स्टेशन पर हुई घटनाओं के बारे में गलत जानकारी फैलाने का प्रयास किया गया। मंत्री ने पिछले महीने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लोको पायलटों के साथ कांग्रेस नेता और विपक्ष के नेता राहुल गांधी की बैठक का स्पष्ट संदर्भ दिया, जिससे विपक्षी सदस्य खड़े हो गए। वैष्णव ने कहा, जो लोग लोको पायलटों के साथ रील बनाने में व्यस्त थे, यूपीए शासन के दौरान रनिंग रूम में एक भी एयर कंडीशनर नहीं लगाया गया था और एयर-कंडीशन केबिन वाले कोई लोकोमोटिव नहीं थे। (शेष पेज 9)

श्रीकृष्ण जन्मभूमि और ईदगाह विवाद में जारी रहेगी सुनवाई: हाईकोर्ट

एजेंसी। इलाहाबाद

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मथुरा स्थित श्री कृष्ण जन्मभूमि एवं शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले में बृहस्पतिवार को कहा कि यह वाद सुनवाई योग्य है। अदालत ने इस वाद में मुद्दे तय करने के लिए 12 अगस्त की तिथि निर्धारित की। वाद की पोषणीयता को लेकर मुस्लिम पक्ष की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन ने मुकदमे की पोषणीयता के संबंध में मुस्लिम पक्ष की दलीलें खारिज कर दीं। उच्च न्यायालय के निर्णय के बाद हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने न्यायालय परिसर के बाहर मीडिया से बातचीत में कहा कि इन वादों की पोषणीयता को चुनौती देते हुए मुस्लिम पक्ष की ओर से जो भी दलीलें दी गई थीं, वे अदालत द्वारा खारिज कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि इस निर्णय के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय सभी 18 मामलों पर सुनवाई जारी रखेगा। हिंदू पक्ष के वकील ने कहा, अब हम उच्चतम न्यायालय जाकर माननीय अदालत से इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सर्वेक्षण के आदेश पर लगी रोक हटाने की मांग करेंगे। हम आज के निर्णय के संबंध में (शेष पेज 9)

पूजा खेडकर को नहीं मिली अग्रिम जमानत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने भारतीय प्रशासनिक सेवा की पूर्व प्रशिक्षु अधिकारी पूजा खेडकर को अग्रिम जमानत देने से बृहस्पतिवार को इनकार कर दिया, जिसके बाद उनकी गिरफ्तारी हो सकती है। उन पर संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) सिविल सेवा परीक्षा 2022 के आवेदन में तथ्यों को गलत तरीके से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) तथा पीडब्ल्यूडी (दिव्यांगजन) कोटा का लाभ उठाने का आरोप है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश देवेंद्र कुमार जंगला ने कहा कि दिल्ली पुलिस को यह भी जांच करनी चाहिए कि क्या संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) में किसी ने खेडकर की मदद की थी। न्यायाधीश ने मामले में जांच का दायरा भी बढ़ाया और दिल्ली पुलिस को यह जांच करने का निर्देश दिया कि क्या अन्य उम्मीदवारों ने बिना पात्रता के ओबीसी और पीडब्ल्यूडी कोटे के तहत लाभ उठाया है। यूपीएससी ने बुधवार को खेडकर की उम्मीदवारी रद्द कर दी और उन्हें भविष्य की परीक्षाओं में हिस्सा लेने से भी रोक दिया। न्यायाधीश ने बुधवार को खेडकर द्वारा दायर अर्जी पर दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। खेडकर ने अपने वकील के माध्यम से दायर अर्जी में दावा किया कि उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जा सकता है।

बीएसएफ महिला कर्मी ने अकेले बांग्लादेशी घुसपैठियों को खदेड़ा

पायनियर समाचार सेवा। कोलकाता

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की 689वीं बटालियन की एक महिला सिपाही ने नादिया जिले के राणाघाट सीमा चौकी पर अकेले ही बांग्लादेशी घुसपैठियों के एक हथियारबंद गिरोह को खदेड़ दिया, अर्धसैनिक संगठन के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष की प्रभारी महिला अधिकारी ने 30 जुलाई को भारतीय सीमा की तरफ 14 लोगों को आते देखा। वह तुरंत उनकी तरफ दौड़ी और उन्हें रुकने और वापस लौटने का निर्देश दिया।

हालांकि, चाकुओं और अन्य घातक हथियारों से लैस लोग आगे बढ़ते घुसपैठियों ने बात नहीं मानी और उनपर हमला कर दिया। बहादुर महिला बीएसएफ कर्मियों ने जवाबी हमला किया, जबकि एक साथी जवान ने घुसपैठियों को डराने के लिए दूर से एक स्टन ग्रेनेड दागा। सूत्रों ने बताया कि जब घुसपैठिए बेखौफ होकर अंदर आते रहे तो महिला कांस्टेबल ने अपनी राइफल से एक गोली चलाई जिससे घुसपैठिए डर गए और फिर अपनी तरफ भाग गए। उन्होंने कहा कि पिछले एक सप्ताह में यह घुसपैठ की तीसरी कोशिश थी जिसे नाकाम कर दिया गया। इस मुद्दे का जिक्र करते हुए बंगाल के विपक्षी नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि ममता बनर्जी के शासन में घुसपैठ चरम पर थी और यह तृणमूल कांग्रेस ही थी जो रोहिंग्याओं सहित अपने वोट आधार को बढ़ाने के लिए अवैध घुसपैठ में लिप्त थी।

अधिकारी ने पहले कहा था, यह वही ममता बनर्जी हैं जिन्होंने घुसपैठ में संलिप्तता के लिए वामपंथी सरकार के खिलाफ बहादुरी से विरोध किया था और अब यह उनकी अपनी सरकार है कि रोहिंग्या बड़ी संख्या में घुसपैठ कर रहे हैं और देश के अन्य हिस्सों में पलायन कर कानून और व्यवस्था की समस्या पैदा कर रहे हैं। अधिकारी ने कहा, यह वही ममता बनर्जी हैं जिन्होंने घुसपैठ में लिप्त होने के लिए वामपंथी सरकार के खिलाफ बहादुरी से विरोध किया था और अब यही रोहिंग्या बड़ी संख्या में घुसपैठ कर रहे हैं और देश के अन्य हिस्सों में पलायन कर रहे हैं, जिससे कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा हो रही है।

स्वप्निल ने निशानेबाजी में भारत को तीसरा कांस्य पदक दिलाया

भाषा। शेटराउ

तेज होती दिल की धड़कनों को थामकर खाली पेट रेंज पर उतरे भारतीय निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने फोकस बनाए रखते हुए शानदार वापसी की और देश को ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में पहली बार कांस्य पदक दिलाया। क्वालीफिकेशन में सातवें नंबर पर रहे स्वप्निल ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 451 . 4 स्कोर करके तीसरा स्थान हासिल किया। एक समय वह छठे स्थान पर थे जिसके बाद उन्होंने तीसरा स्थान हासिल किया। भारत का इन खेलों में यह तीसरा कांस्य है। इससे पहले मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और सरबजोत सिंह के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम वर्ग में कांस्य जीता था। भारत के ओलंपिक इतिहास में पहली बार निशानेबाजों ने तीन पदक एक ही खेलों में जीते हैं। कुसाले ने पदक जीतने के बाद कहा , मैने कुछ खाया नहीं है और पेट में गुड़गुड़ हो रही थी। मैने ब्लैक टी पी और यहां आ गया। हर मैच से पहले रात को मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं। उन्होंने कहा, आज दिल बहुत तेजी से धड़क रहा था। मैने श्वास पर नियंत्रण रखा और कुछ अलग करने की कोशिश नहीं की। इस स्तर पर सभी खिलाड़ी एक जैसे होते हैं। चीन के लियू युकुन (463.6) ने स्वर्ण और यूक्रेन के सेरही कुलिश (461.3) ने रजत पदक जीता। पिछली बार भारतीय निशानेबाज लंदन ओलंपिक 50 मीटर राइफल में फाइनल में पहुंचा था जब जॉयदीप करमाकर 50 मीटर राइफल प्रोन में चौथे स्थान पर रहे थे। अब यह स्पर्धा ओलंपिक में नहीं है।

कांवड़ यात्रा: मेरठ रोड पर शिवभक्तों का उमड़ा जनसैलाब

● सैंकड़ों की संख्या में हरियाणा, दिल्ली, गाजियाबाद के डाक कांवड़िये गंगाजल लेकर दौड़ लगाते दिखे।

पायनियर समाचार सेवा। गायिजाबाद

कांवड़ यात्रा अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। सभी कांवड़ियों अपने गंतव्य की ओर पहुंचने के लिए दिन भर चलते रहे। तो वहीं दूसरी ओर मेरठ रोड पर कांवड़ यात्रा के अंतिम दिन डाक कांवड़ियों के नाम रहा। सैंकड़ों की संख्या में हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, गाजियाबाद के डाक कांवड़ियों हरिद्वार से गंगाजल लेकर गंतव्य की ओर दौड़ लगाते दिखे। इतना नहीं डाक कांवड़ियों एकदूसरे से होड़ लगाते हुए दिखे। इसके चलते मेरठ रोड की एक लाइन को डाक कांवड़ियों के लिए आरक्षित कर दिया गया।

तो वही दूसरी ओर एक के बाद एक कांवड़ियों अपनी कांवड़ लेकर गंतव्य की ओर चले जा रहे थे।

शिवरात्रि का पर्व है और चतुर्देशी का जलाभिषेक होना है। ऐसे में अब कांवड़ियों अपनी कांवड़ लेकर निरंतर चल रहे हैं ताकि समय से अपने शहर के शिवालय में पहुंच सके। बड़ी-बड़ी झांकिया लेकर कांवडियां मेरठ रोड से निकल रहे हैं।

शिव प्रतिमा की झांकी लेकर चल रहे हैं। तो वहीं दिल्ली के कांवड़ियां अयोध्या में विराजे श्रीराम की प्रतिमा की प्रतिकृति की झांकी बनाकर ला रहे हैं ,श्रीराम के साथ उन्होंने रामभक्त हनुमान, गणेश और महाकाल स्वरूप की झांकी साथ स्थापित किए हैं।

दर्जन भर शिवभक्त इस झांकी को अपने हाथों से खींचते हुए हरिद्वार से दिल्ली लेकर जा रहे हैं। जहां से भी यह झांकी गुजर रही है, हर कोई इसे देखने को उत्सुक है।

अयोध्या के राजा राम को देखकर बोल बम के साथ जय श्रीराम का उद्घोष भी गूंज रहा है। इसके अलावा बड़ी संख्या में छोटी-छोटी कांवड़ लेकर भी कांवड़ियां गुजर रहे हैं। समय कम होने के चलते कांवड़ियां तेजी से अपने रास्ते की ओर बढ़ रहे हैं। हालांकि दूर-दराज के कांवड़ियां पहले ही निकल चुके हैं। अब दिल्ली और स्थानीय कांवड़ियों का आगमन हो रहा है।

डाक कांवड़ के साथ-साथ बाइक सवार कांवड़ियों की भी संख्या अच्छी खासी है। पैदल भक्तों के साथ-साथ बाइक सवार भोले भी कांवड़ लेकर लौट रहे हैं। एक-एक बाइक पर दो से तीन कांवड़ियां सवार हैं।

आज का श्रवण कुमार

शिवरात्रि पर अवकाश

नोएडा। जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि वर्ष 2024 के स्थानीय अवकाशों की सूची में श्रावण मास की शिवरात्रि (जलाभिषेक) 03.08.2024 दिन शनिवार को घोषित स्थानीय अवकाश को निरस्त करते हुए 2.08.2024 श्रावण मास की शिवरात्रि(जलाभिषेक) दिन शुक्रवार को जनपद में स्थानीय अवकाश रहेगा।

आज दोपहर से शुरू होगा चतुर्दशी का जलाभिषेक

गाजियाबाद । कांवड़ यात्रा शिवरात्रि पर भगवान शिव के जलाभिषेक के साथ संपन्न हो जाएगी। शहर के सिद्धपीठ दूधेश्वरनाथ मंदिर में शिवभक्त कांवडियों का पहुंचना शुरू हो गया है। दोपहर साढ़े तीन बजे से भगवान दूधेश्वर के श्रृंगार व आरती के उपरांत चतुर्दशी का जल चढना आरंभ हो जाएगा। मंदिर के महंत नारायण गिरी महाराज ने बताया कि दो अगस्त को शिवरात्रि का पर्व भी है। इसदिन शिवभक्त शिवरात्रि का व्रत रखेंगे। दो अगस्त को ही सुबह छह बजे से हाजिरी और त्रयोदशी का जलाभिषेक शुरू होगा। इसके उपरांत दोपहर 3 बजकर 30 मिनट से चतुर्दशी का जल चढना प्रारंभ होगा। जो अगले दिन शनिवार को 3.50 तक जारी रहेगा। मंदिर में जलाभिषेक के लिए हरिद्वार से जल लाकर कांवड़ियों का पहुंचना शुरू हो गया है। जीटी रोड पर कांवड़ रखने के लिए बल्लियों के स्टैंड बनाए गए हैं, जहां पर कांवड़ रखी गई हैं। कांवडियों के रूकने के लिए एसडी कॉलेज, जिला अस्पताल परिसर में आधार शिविर बनाए गए हैं।

मेयर, डीएम व एमएनए ने भक्तों पर बरसाए फूल

गाजियाबाद। शिवभक्तों पर जिले के जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन व नगर निगम के अधिकारियों ने पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। मेरठ रोड तिराहे पर मेयर सुनीता दयाल, डीएम इन्द्र विक्रम सिंह, नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, सीडीओ अभिनव गोपाल, अपर नगर आयुक्त अरूण यादव,सहायक नगरायुक्त पल्लवी सिंह, जिला उद्यान अधिकारी अनुज कुमार, पार्षद वीरेंद्र त्यागी सहित अन्य अधिकारियों ने शिवभक्तों पर जमकर फूलों की वर्षा की। अपने इस स्वागत से शिवभक्त भी उत्साह से झूम उठे। इस समय कांवड़ यात्रा अपने पीक पर चल रही है। हजारों की संख्या में कांवड़ियां मेरठ रोड पर चल रहे हैं।

सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते पुलिस उपायुक्त नगर राजेश कुमार।

कांवड़ मार्ग पर पुलिस की कड़ी सुरक्षा

● लगातार की जा रही है पेट्रोलिंग

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कांवड़ यात्रा को सुरक्षित संपन्न कराने के लिए पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर डीसीपी ग्रेटर नोएडा साद मियां खान के पर्यवेक्षण में एडीसीपी ग्रेटर नोएडा अशोक कुमार द्वारा ग्रेटर नोएडा जोन के थाना दादरी क्षेत्र के अंतर्गत टी प्वाइंट, एनटीपीसी कट आदि क्षेत्र में कांविड़यों से भेंट करते हुए कांवड़ शिविरों एवं कांवड़ मार्ग का निरीक्षण किया गया।

उनके द्वारा शिविर के अन्दर साफ-सफाई, पानी, बिजली की उचित व्यवस्था के लिए सम्बन्धित लोगों को निर्देशित किया गया तथा कांवड़ शिविरों में विश्राम कर रहे एवं कांवड़ मार्ग पर यात्रा कर रहे शिव भक्तों से वार्ता कर उनका कुशलक्षेम पूछा गया। उनके द्वारा ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों की ब्रीफिंग कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये एवं संबंधित थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया कि कांवड़ यात्रा को लेकर पीसीआर, पीआरवी वाहनों द्वारा लगातार पेट्रोलिंग की जाये व यातायात व्यवस्था को दुरूस्त रखा जाये।

गाजियाबाद पुलिस आयुक्त पहुंचे दूधेश्वरनाथ मंदिर

गाजियाबाद। पुलिस कमिश्नर अजय मिश्रा दूधेश्वर नाथ मंदिर पहुंचे। वहां उन्होंने भगवान दूधेश्वर का जलाभिषेक कर पूजा भी की। उसके बाद मंदिर परिसर में भ्रमण कर सुरक्षा आदि व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया।

पुलिस कमिश्नर अजय मिश्रा ने मंदिर के महंत नारायण गिरी से मुलाकात कर शिवरात्री से संबंधित तैयारियों के बारे में जानकारी भी ली। इस दौरान डीसीपी सिटी जोन राजेश कुमार भी मौजूद रहे। शिवभक्तों की सेवा के लिए विश्व हिन्दू परिषद व बजरंग दल ने तीन दिवसीय कांवड़ सेवा शिविर लगाया है। शिविर का शुभारंभ महंत नारायण गिरी, विहिप के क्षेत्रीय संगठन मंत्री सोहन सोलंकी, पूर्व आईपीएस वीके शेखर ने किया। इसके उपरांत पुलिस आयुक्त अजय कुमार मिश्र व विहिप के प्रांत सह कोषाध्यक्ष उपेन्द्र गोयल गोयल ने शिविर में लगे स्वचालित फुल्का संयंत्र व अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। सहायक आयुक्त नगर प्रथम रीतेश त्रिपाठी, भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा, महानगर मंत्री गोपाल अग्रवाल भी शिविर में पहुंचे।

संक्षिप्त समाचार

थाना फेस-3 पुलिस ने तीन लुटेरे को किया गिरफ्तार।

हादसे पर अरविंद केजरीवाल से मांगा मुआवजा

गाजियाबाद। यूपी-दिल्ली बॉर्डर पर नाले में गिरने से मां-बेटे की मौत के मामले में खोड़ा रेजिडेंट्स एसोसिएशन ने दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक ज्ञापन गुरुवार को भेजा है। इसमें उन्होंने मृतकों के परिजनों के लिए एक करोड़ रुपए मुआवजा राशि की मांग की है। के आर ए के अध्यक्ष दीपक जोशी ने कहा- खो ?ा कॉलोनी गाजियाबाद जिले में आती है। लेकिन यहां से गुजरने वाला नाला दिल्ली सरकार की लोक निर्माण विभाग के अधीन आता है। जबकि नाले के बगल वाली स ?क केंद्र सरकार के अंतर्गत आती है। पूर्व में इन नालों की सफाई के लिए दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया को कई बार पत्र लिखा गया। पूर्व में भी लोगों और पशुओं के इस नाले में गिरने की घटनाएं हो चुकी हैं। मगर कोई सुनवाई नहीं हुई। दीपक जोशी ने खोड़ा की नगर पालिका पर भी गंभीर आरोप लगाए। कहा कि हर रोज खोड़ा कस्बे के हजारों लोग नौकरी करने दिल्ली जाते हैं। इसके बावजूद इस खुले नाले को ढका नहीं गया। नगर पालिका भी अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती है। ज्ञापन के माध्यम से दिल्ली सरकार से मांग की गई है कि वो मृतक के परिजनों को एक करो ? रुपए मुआवजा दे। बता दें कि 31 जुलाई की रात इस नाले में गिरकर एक मां-बेटे की मौत हो गई थी। दोनों खोड़ा के रहने वाले थे।

ट्यूशन पढ़ने गया नाबालिग छात्र लापता

नोएडा। दादरी घर से ट्यूशन पढ़ने गया एक 13 वर्षीय छात्र लापता हो गया है। छात्र के परिजनों ने घटना की रिपोर्ट थाना दादरी में दर्ज करवाई है। घटना के बाद छात्र के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। थाना दादरी के प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने बताया कि हरेंद्र कुमार शर्मा ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह एस्कॉर्ट कॉलोनी दादरी में रहते हैं। पीड़ित के अनुसार 30 जुलाई को उनका बेटा कपिल सारस्वत उम्र 13 वर्ष घर से ट्यूशन पढने के लिए सिटी कॉलोनी के गेट नंबर- 2 पर गया था। पीड़ित के अनुसार ना तो उनका बेटा ट्यूशन में पहुंचा और ना ही घर वापस आया। उन्होंने बताया कि पीड़ित ने अपने बेटे के लापता होने की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस की 2 टीमें बनाकर छात्र की तलाश में लगाई गई है। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही छात्र को बरामद कर लिया जाएगा।

राज्यपाल के शपथ ग्रहण में पहुंचे डॉ. पीएन अरोड़ा

गाजियाबाद/रांची। झारखंड राज्यपाल के तौर पर संतोष गंगवार के शपथ ग्रहण समारोह में विशेष अतिथि के रूप में डॉ. पीएन अरोड़ा, यशोदा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, कौशाम्बी के अध्यक्ष भी शामिल हुए। यह समारोह राज भवन, रांची में हुआ। उन्होंने समारोह के बाद हुए निजी दोपहर भोज में भाग लेने के साथ राज्यपाल संतोष गंगवार को नए पद के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी। डॉ. अरोड़ा ने कहा, झारखंड के इतिहास के इस महत्वपूर्ण क्षण का साक्षी बनना मेरे लिए सम्मान की बात है।

सीसीटीवी की निगरानी में होंगे जलभराव प्वाइंट

● 24 घंटे एक्टिव रहेगा कंट्रोल रूम, बारिश से निपटने का तैयार होगा एक्शन प्लान

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा सड़क तालाब बन गई। अंडर पास में पानी भर गया। लोग घंटों जाम में फंसे रहे। ऐसा दोबारा न हो इसके लिए नोएडा प्राधिकरण के सीईओ ने जन स्वास्थ्य, सिविल और जल के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने निर्देशित किया कि जल भराव, सीवर ओवर फ्लोर बारिश के जुड़ी किसी भी समस्या के निपटारे के लिए एक कंट्रोल रूम बनाया जाए। उन स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाए। 24 घंटे निगरानी की जाए। जिसमें फोन आते ही तत्काल एक्शन लिया जाए।

सीईओ ने कहा कि जल भराव वाले स्थ लों पर सिविल, जल, जन स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा निरीक्षण करते हुए कंपोजिट एक्शन प्लान बनाया जाए। उन्होंने कहा कि जिन सीवर लाइन ओवरफ्लो है वहां की पाइप लाइन का बदलकर को बड़े व्यास की पाइप डालने का एक प्रस्ताव तैयार किया जाए। पानी की नोएडा के विभिन्न सेक्टरों एवं ग्राम में गंदे पानी की आपूर्ति की शिकायतें प्राप्त होती है। ऐसे में पानी की गुणवत्ता को बनाया जाए साथ ही पाइप लाइनों की फ्लशिंग से पहले सेक्टर वासियों को बताया जाए।

जलभराव की पाइंट को समझने के लिए प्राधिकरण के एसीईओ संजय खत्री और डीसीपी ट्रैफिक रात ने रात में ट्रैक्टर से शहर का जायजा लिया। दोनों अधिकारी सेक्टर-15ए से ट्रैक्टर से सेक्टर-62 तक गए।

गांव के बारातघर में बनाई लाइब्रेरी एसीईओ आशुतोष ने की तारीफ

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जहां चाह हो वहां राह भी खुद-ब-खुद बन जाती है। स्मार्ट विलेज घंघोला के ग्रामीणों ने यह कर दिखाया है। अपने गांव के बच्चों को पढ़ाई का अच्छा माहौल देने के लिए ग्रामीणों ने गांव के बारातघर के एक हिस्से को लाइब्रेरी में तब्दील कर दिया, जिसमें न सिर्फ घंघोला, बल्कि आसपास के गांव के बच्चे भी आकर दिन भर पढ़ाई कर अपने भविष्य की नींव रख रहे हैं।

गांव के भ्रमण पर पहुंचे ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ आशुतोष द्विवेदी ने ग्रामीणों के इस पहल की जमकर सराहना की। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने अपने अधीनस्थों को गांवों में विकास कार्यों का नियमित जायजा लेने के निर्देश दिया हैं, जिससे वरिष्ठ अधिकारीगण विकास कार्यों का मौके पर जायजा लेने जा रहे हैं।प्राधिकरण के एसीईओ आशुतोष द्विवेदी ने स्मार्ट विलेज सिरसा, घंघोला और सलेमपुर गुर्जर गांव का निरीक्षण किया। एसीईओ ने सिरसा में आबादी भूखंडों के विकास कार्यों को देखा। वहां से एसीईओ सलेमपुर गुर्जर पहुंचे। उन्होंने श्मशान घाट का जायजा लिया। सिरसा के बाद वे घंघोला गांव पहुंचे। वहां के आरसीसी रोड का जायजा लिया। बरातघर में बनी लाइब्रेरी देखने पहुंचे।

शीशा टूटकर गिरा, सात छात्राएं घायल

नोएडा। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर-44 स्थित महामाया बालिका स्कूल में पढ़ने वाली 7 छात्राए गंभीर रूप से घायल हो गई हैं। बीती रात को आंधी और बारिश की वजह से इनके ऊपर स्कूल के भवन में लगा शीशा टूटकर गिर गया। इन्हें उपचार के लिए नोएडा के विनायक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

थाना सेक्टर-39 के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि सेक्टर-44 स्थित महामाया बालिका स्कूल में पढ़ने वाली अनु, उर्वशी, परी, नेहा, राजश्री, पूजा और अतिका के ऊपर बीती रात को आई तेज आदि और बारिश के चलते स्कूल के बिल्डिंग में लगा शिशा टूटकर गिर गया। जिसकी वजह से सभी चोटिल हो गई।

बारिश से गिरी दीवार, झुग्गी में सो रहे पति-पत्नी की मौत

● पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम को भेजा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

बुधवार रात को ग्रेटर नोएडा के दादरी थाना क्षेत्र के अंबेडकर नगर कालोनी में दीवार गिर गई। झुग्गी में सो रहे 62 साल के सबुर अली और उनकी 50 वर्षीय पत्नी अमीना की मलबे में मौत हो गई। तेज बारिश के चलते तिरूपति ऐनक्लेव की दीवार झुग्गी पर गिर गई, जिससे पति-पत्नी मलबे के नीचे दब गए। घटना के समय दीवार इतनी तेजी से गिरी कि दंपती को बाहर निकलने का कोई मौका नहीं मिला। आवाज सुनकर आस-पास के लोग भागकर पहुंचे और मलबे से दोनों को बाहर निकाला, लेकिन अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दादरी थाना प्रभारी ने बताया कि दीवार गिरने की वजह से दंपती की मौत हुई है और दोनों के शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। सबुर अली और अमीना मूलरूप से असम के धुबरी जिले के आलमगंज गांव के निवासी थे और हाल ही में अंबेडकर नगर कॉलोनी में झुग्गी में रह रहे थे। सबुर कबाड़ का काम करते थे। पुलिस इस मामले की गहराई से जांच कर रही है और हादसे के कारणों की पूरी पड़ताल की जा रही है।

बारिश के चलते तिरूपति ऐनक्लेव की दीवार झुग्गी पर गिर गई

प्लैटिनम सोसाइटी के अंदर पानी घुसा

नई दिल्ली। नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में बुधवार को देर रात तक हुई बारिश ने गर्मी से तो रहात दे दी। लेकिन यही बारिश लोगों के लिए जान की आफत भी बन गई। ग्रेटर नोएडा में भारी बारिश के बाद जगह-जगह सड़कों पर जलजमाव हो गया। वहीं बारिश के दौरान ग्रेटर नोएडा की ऐस प्लैटिनम सोसाइटी के एक फ्लैट में पानी अंदर घुस गया। फ्लैट से पानी से गिर रहा है मानो फव्वारा हो। इस घटना से जुड़ा एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। जो सोसाइटी की व्यवस्था पर कई सवाल खड़े करता है। बता दें कि नोएडा-ग्रेटर नोएडा में बुधवार शाम से रात तक 130 एमएम बारिश हुई। इसकी वजह से सड़कें तालाब बन गईं। नोएडा में एनएच-9, सेक्टर-14 चिल्ला बॉर्डर, डीएनडी फ्लाईओवर, सेक्टर 95 दलित प्रेरणा स्थल, महामाया फ्लाईओवर, सेक्टर-57 लेबर चौक, सेक्टर-66 मामूरा, सेक्टर 62 मॉडल टाउन, सेक्टर 37, सेक्टर-18 जीआइपी अंडरपास, सेक्टर-37 के आसपास भी लोग घंटों जाम से जूझते रहे। वहीं गाजियाबाद में एक दुकान पर लगा होर्डिंग गिर पड़ा। इसके नीचे दबकर एक युवक की मौत हो गई। नगर निगम ये कहकर इस हादसे से पल्ला झाड़ लिया कि होर्डिंग दुकान पर लगा था, यूनिपोल पर नहीं। तेज आंधी के चलते वो उड़कर सड़क पर जा गिरा। सड़क से एक राहगीर गुजर रहा था, वो होर्डिंग के नीचे दब गया। तुरंत घायल व्यक्ति को गाजियाबाद के हॉस्पिटल लाया गया, जहां उसको मृत घोषित कर दिया।

ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर पर ट्रेक पहुंचा पहला आवेदक फेल

● बिसाहड़ा गांव में बनाया है सेंटर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जारचा कोतवाली क्षेत्र के बिसाहडा गांव स्थित ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर का नारियल तोड़कर शुभारंभ किया गया।

सेंटर पर बृहस्पतिवार को सर्व प्रथम एल एम वी हल्के मोटर वाहन का लाइसेंस बनवाने के लिए टेस्ट देने आए राघव उपाध्याय टेस्ट में फेल हो गए। जबकि 6 आवेदकों ने ड्राइविंग टेस्ट दिया। बिसाहडा गांव स्थित ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर पर 11 बजे नारियल तोड़कर प्रबंधक पवन बंसल ने शुभारंभ किया । उसके बाद नोएडा के सेक्टर 78 निवासी आवेदक राघव उपाध्याय 11 बजकर 50 मिनट पर पहुंचे । और पंजीकरण अपना कराया। राघव उपाध्याय ने बताया कि बिसाहडा गांव स्थित ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर पर बहुत परेशानी का सामना कर पहुंचे हैं और नोएडा से उन्हें पहुंचने में 2 घंटे लगे। जबकि स्थान का पता करने के लिए गूगल का सहारा लिया। गूगल द्वारा भी रास्ता गलत बताकर अन्य गांव में पहुंच गए। जिससे वहां पूछ कर किसी तरह ट्रेनिंग सेंटर पर पहुंचे हैं। गांवों के रास्ते से होकर आने में बेहद परेशानी का सामना करना पड़ा है। साथ ही गांव में हुई कीचड़ के चलते परेशान होना पड़ा । यहां पर सेंटर सरकार द्वारा नहीं बनना चाहिए । ऐसे सेंटर हमेशा सड़कों की कनेक्टिविटी के हिसाब से बनाने चाहिए । राघव उपाध्याय 12 बजकर पांच मिनट पर टेस्ट देने के लिए रिजवान अहमद से नियम समझते हैं । उसके बाद 12 बजकर 15 मिनट पर टोकन लेते हैं । 12 बजकर 30 मिनट पर ट्रैक पर कार लेकर जाते हैं । फुटपाथ से गाड़ी टच होने पर टेस्ट में फेल हो गए।

दनकौर निवासी हितेश शर्मा व उनके भाई विपिन शर्मा 12 बजकर 15 मिनट पर ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर पहुंचे । और वहां पर रजिस्ट्रेशन कराया । रजिस्ट्रेशन के बाद 12 बजकर 45 पर हितेश को काउंटर से टोकन दिया गया । और एक बजकर 25 मिनट पर हितेश शर्मा ट्रैक पर टेस्टिंग के लिए कार लेकर रवाना हुए । समय अनुसार टेस्ट पास न करने के चलते वह भी फेल हो गए । जिसको लेकर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की और कहा कि टेस्ट देने से पहले समझाने का कोई तरीका नहीं है । केवल वीडियो दिखाकर ही खाना पूर्ति की जा रही है । जिससे ड्राइविंग टेस्ट देने में बेहद परेशानी का सामना करना पड़ रहा है । उसके बाद विपिन शर्मा बाइक टेस्ट के लिए ट्रैक पर अपनी बाइक लेकर गए । उन्हें भी ट्रैक को समझने में बेहद परेशानी का सामना करना पड़ा। नोएडा के सेक्टर-63 निवासी धर्मपाल ट्रेनिंग सेंटर पर एक बजकर 30 मिनट पर पहुंचे । जबकि उनके साथ परी चौक निवासी कृष्णा शर्मा भी थे। उसके बाद 2 बजे तिलपता गांव निवासी रोहित सिंह ड्राइविंग टेस्ट देने के लिए पहुंचे । सेंटर के प्रबंधक पवन बंसल का कहना है कि ड्राइविंग टेस्ट के लिए पारदर्शिता को लेकर सीसीटीवी की निगरानी में टेस्ट दे रहा है ।

ग्रेनो वेस्ट में बिजली कटौती के बाद लोगों का हंगामा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा वेस्ट की हाईराइज सोसाइटी में बिजली कटौती एक बड़ा मुद्दा बनती जा रही है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की महागुन मायवुड्स सोसायटी में देर रात से बिजली सप्लाई न होने के कारण सुबह सोसाइटी के निवासियों ने हंगामा किया।

सोसाइटी वासियों का आरोप है कि ना तो बिल्डर ना ही ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और ना ही प्रशासन सोसाइटी वासियों की शिकायतों का निस्तारण कर रहा है।

इस संबंध में उन्होंने एक ज्ञापन भी तैयार किया है। थाना बिसरख क्षेत्र के ग्रेटर नोएडा वेस्ट में स्थित महागुन मायावुड्स सोसायटी में आज सुबह सोसायटी वासियों ने हंगामा किया। सोसायटी वासियों का आरोप है कि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। इस संबंध में सोसायटी के लोगों ने ज्ञापन तैयार किया है। जिस पर 100 से अधिक फ्लैट ऑनर्स ने हस्ताक्षर किए हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि सोसायटी प्रबंधन यहां रहने वालों की समस्याओं का समाधान नहीं कर रहा है। जिसके कारण महिलाएं, बच्चे व बुजुर्ग बेहद परेशान है। कभी भी सोसायटी में लिफ्ट बंद हो जाती है। यहां भविष्य में कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। ज्ञापन में फ्लैट ओनर्स ने कहा है कि बिजली की सुविधा लेने के लिए सभी फ्लैटवासी प्रीपेड मीटर के हिसाब से अग्रिम भुगतान करते हैं। लेकिन जैसे ही भुगतान की राशि खत्म होती है बिजली काट दी जाती है।

बदला जाएगा दशकों पुराना ड्रेनेज सिस्टम

आप सरकार का बड़ा फैसला

महापौर ने कहा- अफसरों से सूची और लागत अनुमान लगाने के दिए निर्देश

प्रेस वार्ता में मेयर शैली ओबरॉय, उप-महापौर आले मोहम्मद और नेता सदन मुकेश गोयल।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में जलभराव की समस्या से निजात के लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने बड़ा फैसला लेते हुए दशकों पुराने ड्रेनेज सिस्टम को बदलने की तैयारी शुरू कर दी है। इस संबंध में एमसीडी महापौर डॉ. शैली ओबरॉय ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय राजधानी के दशकों पुराने ड्रेनेज सिस्टम को बदला जाएगा।

उन्होंने कहा कि राजधानी में 20-30 साल पुराना ड्रेनेज सिस्टम काम कर रहा है। इसे वर्षों से नहीं बदला गया है और यह पूरी तरह से खराब हो चुका है। एमसीडी के अफसरों को खराब ड्रेनेज सिस्टम की सूची तैयार करने और उसको बदलने में आने वाले खर्च का अनुमान लगाने के निर्देश दिया गया है।

एमसीडी मेयर डॉ. शैली ओबेरॉय ने बृहस्पतिवार को सिविक सेंटर में प्रेस वार्ता कर जलभराव की समस्या पर कहा कि मेयर की विवेकाधीन निधि ने इन ड्रेनेज को तत्काल ठीक किया जाएगा, ताकि जल भराव की समस्या का समाधान हो सके। साथ ही, मानसून तक एमसीडी के अधिकारी व स्टाफ 24 घंटे काम करेंगे और पूरी दिल्ली में फुटपाथ और बंद पड़े नालों से अतिक्रमण हटाया जाएगा, ताकि राजेंद्र नगर जैसी घटना दोबारा न हो।

उन्होंने कहा, हाल ही में राजेंद्र नगर में एक कोचिंग सेंटर की बेसमेंट में पानी भरने से तीन बच्चों की जान चली गई थी। दिल्ली में अभी भी मानसून जारी है और जगह-जगह जलभराव की समस्या हो रही है। इसे देखते हुए अधिकारियों को कुछ महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए हैं।

इसके तहत सबसे पहले दिल्ली में जहां-जहां बेसमेंट में अवैध तरीके से कोचिंग सेंटर या लाइब्रेरी चल रही है, उन्हें लगातार सील किया जा रहा और आगे भी यह काम जारी रहेगा। दूसरा, राजेंद्र नगर के केस में अतिक्रमण का मामला भी सामने आया है। पूरी दिल्ली में फुटपाथ और नालों पर से अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाया जाएगा। साथ ही, अतिक्रमण के कारण बंद सभी नालों को खोला जाएगा, ताकि पानी की निकासी हो सके। तीसरा, भारी बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव हो रहा है। ऐसे सभी प्वॉइंट्स जहां जल भराव की अधिक समस्या हैं, वहां पोर्टेबल पंप लगाए जाएंगे। अब तक जहां भी जलजमाव की समस्या आई है वहां पहले से ही पोर्टेबल पंप लगा दिए गए हैं। मेयर ने बताया कि मैंने एमसीडी कमिश्नर को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मानसून तक एमसीडी के सभी अधिकारी और स्टाफ 24 घंटे काम करेंगे। अलग-अलग शिफ्ट में उनकी ड्यूटी लगाई जाएगी, ताकि दिल्ली में राजेंद्र नगर जैसी घटना दोबारा न हो।

नियम उल्लंघन पर बेसमेंट होंगे सीलः मुकेश

एमसीडी के नेता सदन मुकेश गोयल ने कहा कि ओल्ड राजेंद्र नगर की घटना को देखते हुए दिल्ली नगर निगम की ओर से कई आवश्यक कदम उठाए गए हैं। इसके तहत, दिल्ली में नियमों का उल्लंघन करते हुए बेसमेंट में चल रहे कोचिंग सेंटर्स को सील किया जा रहा है। साथ ही, नालों पर से अतिक्रमण हटाकर पानी निकलने का रास्ता साफ किया जाएगा। राजेंद्र नगर के अलावा, मुखर्जी नगर और लक्ष्मी नगर जैसे इलाकों में जहां बच्चे कोचिंग लेते हैं, वहां भी ऐसी समस्या हैं।

वार्ड स्तर पर सूची तैयार करने के निर्देश

डॉ. शैली ओबेरॉय ने बताया कि राजेंद्र नगर की घटना को देखते हुए एमसीडी सदन के नेता मुकेश गोयल और डिप्टी मेयर आले इकबाल ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में सभी अधिकारियों को दिल्ली में वार्ड स्तर पर उन नालों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं जिन्हें सुधारने की आवश्यकता है।

खुले तार-केबल पर सर्वे कर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली। पूरी दिल्ली में जहां भी खुले तार और केबल हैं, उनका सर्वे किया जाएंगे और एनडीपीएस और बीएसईएस के साथ मिलकर उन पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। हाल ही में एक यूपीएससी की तैयारी कर रहे छात्र की करंट लगने से मौत हो गई थी। साथ ही, दिल्ली के कई इलाकों में पुराने बैरल हैं, जहां सीवर और नाले का पानी एक साथ बहता है। इन इलाकों में जलजमाव की समस्या सबसे ज्यादा होती है। इसलिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे इन इलाकों का सर्वे कर तुरंत कार्रवाई करें ताकि जलभराव की समस्या को कम किया जा सके।

मासूम को गुरुवार से जाना था प्ले स्कूल

- बेटे को बचाते हुए मां भी डूबी, दोनों की हुई थी मौत
- घटना के बाद मयूर विहार में लोगों ने किया प्रदर्शन

प्रियांश की फाइल फोटो

तनूजा की फाइल फोटो

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मासूम प्रियांश की आंखों में पहले दिन प्ले स्कूल जाने के सपने थे। मां अपने बेटे के उज्जवल भविष्य की कामना कर रही थी, मगर नियति को कुछ ओर ही मंजूर था। प्रियांश के पिता गोविन्द बिष्ट ने बताया कि उन्होंने बेटे का प्ले स्कूल में एडमिशन कराया था और वीरवार से उसे भेजने की तैयारी चल रही थी।

मां तनूजा सब्जी और प्रियांश के लिए कपड़े लेने सप्ताहिक बाजार गई थी। प्रियांश के स्कूल में पहले दिन को लेकर परिवार में सब खुश थे। पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर इलाके में निर्माणधीन नाले में गिरे बच्चे को बचाने में मां-बेटे की मौत का मामला सामने आया है।

बुधवार देर रात दोनों के शवों को निकाला गया, स्थानीय नागरिकों ने डीडीए और एमसीडी की खामी बताते हुए गुस्सा जाहिर किया। मिली जानकरी के अनुसार मृतक मां-बेटे की पहचान प्रियांश (3), तनूजा विष्ट (23) के रूप में हुई है। मृतका के पति गोविन्द बिष्ट ने बताया सुचना के बाद हम मौके पर पहुंचे और करीब 11 बजे दोनों को करीब 550 मीटर की दूरी से निकाला गया, दोनों को तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मयूर विहार फेस-3 में डीडीए के निर्माणाधीन नाले में गिर हुई मां-बेटे की मौत के विरोध में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बृहस्पतिवार को विरोध प्रदर्शन किया। आप विधायक कुलदीप कुमार और रोहित मेहरौलिया के नेतृत्व में घटना स्थल पर भारी संख्या में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने एलजी और भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ता हाथ में एलजी इस्तीफा दो, दोषी अफसरों पर कार्रवाई करो समेत अन्य नारे लिखी तख्तियां लिए थे। इस दौरान कुलदीप कुमार ने कहा कि डीडीए की लापरवाही से महिला व उसके ढाई साल के बच्चे की जान गई है। यह हादसा नहीं, हत्या है, फिर भी एलजी ने दोषी अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने कहा कि आप इन पर हत्या का मुकदमा दर्ज करने और एलजी को अपने पद से इस्तीफा देने की मांग करती है।

वहीं, रोहित ने पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। कुलदीप कुमार ने कहा कि मयूर विहार फेज 3 में केरला स्कूल की रोड पर डीडीए का एक गहरा नाला है। कई बार कहने के बाद डीडीए ने इस नाले का पुनर्निर्माण शुरू किया था। लेकिन डीडीए के अधिकारियों ने जरा भी सावधानी नहीं बरती। ये नाला ढका नहीं गया था और न ही इसकी मास्किंग या बैरिकेडिंग की गई थी। जिसके कारण यह हादसा हुआ। जलभराव के बाद नाले का पता नहीं चलने पर पहले बच्चा नाले में गिर गया और जब उसकी मां उसे बचाने गई, तो वह भी नाले गिर गई।

आप के नैतिक पतन की पोल खोली : विजेंद्र गुप्ता

स्वाति मारपीट मामला

- भाजपा नेता ने कहा, बिभव ने महिला पर अत्याचार की पराकाष्ठा पार की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और रोहिणी से विधायक विजेंद्र गुप्ता ने राज्यसभा सांसद और दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल के साथ दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास में हुई मारपीट की घटना पर सुप्रीम कोर्ट की गंभीर टिप्पणी का उल्लेख करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी के झूठ, फरेब और महिलाओं पर अत्याचार की पोल आज कोर्ट ने भी खोल दी है।

गुप्ता ने कहा कि स्वाति मालीवाल के साथ दुर्व्यवहार के मामले में आम आदमी पार्टी की नैतिकता को कोर्ट ने आज कटघरे में खड़ा कर दिया। कोर्ट का कहना है कि बड़े-बड़े अपराधियों को भी जमानत दी जाती है, लेकिन मुख्यमंत्री आवास में जानबूझकर की गई महिला के साथ बदसलूकी नैतिकता का घोर पतन है।

गुप्ता ने बताया कि मालीवाल द्वारा एफआईआर में लिखा है कि उन्होंने महिलाओं की विशेष परिस्थिति का हवाला देते हुए विभव से गुहार लगाई कि मारना बंद करो, लेकिन वह रुका नहीं। यह अमानवीयता की पराकाष्ठा थी। गुप्ता ने कहा कि इस घटना की जितनी भर्त्सना की जाए, वह कम है, और ऐसे अपराधी को सबक मिलना ही चाहिए ताकि समाज को यह संदेश जाए कि सभ्य समाज में ऐसी घटनाओं का कोई स्थान नहीं है। गुप्ता ने कहा कि इस सबको जानने के बाद भी लोकसभा चुनाव प्रचार में केजरीवाल के साथ विभव का रहना यह दर्शाता है कि मालीवाल के साथ जो भी दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई, वह केजरीवाल की ही साजिश का हिस्सा थी। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में लूट-खसोट, भ्रष्टाचार, घोटाले, लापरवाही, निकम्मापन और अराजकता के बाद, केजरीवाल सरकार ने निहित स्वार्थ के लिए महिला उत्पीड़न की इस घटना को अंजाम दिया है। ज्ञात हो कि केजरीवाल के करीबी बिभव कुमार स्वाति के साथ मारपीट मामले में जेल में बंद है। पिछले दिनों उन्होंने जमानत मांगी थी।

केजरीवाल सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर जवाब दें : कमलजीत सहरावत

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा की महामंत्री एवं सांसद कमलजीत सहरावत ने मुख्यमंत्री आवास पर स्वाति मालिवाल के साथ आवास पर विभव कुमार द्वारा की गई बदसलूकी के मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर आप सरकार को घेरते हुए केजरीवाल से जवाब देने को कहा है। सहरावत ने कहा कि यह शर्मनाक है कि कोर्ट ने सवाल किया कि आखिर सीएम आवास में गुंडे भी रहते हैं क्या क्योंकि बिभव कुमार का बर्ताव किसी गुंडे की तरह का व्यवहार था।

एसयूवी चालके के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का आरोप हटा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बृहस्पतिवार को यहां की एक अदालत को बताया कि उसने कोचिंग सेंटर में तीन विद्यार्थियों की मौत के मामले में एसयूवी चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का आरोप वापस ले लिया गया है। जांच अधिकारी ने अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार को आरोप वापस लेने के फैसले की जानकारी दी। सत्र न्यायाधीश कुमार कार चालक मनुज कथूरिया को बुधवार को जमानत देने से मजिस्ट्रेट अदालत के इनकार के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई कर रहे हैं। न्यायाधीश ने कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने के बाद डूबने से तीन विद्यार्थियों की मौत के मामले में गिरफ्तार किए गए चालक की दूसरी जमानत याचिका पर आदेश सुरक्षित रख लिया।

दरियागंज स्थित हैप्पी स्कूल के दीवार गिरने से सड़क पर खड़े कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। फोटो: रंजन डिमरी

कोचिंग सेंटर हादसा में अभ्यर्थियों का प्रदर्शन पांचवें दिन भी जारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के राजेंद्र नगर में स्थित कोचिंग सेंटर में छात्रों की मौत के विरोध में सिविल सेवा परीक्षा की तैयार कर रहे अभ्यर्थियों का विरोध प्रदर्शन बृहस्पतिवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। एक दिन पहले भारी बारिश के कारण इस इलाके में फिर से जलभराव हो गया था। सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे गौतम ने कहा, हम अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे। बुधवार को हुई बारिश ने सभी को दिखा दिया कि इस क्षेत्र में ऐसी परिस्थितियों में हमें किस तरह की स्थिति का सामना करना पड़ता है।

गौतम बुधवार को प्रदर्शनकारी छात्रों द्वारा गठित 15 सदस्यीय टीम का हिस्सा भी हैं, जो विरोध प्रदर्शन की भावी रणनीति तय करेगी और संबंधित अधिकारियों से संवाद करेगी। दिल्ली पुलिस और दिल्ली नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों ने छात्रों की चिंताओं को दूर करने और क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए विरोध स्थल का दौरा किया।

नाला सफाई में सैकड़ों करोड़ रुपये का घोटाला : सचदेवा

- भाजपा नेता इस मामले में सीबीआई को जरूरी बताया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने बृहस्पतिवार को कहा कि राजधानी में नाला सफाई के नाम पर सैकड़ों करोड़ रुपये का घाटोला हुआ है, उन्होंने कहा कि दो-तीन सालों में दिल्ली की सीवर व्यवस्था एवं बरसाती पानी की निकासी पूरी तरह चरमरा गई है, हलकी सी बारिस आने पर भी दिल्ली की सड़कें जलमग्न हो जाती हैं।

पत्रकार वार्ता में वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल सरकार पूरी तरह भ्रष्टाचार में लिप्त है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में 1998 के बाद से भारतीय जनता पार्टी का शासन नहीं रहा है पर समय-समय पर दिल्ली नगर निगम के माध्यम से हम लोक सेवा में समर्पित रहे और छोटे नालों और कालोनियों की नालियों की सफाई हमारे कार्यकाल में पूरी निष्ठा से की जाती थी पर गत दो वर्षों में हमने देखा कि मुख्य मार्ग हो या कालोनियों की गलियां सभी में एक बराबर जल भराव की स्थिति देखी जा रही है।

एमसीडी को केंद्र दें 5,200 करोड़ : भारद्वाज

- मंत्री ने कहा, अनुदान के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण करे पत्र लिखकर करेंगे मांग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के लिए 5,200 करोड़ रुपए की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि अन्य शहरी स्थानीय निकायों की तरह एमसीडी को भी केंद्र से अनुदान मिलना चाहिए। यहां महापौर शैली ओबेरॉय के साथ एक पत्रकार वार्ता में शहरी विकास मंत्री ने कहा कि एमसीडी को नालियों और सड़कों जैसे बुनियादी ढांचे के विकास के लिए केंद्रीय अनुदान की आवश्यकता है।

भारद्वाज ने कहा कि हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों के शहरी स्थानीय निकायों को केंद्र से अनुदान मिलता है। उन्होंने कहा, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी है। अन्य शहरी स्थानीय निकायों की तरह दिल्ली नगर निगम को भी केंद्र से अनुदान मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, एमसीडी को केंद्र से 5,200 करोड़ रुपए से अधिक का अनुदान मिलना चाहिए। मैं इस बारे में केंद्रीय वित्त मंत्री को पत्र लिखूंगा। इस राशि की मांग करने का कारण बताते हुए भारद्वाज ने कहा, देश भर के शहरी स्थानीय निकायों को पिछले पांच वर्षों में केंद्र से 1.21 लाख करोड़ रुपए का अनुदान मिला है। 2011 की जनगणना के अनुसार देश में कुल शहरी आबादी 37.7 करोड़ है। उन्होंने कहा, इन आंकड़ों के अनुसार अन्य राज्यों में शहरी स्थानीय निकायों को केंद्र से प्रति व्यक्ति 3,211 रुपए प्राप्त हुए। उन्होंने कहा, इसी तरह जनगणना के अनुसार दिल्ली की शहरी आबादी 1.63 करोड़ है। इसलिए दिल्ली को अपने शहरी स्थानीय निकाय के लिए 5,243 करोड़ रुपए मिलने चाहिए।

बिना खिड़की के छोटे कमरों में परवान चढ़ने की कोशिश करता है आईएसएस बनने का सपना

- रहने के लिए बेसमेंट में भी 15,000 से 20,000 रुपये प्रति माह देने को मजूबर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

छोटे-छोटे, खिड़की रहित कमरों में पेइंग गेस्ट के तौर पर रहने वाले, सिविल सेवा अभ्यर्थियों की आंखों में पलता यह सपना उन्हें राहत देता है कि एक दिन उनका भी आएगा जब वे अफसर बन जाएंगे और अपनी पसंदीदा जिंदगी जिएंगे।

ओल्ड राजेंद्र नगर के एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में अचानक पानी भरने से तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों की मौत की घटना ने उन खराब परिस्थितियों को उजागर किया है जिसमें कई सिविल सेवा उम्मीदवार आईएएस अधिकारी बनने के अपने सपने को पूरा करने के लिए विषम हालात में रहते हैं। ओल्ड राजेंद्र नगर हो या मुखर्जी नगर, दिल्ली के विभिन्न कोचिंग केंद्र की कहानी एक जैसी ही है। पिछले डेढ़ साल से राजेंद्र नगर में ग्राउंड फ्लोर पर एक कमरे में रह रहे उत्तर प्रदेश के एक सिविल सेवा अभ्यर्थी ने कहा, राजेंद्र नगर और मुखर्जी नगर में लगभग हर मकान के मालिक ने अपने घर को पेइंग गेस्ट आवास में बदल दिया है।

मुखर्जी नगर में एक कोचिंग सेंटर में कक्षाएं लेने वाले 28 वर्षीय यूपीएससी अभ्यर्थी ने कहा कि छात्रों की संख्या बहुत ज्यादा है और जगह कम है इसलिए गरीब परिवारों के लोगों के पास रहने के लिए बहुत कम विकल्प हैं। उन्होंने कहा, अच्छे पैसे कमाने के लिए पीजी के मालिक एक बड़े कमरे को पर्दे से अलग अलग हिस्से में बांट देते हैं। ऐसे कमरों में करीब पांच से छह छात्र रहते हैं।

आम तौर पर इन हालात में छात्र सोचते हैं अभी झेल लो, एक बार नौकरी लग गई, तो आगे पीछे नौकर-चाकर होंगे। शहर के दो कोचिंग केंद्रों में रहने वाले कई सिविल सेवा अभ्यर्थियों का कहना है कि वे बिना खिड़की वाले बेसमेंट में रहते हैं, जो हर बार भारी बारिश होने पर पानी से भर जाते हैं।

उनका कहना है कि ऐसे कमरों की कीमत ग्राउंड फ्लोर या ऊपरी मंजिलों के कमरों की तुलना में आधी है। एक अन्य सिविल सेवा अभ्यर्थी ने कहा अगर कोई ग्राउंड या ऊपरी मंजिलों पर रहना चाहता है, तो उसे कम से कम 25,000 से 30,000 रुपए प्रति माह खर्च करने होंगे।

जो लोग बेसमेंट में रह रहे हैं, उन्हें लगभग 15,000 से 20,000 रुपए प्रति माह देने पड़ रहे हैं। खतरा तो है लेकिन पैसे बच जाते हैं। ओल्ड राजेंद्र नगर में एक कोचिंग संस्थान के बेसमेंट में बारिश के कारण पानी भर जाने से सिविल सेवा के तीन अभ्यर्थियों की मौत की घटना बाद छात्रों ने कहा कि वे ऐसे बेसमेंट में रहकर अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। इसके बावजूद वे संघर्ष का महिमामंडन करते हैं। एक छात्र ने कहा, यह सिविल सेवाओं का आकर्षण है कि ऐसी समस्याओं को नजर अंदाज कर दिया जाता है। न केवल पीजी में भीड़ है बल्कि कक्षाओं का भी यही हाल है।

उचित सुविधाएं नहीं होने के बावजूद छात्रों की संख्या बढ़ती ही जाती है। कक्षा में 100 छात्र होने पर भी मालिक 120 से 125 से अधिक छात्रों को समायोजित करने का प्रयास करते हैं। सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे एक छात्र ने कहा, जो लोग बैठने या कक्षा में आने में असमर्थ हैं, उन्हें रिकॉर्ड की गई वीडियो सामग्री दी जाती है जिसका वे बेसमेंट की लाइब्रेरी में बैठ कर अध्ययन करते हैं। बेसमेंट को पीजी के रूप में किराए पर देना गैरकानूनी है, क्योंकि दिल्ली के मास्टर प्लान (एमपीडी) 2021 में ऐसी जगहों का केवल भंडारण, पार्किंग और उपयोगिता क्षेत्रों के तौर पर उपयोग करने की अनुमति है। असम के एक अन्य आईएएस अभ्यर्थी ने कहा, अचानक सरकार सख्त हो गई है, लेकिन यह सिर्फ़ कुछ समय की बात है क्योंकि एक घटना घटी है। हकीकत में कुछ भी लागू नहीं किया जाएगा।

सरिता विहार अंडरपास से ओखला एस्टेट रोड का होगा अपग्रेडेशन

- पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने परियोजना को दी मंजूरी
- लगभग 3 किमी लंबी सड़क तुगलकाबाद, ओखला, कालकाजी को जोड़ती है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिण पूर्वी दिल्ली में सरिता विहार अंडरपास से गुरु रविदास मार्ग टी-पॉइंट के बीच ओखला एस्टेट रोड का अपग्रडेशन और सौंदर्यीकरण होगा। ये सड़क तुगगलकाबाद, ओखला, कालकाजी विधानसभा को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण रोड। यहां से रोजाना बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही होती है। लोक निर्माण विभाग की मंत्री आतिशी ने इस परियोजना को मंजूरी दी है।

परियोजना को मंजूरी देते हुए, पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने कहा अंतराराष्ट्रीय मानकों का पालन करते हुए शहर में विश्व स्तरीय और सुरक्षित परिवहन नेटवर्क बनाना है। इस दिशा में सरकार ओखला एस्टेट रोड जो दक्षिणी-पूर्वी दिल्ली की एक महत्वपूर्ण सड़क है। उनकी सरकार इस मार्ग का अपग्रडेशन करेगी। ये पहल मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के विभिन्न क्षेत्रों की समग्र कनेक्टिविटी को बढ़ाते हुए दिल्ली वालों को सड़कों पर चलने के बेहतर अनुभव देने के विजन का हिस्सा है। इस सड़क पर रोजाना हजारों वाहनों की आवाजाही होती है। ऐसे में भारी ट्रैफिक के कारण सड़क की ऊपरी सतह पर कई जगह दरार आ गई हैं। पीडब्ल्यूडी ने विशेषज्ञ की सहायता से सड़क का निरीक्षण किया है और पीडब्ल्यूडी मंत्री ने जल्द इसके सुदृढ़ीकरण के निर्देश दिये है। मंत्री ने अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि निर्माण के दौरान यात्रियों को कोई असुविधा न हो और निर्माण में उच्च गुणवत्ता वाली सड़कों के सभी मानकों का पालन किया जाए

आफत की बारिश के साथ बिजली ने ढहाया सितम

घंटों तक विद्युत कटौती के चलते बीमार लोग हुए बेहाल, तार टूटने से करंट लगा, तीन राहगीरों की मौके पर ही दर्दनाक मौत

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में बुधवार की बरसात आफत बनकर बरसी। इस बरसात में बिजली ने भी आम और खास को प्रभावित किया। कहीं बिना बिजली जान पर बन आई तो कहीं बिजली ने जान ही ले ली। लोग दोनों ही सूरत में बिजली विभाग को कोसते नजर आए।

बारिश शुरू होने के साथ ही बिजली विभाग ने शहर के अनेक क्षेत्रों में बिजली काट दी थी। बिजली की कटौती बरसात से पहले भी कई-कई घंटे तक की जा रही है। बुधवार की रात को बारिश जब शुरू हुई तो बिजली गुल हो गई। बारिश के बावजूद गर्मी में लोगों को बिजली ना होने से परेशानी उठानी पड़ी। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने बिजली की कटौती को लेकर अपनी समस्या रखी। बहुत से मरीजों को बिजली ना होने से दिक्कत हुई।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड को सोशल मीडिया पर अपनी बिजली संबंधी समस्या को टैग करते हुए सेक्टर-17ए में रहने वाली मानसी गोयल नामक महिला ने लिखा है कि-मेरे पिताजी को रात में सोने के लिए ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। करीब 6 घंटे से बिजली नहीं है। हमारा ऑक्सीजन कंसंट्रेटर खाली होने वाला है।

कृपया बिजली की व्यवस्था में मदद करें, अन्यथा यह मेरे लिए बहुत बड़ी समस्या होगी। पालम विहार निवासी अर्पित कुमार ने मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट व डीएचबीवीएन को टैग करते हुए लिखा कि-हम मेट्रो सिटी में रह रहे हैं। पिछले 6 घंटों से पालम विहार में बिजली नहीं है।

अशोक विहार फेज-3 में रहने वाले निखिल ने भी बिजली की समस्या से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि रात को करीब दो बजे उनकी कालोनी में लाइट आई है। इससे पहले सब दिक्कत झेलते रहे। उनकी मां की तबियत खराब थी, लेकिन बिजली विभाग की तरफ से लाइट देने के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। शिकायत केंद्र पर भी किसी ने फोन नहीं उठाया।

ओमनगर निवासी राजेश यादव ने बताया कि बुधवार शाम को 6 बजे लाइट काटी गई थी। फिर 10 बजे आई। आधा घंटे लाइट मिली और फिर काट दी गई। इसके बाद लाइट गुरुवार सुबह 8 बजे आई है। लाइट काटने को लेकर बिजली विभाग ने कोई जानकारी नहीं दी।

इफको चौक मेट्रो स्टेशन के पास गिरे इसी पेड़ से तार टूटने के कारण हादसा होने की बात कह रही पुलिस।

फुटपाथ पर टूटे पड़े बिजली के तार, जिनसे हादसा हुआ।

नाले में गिरने से युवक की मौत

गुरुग्राम। सोहना स्थित पर बुधवार की रात को एक नाले में गिरने से युवक की मौत हो गई। बरसात के कारण नाला पानी से लबालब था। जानकारी के अनुसार घामड़ोज गांव निवासी अजय राघव बाइक पर सवार होकर जा रहा था। सोहना रोड पर बरसात का पानी काफी भरा था। वहां पर नाला भी था, जो युवक को नजर नहीं आया। वह आराम से बाइक पर जा रहा था। इसी बीच नाले में उसकी बाइक अटकी और वह बाइक समेत उसमें गिर गया। इस दौरान नाले में डूबने से उसकी मौत हो गई।

करंट ने ली तीन लोगों की जान

गुरुग्राम में बरसात के बीच ही सबसे बुरी घटना यह हुई कि बिजली के करंट से तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में एक व्यक्ति कंपनी में क्वालिटी इंजीनियर था।

जानकारी के अनुसार इफको चौक मेट्रो स्टेशन के पास बुधवार की रात को हुई बरसात से पानी भरा हुआ था। वहां से इफको चौक मेट्रो स्टेशन पार करके 3 लोग अपने घर लौट रहे थे। फुटपाथ किनारे स्ट्रीट लाइट की खुले तार पड़े थे। उन तारों की चपेट में तीनों लोग आ गए और करंट से तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि पुलिस ने तेज हवा व बरसात कारण एक पेड़ टूटकर गिरने से हाइटेंशन लाइन टूटने को इस हादसे का कारण बताया है। मृतकों में एक जयपाल निवासी नांगल चौधरी जिला महेंद्रगढ़ कोरिया की कंपनी में ड्राइवर बताया जा रहा है। अन्य दो मृतक यूपी के सुल्तानपुर के रहने वाले थे। उनमें वसी उजमा मल्होत्रा केबल कंपनी मानेसर आईएमटी में क्वालिटी इंजीनियर था। उनके परिजनों का आरोप है कि सड़क किनारे बिजली के नंगे तारें बिजली विभाग की लापरवाही को दर्शा रहे हैं। मृतकों के परिजनों ने बिजली निगम, पुलिस व प्रशासन पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए मुआवजा देने व कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

जल लेकर वापस लौट रहे कांवड़ियों के साथ विधायक राजेश नागर।

शीघ्र प्रसन्न होने वाले देवता हैं भोलेनाथः राजेश नागर

● विधायक ने कांवड़ियों का स्वागत कर उनका कुशलक्षेम जाना

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

तिगांव के भाजपा विधायक राजेश नागर ने आज वापस लौट रहे कांवड़ियों का जोरदार स्वागत किया और उनका कुशलक्षेम जाना। नागर ने उनसे मार्ग की कठिनाइयों और उनके अनुभवों के बारे में बात की और उनके उज्जवल भविष्य के लिए भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना की।

राजेश नागर ने बताया कि कल महाशिवरात्रि के अवसर पर वह अनेक जगहों पर जाकर भक्तों के साथ भगवान भोलेनाथ का गंगाजल से अभिषेक करेंगे और क्षेत्र में सुख शांति एवं खुशहाली के लिए प्रार्थना करेंगे। नागर ने बताया कि भगवान भोलेनाथ शीघ्र ही प्रसन्न होने वाले देवता हैं। वह थोड़े ही प्रयास से भक्तों के भाव से प्रसन्न हो जाते हैं और समस्त प्रार्थनाओं को क्षण भर में पूर्ण कर देते हैं। नागर ने कहा कि हमारे क्षेत्र में हजारों कांवडिए हर वर्ष हरिद्वार एवं गोमुख जाते हैं और गंगाजल लाकर विभिन्न मंदिरों पर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक करते हैं। उन्होंने बताया कि सनातन परंपरा में भगवान भोलेनाथ का अभिषेक बहुत विशेष माना जाता है। शिवरात्रि के अवसर पर यह भक्तों की सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला है। उन्होंने कहा कि भगवान भोलेनाथ की समस्त जगत पर इतनी करूणा है कि उन्होंने मां गंगा को धरती पर अवतरण लेने के लिए भी अपनी कृपा हमें प्रदान की।

फरीदाबाद में नौ और बेसमेंट सील

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

दिल्ली में हुए हादसा से सबक लेते हुए अब नगर निगम ने अवैध रूप से बने बैसमेंट को सील करने का काम तेज कर दिया है। अब तक फरीदाबाद में ऐसे अवैध रूप से बने बैसमेंट सील किए जा चुके हैं, जिनमें होटल, सपा सैंटर, लाईवरेरी तथा कोचिंग सैंटर आदि चल रहे हैं।

इस संबंध में निगमायुक्त ए. मोना श्रीनिवास द्वारा नगर निगम के सभी संयुक्त आयुक्तों को आदेश दिये गये कि वह अपने-अपने क्षेत्र में अवैध बनी बेसमेंट को चिन्हित करें तथा जिन बेसमेंट में कोचिंग सैन्टर, स्कूल आदि चल रहे है उन पर सख्त कार्यवाही करें।

इसी श्रृंखला में निरन्तर कार्यवाही करते हुऐ आज ओल्ड फरीदाबाद के अशोका इन्कलेव पार्ट-1 में गलैक्सी टूटोरियल नामक कोचिंग सैंटर को सील किया गया। इसी प्रकार एनआईटी - 3 के बेसमेंट में चल रही 08 इकाईयों को सील किया गया जिसमें होटल, सपा सैंटर, लाईवरेरी तथा कोचिंग सैंटर आदि शामिल है।

निगम दिसंबर तक पूरे कचरे का निस्तारण सुनिश्चित करे: मंत्री

● केन्द्रीय मंत्री ने किया बंधवाड़ी कचरा निस्तारण प्लांट का दौरा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने गुरुवार को गुरुग्राम पहुंचकर बंधवाड़ी कचरा निस्तारण प्लांट का दौरा किया। केंद्रीय मंत्री ने प्लांट निरीक्षण दौरे में संबंधित अधिकारियों से कचरा निस्तारण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी लेने के बाद निस्तारण कार्य की गति में तेजी लाने व निस्तारण के लिए निर्धारित नियमों के तहत बेहतर कार्य करने के निर्देश दिए।

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि बेहतर व स्वच्छ वातावरण में रहना लोगों का संवैधानिक अधिकार है। ऐसे में बढ़ते शहरीकरण के साथ आमजन को स्वस्थ पर्यावरण उपलब्ध कराना हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। हमारा प्रयास रहना चाहिए कि हम गुरुग्राम के नागरिकों को बेहतर व सुगम सफाई व्यवस्था उपलब्ध कराएं। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि कचरा निस्तारण प्रक्रिया में और अधिक तेजी लाई जाए तथा दिसंबर तक बंधवाड़ी प्लांट में पड़े पूरे कचरे का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

'30.18 लाख मिट्रिक टन कचरे का निस्तारण हुआ'

नगर निगम आयुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़ ने केन्द्रीय मंत्री को बताया कि जनवरी 2023 में किए गए एसेसमैंट के अनुसार बंधवाड़ी प्लांट पर 30.43 लाख मिट्रिक टन लीगेसी वेस्ट मौजूद था। जनवरी 2023 से जुलाई 2024 तक यहां पर 9.32 लाख मिट्रिक टन फ्रैश कचरा पहुंचा। इस प्रकार प्लांट में कुल 39.75 लाख मिट्रिक टन कचरे में से जनवरी 2023 से जुलाई 2024 तक 30.18 लाख मिट्रिक टन कचरे का निस्तारण किया जा चुका है। अब शेष बचे 9.57 लाख टन लीगेसी कचरे सहित अपेक्षित 2.50 लाख मिट्रिक टन ताजा कचरे को मिलाकर कुल 12.07 लाख मिट्रिक टन कचरे का निस्तारण दिसंबर 2024 तक कर लिया जाएगा।

केन्द्रीय मंत्री द्वारा प्रतिदिन कचरा उत्पादन तथा निस्तारण के बारे में पूछने पर निगमायुक्त ने बताया कि फरीदाबाद तथा गुरुग्राम का 4000 टन कचरा प्रतिदिन प्लांट में पहुंच रहा है। नगर निगम द्वारा प्लांट में प्रतिदिन 7000 टन कचरे का निस्तारण किया जा रहा है। इसके लिए प्लांट में 30 पोकलेन, 64 हाईवा, 2 डोजर तथा 23 ट्रोमल कार्य कर रहे हैं।

गुरुग्राम में राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ का आगाज

● राव इंद्रजीत ने किया शुभारंभ, प्रदेशभर से ढाई हजार खिलाड़ी प्रतियोगिता में ले रहे हैं भाग

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा खेल महाकुंभ के दूसरे चरण में केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने प्रदेश स्तरीय एथलेटिक्स, तीरदांजी व कबड्डी प्रतियोगिता का गुरुवार को ताऊ देवीलाल स्टेडियम परिसर में शुभारंभ किया। तीन अगस्त तक जारी रहने वाले इन खेलों में प्रदेश के सभी 22 जिलों से करीब ढाई हजार खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

खेल महाकुंभ की शुरूआत करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि देश में अन्य राज्यों के मुकाबले आज भी हरियाणा की खेल नीति सर्वश्रेष्ठ है। प्रदेश शूटिंग एसोसिएशन का अध्यक्ष होने के नाते उन्होंने यह अनुभव किया है कि हरियाणा सरकार की खेल नीति सर्वश्रेष्ठ है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली खेल प्रतियोगिताओं में हरियाणा के खिलाड़ी 40 प्रतिशत पदक लेकर आते हैं। ओलंपिक, कॉमनवेल्थ, एशियाड आदि खेलों में हरियाणा के खिलाड़ियों का परचम रहा है। जिसका ताजा उदाहरण मनु भाकर व सरबजोत सिंह हैं। ये दोनों पदक विजेता हमारे प्रदेश के हैं।

मुख्य अतिथि ने आठ सौ मीटर की दौड़ की शुरूआत करवाई। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के अर्जुन अवार्डी व भीम अवार्डी खिलाड़ियों को सम्मानित किया। जिनमें राजकुमार सांगवान, शिवानी कटारिया, आरती कोहली, गिरिराज सिंह, राममेहर, सिकंदर लांबा, अनूप, गीता जुत्शी व सुनील डबास शामिल थीं।

गुरुग्राम में राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ के शुभारंभ पर खिलाड़ियों से रूबरू होते केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह।

गुरुग्राम फिर से हॉकी का सिरमौर बनना चाहिए: राव

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

केंद्रीय सांख्यिकी व कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि हॉकी का नया एस्ट्रोटर्फ ग्राउंड बनने से जिले के हॉकी खिलाड़ियों को खेलने के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। इस खेल में भारत की टीम के लिए यहां से नए खिलाड़ी तैयार होने चाहिए।

गुरुवार को नेहरू स्टेडियम परिसर में दस करोड़ रुपये की लागत से बनकर तैयार हुए एस्ट्रोटर्फ ग्राउंड का उद्घाटन करने के बाद राव इंद्रजीत सिंह खिलाड़ियों को संबोधित कर रहे थे। उनके साथ हरियाणा के खेल एवं वन पर्यावरण मंत्री संजय सिंह, उपायुक्त निशांत कुमार यादव व एसडीएम सोनू भट्ट भी मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आजादी के समय मेजर ध्यानचंद का हॉकी में दुनिया में नाम था। जिसके सात खिलाड़ी भारतीय हॉकी टीम में थे। गुरुग्राम कभी हॉकी के लिए प्रसिद्ध हुआ करता था। अब एक बार फिर से गुरुग्राम को हॉकी का सिरमौर बनाया जाना चाहिए।

समारोह में खेल विभाग के उप निदेशक गिरिराज सिंह, राघवेंद्र सिंह, पूर्व मेयर विमल यादव, हंसराज यादव, पूर्व सरपंच सतीश यादव, विकास, सरजीत सिंह, राजपाल चेयरमैन, आरती कोहली इत्यादि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश में बनेगी बसपा-इनेलो की सरकार: वशिष्ठ

फरीदाबाद। बसपा इनेलो गठबंधन हरियाणा की राजनीति में नया इतिहास रचेगा। दोनों दलों के गठबंधन से कार्यकर्ताओं में काफी जोश देखने को मिल रहा है। इसके चलते इस बार बसपा इनेलो गठबंधन की सरकार बनना तय है। यह कहना है बसपा के प्रदेश प्रभारी एवं वरिष्ठ नेता सुरेंद्र वशिष्ठ का। इसे लेकर आगामी 10 अगस्त को मोहना की अनाज मंडी में इनेलो बसपा की सयुंक्त रैली का आयोजन किया जा रहा है। जो ऐतिहासिक बनेगी। इस रैली में इनेलो विधायक एवं वरिष्ठ इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला व बसपा के राष्ट्रीय कॉरडिनेटर आकाश आनंद विशेष रूप से उपस्थित होकर रैली में उपस्थिति कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे।

डीईएलएड परीक्षाओं को लेकर दिशा निर्देश जारी

गुरुग्राम। जिला में चार केंद्रों पर 22 अगस्त तक आयोजित होने वाली डी. ईएल.एड. की परीक्षाओं के मद्देनजर जिलाधीश निशांत कुमार यादव ने धारा 163 लगाने के आदेश जारी किये हैं। आदेशों के अनुसार परीक्षा केंद्रों की 200 मीटर परिधि में धारा 163 के तहत पाबंदियां रहेंगी। जिलाधीश निशांत कुमार यादव द्वारा जारी किए आदेशों में कहा गया है कि जिला में गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर 4/7, गवर्नमेंट गर्ल सीनियर सेकंडरी स्कूल अर्जुन नगर व जैकबपुरा व एस.डी. (बॉयज) सीनियर सेकंडरी स्कूल खांडसा रोड में 22 अगस्त तक डी. ईएल. एड परीक्षाएं आयोजित होंगी। परीक्षाओं को निर्बाध व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत यह आदेश जारी किए गए हैं। जिसके तहत परीक्षा केंद्रों की 200 मीटर की परिधि में अग्नि शस्त्र, तलवार, गंडासा, लाठी, बरछा, कुल्हाड़ी, जेली, चाकू व अन्य हथियार लेकर कोई भी व्यक्ति नहीं चल सकेगा। आदेशों में कहा गया है कि परीक्षा केंद्रों की 200 मीटर की सीमा में आने वाली फोटो स्टेट की दुकान परीक्षाओं के समय बंद रहेगी।

'कांवड़ यात्रा से मिलता है अश्वमेघ यज्ञ के समान फल'

फरीदाबाद। कांवड़ यात्रा करने से व्यक्ति जन्म मरण के बंधन से मुक्त हो जाता है और शिवधाम को प्राप्त होता है। साथ ही अश्वमेघ यज्ञ के समान फल मिलता है और परिवार में सुख-शांति और समृद्धि आती है। यह विचार भाजपा नेता धर्मवीर भड़ाना ने खेड़ी पुल के पास कांवड़ियों की सेवा करते हुए व्यक्त किए। धर्मवीर भड़ाना ने बताया कि पाली गांव के समाजसेवी रामवीर भड़ाना ने इस शिविर का आयोजन किया है जो कई वर्षों से कावड़ यात्रियों की सेवा करते आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस शिविर में सैकड़ो की तादाद में कई दिन से कांवड़ियों की सेवा की जा रही है । भोले भक्तों के लिए यहां हर तरह की सुविधा की गई है। उन्होंने बताया कि सावन के पावन महीने में कावड़ लाने वाले कावड़ यात्रियों की सेवा करना सबसे सबसे बड़ा पुण्य का काम है। उन्होंने बताया कि कई दिनों से पूरा फरीदाबाद भोले मय हो गया है। हर तरफ बम बम भोले की आवाज ही सुनाई पड़ रही है। पाली गांव के सैकड़ो युवा भी कावड़ लेने गए थे जो वापस लौटे हैं। शुक्रवार को सभी युवा पाली गांव में जलाभिषेक करेंगे। इस मौके पर पूरा गांव उनकी सेवा में मौजूद रहेगा । इस मौके पर रघुनाथ मेंबर पाली, वीरपाल भडाना, सिरदारी भड़ाना, शेर सिंह भड़ाना सहित पाली गांव के बड़े बुजुर्ग मौजूद रहे।

चौहान ने किया महाकांवड़ का स्वागत

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरिद्वार से चलकर तावडू पहुंचने वाली 30वीं महाकावड़ ने गुरुवार को सोहना क्षेत्र में प्रवेश किया। अपने विधानसभा क्षेत्र में पहुंची कांवड़ का पूर्व चेयरमैन एवं सोहना-तावडू विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतरे कल्याण सिंह चौहान ने भव्य स्वागत किया। भोले बाबा की भक्ति में लीन होकर उन्होंने स्वयं भी कांवड़ खींची। कांवड़ लाने वाले सभी युवाओं को उन्होंने इस नेक व धार्मिक कार्य के लिए बधाई भी दी।

सोहना पहुंची महाकांवड़ का कल्याण सिंह चौहान ने फूलमालाओं से स्वात किया। इस दौरान उनके साथ हजारों की सख्या में सोहना व तावडू क्षेत्र के लोग मौजूद रहे। स्वागत और जलपान के बाद कल्याण सिंह चौहान पैदल ही महाकावड़ के साथ सोहना से तावडू की ओर रवाना हुए। रास्ते में मौजूद हर गांव में महाकावड़ व कल्याण सिंह का स्वागत किया। बता दें कि पिछले 30 वर्षों से तावडू के युवाओं द्वारा हरिद्वार से गंगाजल महाकावड़ द्वारा लाया जाता है।

सोहना में महाकांवड़ खींचते जिला परिषद के पूर्व चेयरमैन कल्याण सिंह चौहान।

सरपंच सुंदर लाल ने सीएम से की मुलाकात

● दोपहर के भोज में पहुंचने पर नायब सिंह सैनी का जताया आभार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

संत कबीर कुटीर (मुख्यमंत्री आवास) चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का 11 जुलाई को गुरुग्राम में अपने वाटिका कार्यालय पर अभिनंदन समारोह और दोपहर भोज के कार्यक्रम में पहुंचने पर सरपंच सुन्दर लाल यादव ने आभार व्यक्त किया।

सरपंच सुंदर लाल यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री ने एक बार फिर से उस कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों को प्यार और भाईचारा अच्छा लगा। हमें ऐसे ही लोगों को जोड़कर रखना चाहिए। उन्हें सरकार की योजनाओं को लाभ दिलाना चाहिए। भाजपा की केंद्र और हरियाणा में सरकार अन्तोदय की राह पर चलते हुए देश व प्रदेश के विकास के लिए काम कर रही है। सरपंच सुंदरलाल यादव ने मुख्यमंत्री को विश्वास दिलाया कि सरकार की नीतियों और योजनाओं को लाभार्थियों को लाभ दिलाने के लिए पार्टी के सच्चे सिपाही बनकर काम किया है और करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता का भाजपा में विश्वास है।

मुख्यमंत्री से मिलकर आभार जताते सरपंच सुंदर लाल यादव।

'नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं फरीदाबाद के लोग'

● समस्याओं को लेकर कांग्रेस नेता बलजीत ने सौंपा संयुक्त आयुक्त को ज्ञापन

दयाराम वशिष्ठ। फरीदाबाद

फरीदाबाद के सेक्टरों व कालोनियों में टूटी हुई सड़कें, ओवरफ्लो सीवरेज और गंदगी से अटे हुए नाले-नालियों की समस्याओं को लेकर गुरूवार को वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं पूर्व प्रदेश महासचिव बलजीत कौशिक के नेतृत्व में लोगों ने नगर निगम के संयुक्त आयुक्त सुमित कुमार को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से बलजीत कौशिक ने बताया कि स्मार्ट सिटी आज बदहाली के दौर से गुजर रहा है, पिछले दस सालों में इस जिले में विकास के लिए करोड़ों-अरबों रुपया आया है, लेकिन सब भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया, एक भी रुपया विकास पर नहीं लगा। आज सेक्टर हो या फिर कालोनी सभी में रहने वाले लोग नारकीय जीवन जीने को मजबूर हो रहे है। सड़कें टूटी पड़ी है, सीवरेज ओवरफ्लो होकर बह रहे है, नाले-नालियों गंदगी से अटे हैं।

सयुंक्त आयुक्त को ज्ञापन सौंपते वरिष्ठ कांग्रेस नेता बलजीत कौशिक व अन्य।

संगठन मुझे टिकट नहीं देगा तो भी मेरी समाज सेवाएं जारी रहेंगी: बोधराज

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

बोधराज सीकरी की अगुवाई में गुरुवार को खांडसा रोड पर जन सुविधा केंद्र का शुभारंभ किया गया। यह उनका चुनाव कार्यालय भी होगा। किसी बड़े नेता के हाथों चुनाव कार्यालय का उद्घाटन ना करवाकर बोधराज सीकरी ने संत के माध्यम से श्री गणेश कराना उचित समझा।

महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव जी महाराज कार्यालय के द्वार पहुंचने पर स्वागत किया गया। उन्होंने रिब्बन काटकर कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया। पंडित भीमदत्त ने मंत्रोच्चारण के उपरांत महाराज श्री से नारियल तुड़वाकर कार्यालय का श्रीगणेश किया। रामलाल ग्रोवर और सुभाष अरोड़ा ने महाराज जी का स्वागत किया। सुरेश सीकरी ने शॉल तथा बोधराज के बड़े भाई और भाभी अशोक सीकरी व शील सीकरी ने महाराज को त्रिवेणी भेंट की। केंद्रीय सनातन धर्म सभा के स्तम्भ बालकृष्ण खत्री, कंवरभान वाधवा, अशोक आर्य, कन्हैया लाल ने सभा को संबोधित किया। बोधराज ने कहा कि यदि संगठन मुझे टिकट नहीं भी देगा तो भी मेरी समाज सेवाएं जारी रहेंगी।

स्वामी धर्मदेव महाराज का स्वागत करते बोधराज सीकरी।

'प्रमुख उद्योगों से जुड़ेंगे अनुसूचित जाति के उद्यमी'

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

शिखा शर्मा। चंडीगढ़

हरियाणा सरकार अनुसूचित जाति के छोटे उद्यमियों को प्रमुख उद्योगों के साथ जोड़ने के लिए व्यापक योजना बनाने की दिशा में कदम बढ़ा रही है ताकि सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसएमई) के विकास को बढ़ावा मिल सके। इस संबंध में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को चंडीगढ़ में दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डिक्की) के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और विभिन्न पहलों पर विचार-विमर्श किया।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार अनुसूचित जाति के छोटे उद्यमियों की सहायता के लिए भी नई योजनाएं बनाने की दिशा में बढ़ रही है,ताकि छोटे उद्यमियों को बड़े बाजार उपलब्ध हो सके जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके। बैठक में दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डिक्की) के फाउंडर चेयरमैन पद्मश्री डॉ.मिलिंद कांबले ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि डिक्की एक भारतीय संघ है जो दलित व्यावसायिक उद्यमों को बढ़ावा देता है। बैठक में सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय (सेवा) विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव जी.अनुपमा, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अरुण कुमार गुप्ता, उच्चतर शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव डी.सुरेश, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव श्रीमती आशिमा बराड़, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के निदेशक यश पाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डिक्की) के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी।

पिछड़ा वर्ग-बी को स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं में आरक्षण देने की तैयारी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय पिछड़ा आयोग को संवैधानिक दर्जा देकर पिछड़ा वर्ग के अधिकार सुरक्षित किए हैं। क्रीमी लेयर की सीमा 6 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये की है। इसी प्रकार हरियाणा में भी सरकार पिछड़ा वर्ग के लोगों को उनके अधिकार दे रही है। मुख्यमंत्री गुरुवार को हरियाणा पिछड़ा आयोग के चेयरमैन न्यायाधीश (सेवानिवृत) दर्शन सिंह द्वारा हरियाणा के शहरी स्थानीय निकायों/नगर पालिकाओं और पंचायती राज संस्थाओं में पिछड़ा वर्ग ब्लॉक-बी के लिए आरक्षण के अनुपात पर अनुपूरक रिपोर्ट देने उपरांत उनसे बातचीत कर रहे थे।

औद्योगिक क्षेत्र में गैस रिसने से फैली दहशत

- सांस लेने में दिक्कत व आंखों में जलन होने पर लोगों ने दी सूचना
- प्रशासन ने सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा

गुरुग्राम के कादीपुर औद्योगिक क्षेत्र में गैस रिसाव की सूचना पर पहुंची बचाव टीमें।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कादीपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक फैक्ट्री में गैस लीक होने की सूचना से लोगों में दहशत और अफरा-तफरी मच गई। लोगों को सांस लेने में परेशानी और आंखों में जलन हो रही थी। इसे लेकर डायल 112 पर सूचना दी गई। मौके पर एनडीआरएफ की टीम पहुंची और जांच शुरू की।

फैक्ट्री के आस-पास के क्षेत्र को खाली करवा दिया। एनडीआरएफ तथा फायर ब्रिगेड ने स्थिति को अपने नियंत्रण में कर लिया। गैस के सैंपल लेकर लैब में जांच के लिए भेज दिए गए हैं। सिविल डिफेंस के अधिकारी मोहित कुमार ने बताया कि सुबह लगभग 11 बजे गैस लीक होने की सूचना मिली थी। सूचना देने वाले व्यक्ति ने अमोनिया गैस की आशंका जताई थी। जिस पर प्रशासन तुरंत अलर्ट हो गया। पुलिस के साथ-साथ डिजास्टर मैनेजमेंट को भी इस बारे में सूचना दे दी गई। पता चला कि यहां के स्थानीय लोगों को सुबह चार बजे ही गैस लीक होना महसूस हो गया था। गैस लीक के कारण लोगों की आंखों में जलन और सांस लेने में दिक्कतें आने लगी तो 112 पर लोगों ने कॉल किया गया। शुरूआती जांच में 1 बजे रीडिंग ली। फिर 2 बजे रीडिंग ली गई तो दोनों बार में काफी फर्क नजर आया।

अधिकारी के मुताबिक फैक्ट्री खाली थी और इसका डंपिंग के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। फैक्ट्री के आस पास हवा में हाइड्रो सल्फाइड और क्लोरीन की मात्रा मिली है। उन्होंने कहा कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और गैस के कारण किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हुआ है। सुरक्षा कारणों से फैक्ट्री और आस-पास के क्षेत्र को खाली करवाया गया है।

बदले जाएंगे तीन साल से एक जगह तैनात अफसर

चंडीगढ़। केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने हरियाणा में विधानसभा चुनाव की तैयारी के मद्देनजर तीन साल से एक ही स्थान पर जमे अधिकारियों व कर्मचारियों को तुरंत प्रभाव से बदलने के निर्देश जारी किए हैं। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर गुरुवार को हरियाणा के मुख्य सचिव ने इस संबंध में सभी विभाग निदेशकों तथा अतिरिक्त मुख्य सचिवों से रिपोर्ट मांग ली है।

निर्वाचन आयोग ने मुख्य सचिव को कहा है कि बीस अगस्त तक सभी के तबादले करके रिपोर्ट आयोग को भेजी जाए। आयोग के अनुसार हरियाणा विधानसभा का कार्यकाल तीन नवंबर तक है। प्रदेश में इससे पहले-पहले चुनाव प्रक्रिया संपन्न होनी है। जिसके चलते चुनाव कार्य से जुड़े अफसरों को उनके गृह जिले में तैनात नहीं किया जाएगा। वहीं पिछले चार सालों के दौरान कोई अधिकारी 31 अक्टूबर तक तीन साल का कार्यकाल एक स्थान पर पूरा कर रहा है तो उसे भी बदला जाएगा। पुलिस विभाग में एसआई व उससे उपरी रैंक के अधिकारियों पर भी यह नियम लागू होगा।

आयोग ने साफ किया कि अगर किसी अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ कोई मामला अदालत में लंबित है तो उसे भी चुनावी डयूटी का हिस्सा नहीं बनाया जाएगा।

हरियाणा कांग्रेस ने बनाई चुनाव कमेटी, 10 अगस्त को होगी बैठक

- हुड्डा, सैलजा, रणदीप गुट के सभी नेता शामिल

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा कांग्रेस ने राज्य स्तरीय चुनाव कमेटी का गठन कर दिया है। पार्टी प्रभारी दीपक बाबरिया इस कमेटी के चेयरमैन होंगे, जबकि हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष चौधरी उदयभान संयोजक बनाए गए हैं। चुनाव कमेटी में नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा और एसआरबी दोनों गुटों के नेताओं को शामिल किया गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कांग्रेस महासचिव एवं सांसद कुमारी सैलजा, कांग्रेस महासचिव एवं सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला, रोहतक के सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा, पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह और कांग्रेस ओबीसी विभाग के चेयरमैन कैप्टन अजय यादव समेत 45 कांग्रेस नेताओं को इस चुनाव कमेटी में सदस्य बनाया गया है।

हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष चौधरी उदयभान ने नई दिल्ली में 10 अगस्त को कमेटी की पहली बैठक बुलाई है। 10 अगस्त तक ही विधानसभा चुनाव के लिए टिकट हेतु आवेदन करने की आखिरी तारीख है। कमेटी में सांसद जयप्रकाश जेपी, सतपाल ब्रह्मचारी, वरुण चौधरी मुलाना, रिटायर्ड कर्नल रोहित छिल्लर, धर्मपाल सिंह मलिक, महेंद्र प्रताप सिंह, डा. रघुबीर सिंह कादियान, अशोक अरोड़ा, कुलदीप शर्मा और हरमोहिंदर सिंह चट्ठा को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

चुनाव कमेटी में पूर्व डिप्टी सीएम चंद्रमोहन बिश्नोई, आफताब अहमद, गीता भुक्कल, भारत भूषण बत्रा, जितेंद्र भारद्वाज, रामकिशन गुर्जर, सुरेश गुप्ता मतलौडा, दिव्यांशु बुद्धिराजा, अविनाश यादव, सुधा भारद्वाज, डा. पूनम चौहान, सुनीता शर्मा, राव दान सिंह, जगबीर मलिक, जयवीर सिंह वाल्मीकि और राजेंद्र सिंह जूण को भी रखा गया है। इनके अलावा बिशन लाल सैनी, प्रो. संपत सिंह, आनंद सिंह दांगी, चौधरी निर्मल सिंह, करण सिंह दलाल, राव नरेंद्र सिंह, अनीता यादव, दिल्लू राम बाजीगर, रामनिवास घोड़ेला, राकेश कंबोज और रिटायर्ड आईएएस चंद्रप्रकाश को भी चुनाव कमेटी में सदस्य के रूप में जगह मिली है। हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष चौधरी उदयभान के अनुसार नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में 10 अगस्त को दोपहर बाद तीन चुनाव कमेटी की पहली बैठक होगी।

स्व. मेहरचन्द मेहंदीरत्ता की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर आज

कुरुक्षेत्र। समाजसेवी स्व. मेहरचन्द मेहंदीरत्ता की 35वीं पुण्यतिथि पर उनकी पावन स्मृति में 19वां विशाल रक्तदान शिविर आज मेहरचन्द मेहंदीरत्ता चेरीटेबल डिस्पेंसरी कीर्ति नगर रेलवे लाइन के पास लगेगा। ट्रस्ट संचालक पंकज अरोड़ा ने बताया कि इस अवसर पर निशुल्क मेगा हेल्थ जांच कैम्प बीएस हार्ट केयर मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के सहयोग से लगाया जाएगा। इस शिविर में हृदय जांच, शुगर जांच एवं कोलेस्ट्रोल जांच डॉ पवन बंसल (एमडी) एवं उनकी टीम द्वारा कि जाएगी। हड्डी रोगों की जांच डॉ गौरव की टीम द्वारा, जबकि स्त्री रोग जांच डॉ सुभी तिवारी द्वारा की जाएगी। इस अवसर पर दवाइयां भी निशुल्क वितरित की जाएंगी व जरूरतमंद बच्चों को पाठ्य सामग्री भी वितरित कि जाएगी।

सेल्फी विद डॉटर पर मनु भाकर के हस्ताक्षर

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने वाली मनु भाकर के हस्ताक्षर अब सेल्फी विद डॉटर पर मिलेंगे। मनु भाकर ने जहां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा का नाम रोशन किया है वहीं प्रधानमंत्री द्वारा प्रचारित सेल्फी विद डॉटर अभियान भी जींद जिले से शुरू होकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचा है।

इसके लिए डब्लयू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट सेल्फी विद डॉटर डॉट ओआरजी ऑनलाइन म्यूजियम पर अपलोड करके पा सकते हैं। सेल्फी विद डॉटर' ऑनलाइन म्यूजियम की शुरुआत 9 जून 2016 को हुई थी। विश्व के पहले इस प्रकार के ऑनलाइन म्यूजियम पर विदेशों से भी लाखों सेल्फी विद डॉटर अपलोड की चुकी हैं। इस अभियान में कई बॉलीवुड, हॉलीवुड व स्पोर्ट्स सेलिब्रिटी के अलावा नामी हस्तियों ने अपनी बेटियों के साथ सेल्फी विद डॉटर अपलोड की है। सेल्फी विद डॉटर के संस्थापक सुनील जागलान ने बताया कि मनु भाकर वर्ष 2019 से ही सेल्फी विद डॉटर से जुड़ी हैं।

ग्रुप-सी पदों पर लिखित परीक्षा की तिथि घोषित

चंडीगढ़। हरियाणा में युवाओं को रोजगार देने की दिशा में ग्रुप-सी पदों पर भर्ती प्रक्रिया की गति को तेज करते हुए हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने ग्रुप-1 और 2 तथा ग्रुप-56 और 57 के लिए लिखित परीक्षा की तिथि की घोषणा की है। आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने गुरुवार को बताया कि ग्रुप-1 की परीक्षा 7 अगस्त तथा ग्रुप-2 की परीक्षा 8 अगस्त, 2024 को होगी। दोनों ग्रुपों की परीक्षा सायं शिफ्ट में पंचकूला में होगी। इसके अलावा, ग्रुप- 56 और 57 की लिखित परीक्षा क्रमशः 10 व 11 अगस्त, 2024 को होगी।

सीआरपीएफ की नौकरी छोड़ अपराधी बना शातिर गिरफ्तार

- यूपी-राजस्थान पुलिस ने आरोपी पर घोषित कर रखा है इनाम

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

अपराध अन्वेषण शाखा-2 की टीम ने ने अंतर्राज्य चोरी और लूट के कई मामलों में शामिल आरोपी को असलहे सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से एक रिवाल्वर व 6 जिंदा रौंद, पुलिस और सीआरपीएफ के फर्जी आई कार्ड तथा फर्जी पैन कार्ड बरामद हुए हैं।

पुलिस के अनुसार सहायक उप निरीक्षक सुरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम पीपली फलाई ओवर के नीचे मौजूद थी। तभी सूचना मिली कि सुनील कुमार उर्फ फौजी पुत्र रोशन लाल वासी गांव खासपुर जिला कुरूक्षेत्र जो पहले सीआरपीएफ में था और अब काफी समय से अलग अलग राज्यों में चोरी, लूट, हत्या की वारदात को अंजाम देता है। सुनील कुमार पर राजस्थान व कई अन्य राज्यों की पुलिस द्वारा इनाम घोषित किया हुआ है। आरोपी पिछले काफी दिनों से हथियारों समेत करनाल, कुरूक्षेत्र चंडीगढ़ में कार नम्बर एचआर-40ई- 6616 लेकर घूम रहा है, जो किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकता है। सुनील कुमार अपनी पहचान छुपाने के लिए पुलिस के फर्जी आई कार्ड बनवाए हुए हैं और कई बार पुलिस की तीन स्टार की वर्दी पहनकर चोरी की वारदातों को भी अंजाम देता है।

सूचना पर पुलिस टीम ने पीपली बस अड्डा से थोडा आगे वेयर हाउस के सामने नाकाबंदी करके वाहनों को चैक करना शुरू किया। थोड़ी देर बाद पुलिस को एचआर-40-ई-6616 नम्बर की कार आती दिखाई दी जिसको रोककर पुलिस ने चालक का नाम पता पूछा। उसने अपना नाम सुनील कुमार उर्फ फौजी पुत्र रोशन लाल वासी गांव खासपुर जिला कुरूक्षेत्र बताया। आरोपी की तलाशी लेने पर आरोपी के पर्स में रखे हरियाणा पुलिस और सीआरपीएफ के फर्जी आई कार्ड तथा पंजाब राज भवन का आई कार्ड, फर्जी पैन कार्ड तथा फर्जी इनकम टैक्स का कार्ड बरामद हुए। तलाशी लेने पर आरोपी की कार से एक रिवाल्वर व 6 जिंदा रौंद बरामद हुए।

आरोपी के खिलाफ थाना सदर थानेसर में मामला दर्ज करके आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी सुनील तेलंगाना, महाराष्ट्र, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में लूट और चोरी की वारदातों को अंजाम दे चुका है। आरोपी पर राजस्थान के जिला हनुमानगढ़ पुलिस चोरी के मामले में आरोपी पर 5 हजार रूपये का ईनाम घोषित किया था। उत्तर प्रदेश के थाना शामली में आरोपी ने पुलिस की वर्दी में थाना परिसर से गाड़ी चोरी की थी। यूपी पुलिस द्वारा मामला दर्ज करके आरोपी पर 15 हजार रूपये का ईनाम घोषित किया था।

भर्ती होते ही आरोपी ने शुरू कर दी थी धोखाधड़ी

सुनील कुमार उर्फ फौजी वर्ष 2007 में बतौर सिपाही सीआरपीएफ में भर्ती हुआ और वर्ष 2016 तक तैनात रहा। इसी दौरान उसने अपने पहचान के दर्जनों युवकों से सीआरपीएफ में भर्ती कराने की आड़ में लाखों रुपये ले लिए। जब वह युवकों को भर्ती नहीं करवा सका और ना ही लिए गए रुपये लौटाए तो युवकों ने उसके कमांडिंग ऑफिसर से मुलाकात कर पूरे मामले जानकारी दी। आरोपी पर मामला निपटाने व जांच शुरू होने का दबाव बनने लगा तो 2015 में छुट्टी आने के बाद वह दोबारा ड्यूटी पर नहीं पहुंचा जिस कारण उसे सीआरपीएफ से डिसमिस कर दिया गया था।

LOST AND FOUND

Kiran Kapur W/O Late Shree Rakesh Kapur D/o Late Shree Tulsi Das Khatri. HNO. M 11, GREEN PARK EXTENSION, NEW DELHI, 110016. (PROVISIONAL ALLOTMENT LETTER), Reference No, 26170/326713/KRH 0100303 and Reference Application No.9990*Dated 30.08.2011. have lost My Original PURCHASE Allotment letter of Property and all other Documents related to this IN Respect of Property No. 10/0303 KRESCENT HOMES NOIDA, SECTOR 134, JAYPEE GREEN VIDE LR No 1983245 / 2024. SO NO 430 / 2014. Its which is not traceable. Finder Contact: 9022799995.

पेपर प्रकाशन द्वारा सूचना
(U/0.5, RULE -20 OF CPC)

जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के समक्ष, कटक सेक्टर-1, सीडीए, बिदानासी, कटक-14, ओडिशा

निष्पादन आवेदन नं. 14/2024

सरोज कुमार सिंह — डिक्री धारक
बनाम
ऑल इंडिया पैकर्स एंड मूवर्स — निर्णय देनदार

सेवा में,
ऑल इंडिया पैकर्स एंड मूवर्स, मकान नं. 429, सी-ब्लॉक, सेक्टर-3, स्टेलर जीवन सोसाइटी के सामने, ग्रेटर नोएडा, 203207, मुख्य कार्यालयः 228, 43एम श्री साई पब्लिक स्कूल से, 40 फीट रोड सेक्टर-110, गुरुग्राम - 122017.

ध्यान दें कि डिक्री धारक ने सी.सी. केस सं. 305/2023 में पारित दिनांक 14.11.2023 के आदेश का पालन न करने के लिए जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के समक्ष निष्पादन आवेदन मामला सं. 14/2024 संस्थित किया है। यद्यपि आपको नोटिस पंजीकृत डाक द्वारा AD के माध्यम से भेजा गया था, फिर भी आपने जानबूझकर उसे प्राप्त करने से इंकार किया, जिसके कारण नोटिस बिना तामील हुए ही वापस आ गया। अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि आप व्यक्तिगत रूप से या किसी अधिवक्ता के माध्यम से इस आयोग के समक्ष 08.08.2024 को प्रातः 10:30 बजे उपस्थित हों तथा अपना कारण बताओ नोटिस दाखिल करें, जिसमें यह बताएं कि इस आयोग के उपरोक्त आदेश का पालन न करने तथा अवज्ञा करने के कारण आप पर उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 71 एवं 72 के अन्तर्गत निष्पादन कार्यवाही क्यों नहीं लगाई जाएगी। ऐसा न करने पर निष्पादन कार्यवाही की सुनवाई की जाएगी तथा उसका निपटारा उसी दिन किया जाएगा। उपरोक्त तिथि को आपकी अनुपस्थिति में कानून के अनुसार आपके विरुद्ध उचित कार्रवाई की जाएगी।

इस आयोग के हस्ताक्षर और मुहर के तहत 5-7-2024 को दिया गया।
हस्ता/-
अध्यक्ष

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client that Mr. Ajai Kumar Goomer & Mrs. Ravi Mohan Ahuja & Mr. Naresh Chander Goomer were joint owners of Property Bearing No. 32, in Block-D, area measuring 270.83 sq. yds. Situated in the layout plan of the Railway Board Employees CHBS Ltd. Presently known as Anand Vihar, Delhi "the said property". By virtue of conveyance deed dt. 24.09.2012 Registration No.18784 & Dr. Sangeeta Goomer, Ishani Goomer & Mr. Nipun Naresh Goomer are claiming owners as Surviving members of the share of late Naresh Chander Goomer, as per surviving member certificate No. 90660000242105, All persons are hereby informed that above mentioned owners & Claiming owners want to sell the said property to someone who want to purchase the said property by taking Home loan from our client. if anybody has any objection/s upon the said property, its title, its sale & mortgage & ownership of Mr. Ajai Kumar Goomer & Mrs. Ravi Mohan Ahuja & Dr. Sangeeta Goomer, Ishani Goomer & Mr. Nipun Naresh Goomer, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 legal@knalegal.com

PUBLIC NOTICE

It is to inform you that my client Mr. Pradeep Kumar Ghosh S/o Mr. Nihar Ranjan Ghosh R/o SC-77B, Near Shiv Mandir Shastri Nagar, Ghaziabad, U.P.-201002, wants to give the the General Public Notice that original property Documents i.e. Sale Deed Dated 05.04.1989 vide Document No. 2093 executed by Jhhilimat S/o Niranjan and Mewa Lal S/o Mr. Mahadev in favour of M/S Jai Prakash Agarwal and Company, regarding area measuring one Bigha Five Bisva, in comprising Khasra No. 195/6, in the area of village Mirjapur, Prangna, Loni, District-Ghaziabad, U.P. 201002 have lost by my client, in the area of Tis Hazari Court Complex, Delhi at about 2:30 PM dated 30.07.2024. In this respect, my client lodged a report LR No. 1988410/2024 dated 01.08.2024 through online, if any persons will have found then he/she/they shall contact my client.

SONU GAUTAAM (ADVOCATE) Ch. No. 198A, Western Wing Tis Hazari Court Delhi-110054

kotak
Kotak Mahindra Bank

NOTICE

Locker Hired by MAHESH CHAND & MITHLESH SHARMA having address at E 2-7 Vasant Vihar . New Delhi - 110057 Delhi India with D-10 | No 1&2 D Block Local Shopping Center Vasant Vihar New Delhi – 110057 remains un-operated from last 7 years, 8 months and the rent due for the last 4 years.

All the 3 letters earlier sent to MAHESH CHAND & MITHLESH SHARMA calling upon them to clear dues and to operate the locker has returned unserved and they are not contactable.

It is hereby informed that despite this notice, if dues not cleared and locker is not operated by MAHESH CHAND & MITHLESH SHARMA within 90 days from the date of this notice, break open of the said locker will be done on October 31, 2024 at around 12p.m.

kotak
Kotak Mahindra Bank

NOTICE

Locker Hired by RAMESH KRISHNA KAMATH & MADHU TOSHNIWAL having address at 3460 Carmichaelrd Po Box 128 Stn M Nanoose V9p9j9 Bay Bc British Columbia - 0 British Columbia Canada remains un-operated from last 7 years, 5 months and the rent due for the last 1 years.

All the 3 letters earlier sent to RAMESH KRISHNA KAMATH & MADHU TOSHNIWAL calling upon them to clear dues and to operate the locker has returned unserved and they are not contactable.

It is hereby informed that despite this notice, if dues not cleared and locker is not operated by RAMESH KRISHNA KAMATH & MADHU TOSHNIWAL within 90 days from the date of this notice, break open of the said locker will be done on October 31, 2024 at around 12p.m.

NOTICE OF LOSS OF SHARE CERTIFICATES

Notice is hereby given to the General Public that the share certificates as detailed below have been lost/misplaced and the holder of the said share certificates intends to request the company for issue of duplicate share certificates: Any person whose interest is likely to be affected by issuance of such duplicate share certificates by the company may deliver or send by registered post his/her objections/claims along with all the supporting documents stating the nature of his/her objectionsto the company at its registered office address within fifteen days from the date of publication of this notice.

Name and address of the Shareholder(s)	Name and address of the company	No. of Shares & Folio No. & Certificate No.	Distinctive Nos. From and to
Sh.Sudip Dutta, Type-V, Tower-18, Flat B-5, NBCC Apartments East Kidwai Nagar, New Delhi-110023.	Assam Hospitals Limited Address: Lotus Tower, G S Road, Guwahati, Assam, PIN: 781006	1000 185 209	1064901 To 1065900

Place: New Delhi
Date: 01-08-2024
Name: Sh.Sudip Dutta
Mobile No.: 9769606484
Email: oiclsudipd@gmail.com

PUBLIC NOTICE

To be known to all that my client, MR. VIVEK DABAS & MR.VINAY DABAS BOTH S/O LATE SH. VIJAY KUMAR DABAS R/O HOUSE NO.736, HARSHUKE PANA, POOTH KHURD, NORTH WEST DELHI,DELHI-110039, Allottee/ Purchaser/ Owner of PLOT NO.176,POCKET-A-3,SECTOR-34,AREA MEASURING 123.75 SQ. MTRS.,ROHINI, DELHI, VIDE FILE NO.F11 (12) 2004/LSB(R). The original documents i.e. DDA ORIGINAL ALLOTMENT-CUM-DEMAND LETTER,BANK CHALLAN of the above said flat has been lost. An F.I.R./NCR/LR NO.244860/2023 dated 15/03/2023 to this effect has been lodged in P.S. Crime Branch, Delhi. Any person (s)claiming any right,interest,having any objection or found in possession of original documents, may write/contact with above named person at above Address/Phone No. 7289894196 within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objection with respect to this property, can personally inform or write to Astt.Director (LSB)(R) DDA, Vikas Sadan, INA, New Delhi-110023

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि श्री अमर रंजन पाणिग्रही पुत्र श्री अरुण कुमार, ग्राम सरफाबाद, कॉलोनी ऑर्किड अपार्टमेंट के नाम से जाना जाता है तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित आवासीय फ्लैट नंबर 1, भूतल, बिना छत अधिकार के, खसरा नंबर 82 के खसरा नंबर 153 में से, सुपर एरिया 69.68 वर्ग मीटर, का मालिक है। नोटरीकृत जीपीए (रक्त संबंध) दस्तावेज नंबर 266 दिनांक 23.05.2017 के माध्यम से, श्री रुप चंद यादव द्वारा श्री धनवीर पुत्र श्री रुपचंद के पक्ष में निष्पादित किया गया है। साथ ही उक्त संपत्ति को मुथूथ होमफिन इंडिया लिमिटेड के पास गिरवी रखा गया है। यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी भी प्रकार का विवाद है, तो कृपया अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर लिखित रुप में वर्तमान से 7 दिनों के भीतर सूचित करें। दीपांशु शर्मा, अधिवक्ता
12A, 14 S3 टावर ऋषभ क्लाउड-9, वैशाली गाजियाबाद, उ.प्र-201010

kotak
Kotak Mahindra Bank

NOTICE

Locker Hired by SEEMA JUNEJA having address at E 10-6 Vasant Vihar New Delhi - 110057 Delhi India with D-10 | No 1&2 D Block Local Shopping Center Vasant Vihar New Delhi – 110057 remains un-operated from last 3 years, 6 months and the rent due for the last 4 years.

All the 3 letters earlier sent to SEEMA JUNEJA calling upon her to clear dues and to operate the locker has returned unserved and she is not contactable.

It is hereby informed that despite this notice, if dues not cleared and locker is not operated by SEEMA JUNEJA within 90 days from the date of this notice, break open of the said locker will be done on October 31, 2024 at around 12p.m.

National Yuva Cooperative Society Ltd.
Regd. Office: 209, 2nd Floor, A/2-B, Vardhaman Janak Market Janakpuri, New Delhi-110058, Ph.: 011-45096652/40153681
E- Mail: nycs.ltd@gmail.com, Website: www.nycsindia.com
Regd. No. MSCS/CR/97/99

NOTICE

Notice is hereby given that 23rd Annual Representative General Body Meeting (RGB) of National Yuva Cooperative Society Limited will be held on 25th August, 2024 at 10:00 am at National Cooperative Union of India, 3, August Kranti Marg, New Delhi – 110016.

All the Members of the RGB and Central Registrar of Cooperative Societies are requested to participate in the meeting.

Detailed agenda of the meeting can be viewed in the website: www.nycsindia.com

Date: 02nd August 2024
Place: New Delhi
Prakash Chandra Sahu
President, NYCS Ltd.

ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्रधिकरण
सार्वजनिक सूचना

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अर्न्तगत M/s Panchsheel Buildtech Pvt. Ltd. भूखण्ड संख्या-GH-08A, Sector-01, Greater Noida को दिनांक 21.05.2014 को मानचित्र स्वीकृति प्रदान की गयी थी। तदोपरान्त विकासकर्ता द्वारा (Group Housing project) का आंशिक अधिभोग प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन संख्या-CC-552 दिनांक 09.04.2024 ऑनलाईन के माध्यम से आवेदन किया गया है। तत्कम में U.P. Apartment Act-2010, Amendment 2016 in Section-4 Sub Section-B के अन्तर्गत परियोजना के आवंटियों से आपत्ति/ सुझाव आमंत्रित किये जाने का प्रावधान है। इस संबंध में विकासकर्ता द्वारा प्रस्तुत स्वीकृति मानचित्र एंव Declarations as per UP Apartment Act-2010 परीक्षण किसी भी कार्यदिवस में सुबह 9:30 से सांय 6:00 बजे के मध्य नियोजन विभाग में तथा प्राधिकरण की वेबसाईट पर किया जा सकता है।

अतः उपरोक्त परियोजना के आंवटियो द्वारा Sanction Map एंव Declarations as per U.P. Apartment Act 2010 के सम्बन्ध में सूचना प्रकाशित करने के 30 दिनों के अन्दर आपत्तिया/सुझाव आमंत्रित की जाती है। उपरोक्त के निहितार्थ अपनी आपत्तिया लिखित रुप में अपने आवंटन पत्र, नाम, पता एवं दूरभाष नम्बर के साथ कार्यालय समय व कार्यदिवस में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य प्रशासनिक कार्यालय, भूखण्ड संख्या-1, नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नौएडा में स्थित महाप्रबन्धक (नियोजन/वास्तु0) को सम्बोधित करते हुए सूचना प्रकाशित होने के 30 दिवसों के अन्दर जमा करायी जा सकती है।

प्रभारी महाप्रबन्धक (नियो0/वास्तु0)

Public Notice of Bank of Baroda

This is to inform the general public that Bank of Baroda, Karkardooma Branch, Delhi, intends to accept the under mentioned property standing in the name of Smt. Ranjeet Kaur W/O Sh. Gurmeet Singh (Present owner), and intending purchaser i.e., Mr. Anuj Tyagi S/O Sh. Surender Kumar Tyagi, as a security for a loan/credit facility requested by one of its customers.

In case anyone has got any right/title/interest/claims over the under mentioned property, they are advised to approach the Bank within Seven days along with necessary proof to substantiate their claim.

If no response is received within Seven days, it is presumed that the property in free of any charge/claim/encumbrance and Bank shall proceed with the mortgage.

Details of Property: A Freehold Residential Entire Second Floor without roof rights, bearing Property No. D-6 (Block-D, Plot No.6), area measuring 309.36 Sq. Meters, along with 22.5% undivided proportionate ownership rights of the land of the said property and proportionate undivided share in the Stilt Area for car parking space, situated in the layout plan of "THE RAILWAY BOARD EMPLOYEES CO-OPERATIVE HOUSE BUILDING SOCIETY LTD", Colony known as Anand Vihar, Delhi-110092.

East : Plot No.D-7 — West : Plot No. D-5
North : Rd. 45 Ft wide — South : Service Lane
Branch Details/Contact No. Karkardooma Branch, Delhi Phone No: 8528428900
Sanjeev Gupta (Advocate) 9811154597

सांकेतिक कब्जे की सूचना

ICICI Bank — शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नंबर-23, शॉल टॉवर, तीसरी मंजिल, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005

आईसीआईसीआई बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रतिभूतिकरण, वित्तीय आस्तियों का पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 सहित पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित कर्जदार(रों) को माँग सूचना निर्गमित की गई थी, उक्त सूचना में कहा गया था कि वे सूचना प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर सूचना में उल्लिखित राशि का भुगतान करें।

कर्जदार राशि चुकाने में विफल रहे हैं, अतएव कर्जदार और जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त अधिनियम 8 सहित पठित धारा 13(4) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित तिथियों पर नीचे वर्णित संपत्ति का अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक कब्जा ले लिया गया है। विशेष रूप से कर्जदार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने हेतु सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्जदार/ सह-कर्जदार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्जे की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	सुरेश कुमार/ अनीता शर्मा/ LBDEL00005658058	संपत्ति आईडी नंबर 7C248U124, वाका मौजा, आबादी डे खादी सांपला, तहसील सांपला, जिला रोहतक, हरियाणा/ जुलाई 30, 2024	अप्रैल 16, 2024 रु. 20,54,492/-	दिल्ली एनसीआर/ रोहतक
2.	राकेश कुमार/ दीपा शर्मा/ रामेश्वर शर्मा/ LBNOD00001302806	फ्लैट नंबर बी-205, प्रथम तल, एचआईजी टाइप (बिना छत अधिकार के) पार्क व्यू अपार्टमेंट-II, सेक्टर 12, टी.एच.ए. राम प्रस्थ, गाजियाबाद, गाँव महाराजपुर, परगना लोनी, तहसील- जिला गाजियाबाद, यू.पी./ जुलाई 30, 2024	अप्रैल 29, 2023 रु. 9,45,291/-	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त कर्जदार(रों)/जमानतदार(रों) को राशि वापस करने के लिए 30 दिन का नोटिस जारी किया जाता है, अन्यथा बंधक रखी गई संपत्ति(याँ) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 और 9 के प्रावधानों के अनुसार इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के बाद नीलाम कर दी जाएगी।

दिनांक : अगस्त 02, 2024
स्थान : दिल्ली/ एनसीआर
भवदीय, अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के लिए

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank — शाखा कार्यालयः आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नं. 23, शाल टॉवर, तीसरी मंजिल न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005

निम्नलिखित उधारकर्ता(ओं) ने आईसीआईसीआई बैंक से प्राप्त ऋण सुविधा(ओं) के लिए मूलधन और ब्याज के पुनर्भुगतान में चूक की है। ऋण(ओं) को गैर-निष्पादित आस्ति(यों) (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के तहत उन्हें उनके अंतिम ज्ञात पते पर नोटिस जारी किया गया था। हालांकि, इसे तामील नहीं किया गया है और इसलिए इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से अधिसूचित किया जा रहा है।

क्र. सं.	उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/ गारंटर का नाम और पता (ऋण खाता सं.)	सुरक्षित आस्तियों का विवरण	नोटिस भेजने की तिथि/नोटिस की तिथि तक बकाया	एनपीए की तिथि
1.	श्री साई ज्वेल्स, सीता देवी वर्मा, विजय वर्मा, सीता देवी वर्मा पत्नी श्री राम स्वरूप वर्मा, 244005000375, प्रोपराईटर विजय वर्मा द्वारा प्रतिनिधित्व 3344, ब्लॉक नं. क्यू, वार्ड नं. 16, द्वितीय तल मध्य दिल्ली, करोल बाग, नई दिल्ली दिल्ली-110005	प्लॉट भूमि क्षेत्रफल 888 वर्ग फीट अर्थात 0.83 सेंटियर, पट्टा सं. 8 के साथ, रेहबारी वार्ड का डेग नं. 62 के एच ए का हिस्सा, डिब्रूगढ़ टाउन मौजा, जिला डिब्रूगढ़, असम	12/6/2024 रु. 35,80,668.00/-	04-02-2024
2.	आशीष इंजीनियर्स, राहुल सैनी, सुनीता सैनी, 732005500066, प्रोपराईटर सुनीता सैनी द्वारा प्रतिनिधित्व, 422/3/2, भूतल और प्रथम तल, लाल डोरा, गांव मुंडका दिल्ली-110041	संपत्ति संपूर्ण दूसरी मंजिल (बिना छत के अधिकार के), फ्रीहोल्ड निर्मित संपत्ति का हिस्सा, प्लॉट सं. ए-35, ब्लॉक-ए, क्षेत्रफल कवर्ड एरिया 139.45 वर्ग मी., त्याग विलेख पंजीकरण नं. 8434 के साथ, दिनांक 08.09.2021, पुष्पांजलि एन्क्लेव, पीतमपुरा रिहायशी स्कीम दिल्ली में स्थित	22/6/2024 रु. 2,28,77,146.00/-	05-08-2024
3.	अरुण कुमार अजय कुमार, हर्ष मित्तल, इशिका गर्ग, सुमन लता उर्फ सुमन लता मित्तल, सुमन लता, 740305000114, प्रोपराईटर हर्ष मित्तल द्वारा प्रतिनिधित्व, मोहल्ला रामपुरा, पिलखुवा हापुड़, उत्तर प्रदेश हापुड़- 245304	रिहायशी प्लॉट क्षेत्रफल 259.55 वर्ग गज अर्थात 217.08 वर्ग मी., जोकि पिलखुवा, मोहल्ला रामपुर, परगना डासना, तहसील हापुड, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित	15/07/2024 रु. 45,17,294.00/-	12-05-2024

ये कदम नोटिस की प्रतिस्थापित तामील के लिए उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त उधारकर्ता/ओं और/या गारंटरों/ओं (जैसा लागू हो) को इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर बकाया भुगतान करने की सलाह दी जाती है। अन्यथा, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के अनुसार आगे कदम उठाए जाएंगे।

दिनांक : अगस्त 02, 2024
स्थानः दिल्ली एनसीआर
भवदीय, प्राधिकृत अधिकारी
कृते आई सी आई सी आई बैंक लि.

राहुल की मांग

जाति गणना

राहुल गांधी ने संसद में जाति गणना का मुद्दा उठाते हुए 'हलवा आयोजन' का प्रतीक के रूप में प्रयोग किया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बजट प्रस्तुतीकरण के पहले परंपरागत 'हलवा आयोजन' के बहाने बजट प्रक्रिया में हाशियाकृत समुदायों की सहभागिता पर सवाल उठाया। उन्होंने इस प्रतीक का प्रयोग करते हुए कहा कि केवल उच्चजातीय लोग ही हलवा बनाने में लगे थे जो इसे जनसंख्या के विशिष्ट लोगों में बांटते हैं। राहुल ने इसके लिए सदन में एक पोस्टर दिखाया जिस पर लोकसभा अध्यक्ष ने इसे नियम विरुद्ध बताया। हालांकि, लंबे समय से 'जाति गणना' का मुद्दा विवादों में घिरा है। इस पर संसद के वर्तमान सत्र में में न केवल तीखी चर्चा हुई, बल्कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पूर्व केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के बीच टकराव भी हो गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अनुराग ठाकुर का समर्थन करते हुए ट्विटर पर लिखा, 'मेरे युवा और ऊर्जावान साथी श्री अनुराग ठाकुर का यह भाषण अवश्य सुनने वाला है। इसमें तथ्यों और व्यंग्य का अच्छा मिश्रण है जिसने इंडी गठबंधन की गंदी राजनीति उजागर कर दी है।' अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में राहुल गांधी के भाषण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जो लोग अपनी जाति नहीं जानते हैं, वे जाति गणना की मांग कर रहे हैं। जाति गणना की मांग लंबे समय से जारी है और अब इस मुद्दे को 'इंडिया' समूह ने उठाया है। पैरोकारों का तर्क है कि यह विभिन्न जातियों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियां समझने तथा लक्षित कल्याण योजनायें बनाने के लिए बहुत जरूरी है। लेकिन भारत में जातियों की संख्या इतनी अधिक है और वे विभिन्न प्रदेशों में भिन्न-भिन्न नाम लिखती हैं कि उनकी 'वैज्ञानिक डेटा' के आधार पर गणना लगभग असंभव है।

भारत में एक जटिल जाति व्यवस्था है जिसका सामाजिक और आर्थिक गतिशीलता पर प्रभाव पड़ता है। विपक्ष का कहना है कि जाति गणना से असमानताओं का पता लगेगा जिससे सरकार इनको ज्यादा प्रभावी ढंग से संबोधित कर सकेगी। अनेक हाशियाकृत समुदाय आज भी भेदभाव तथा अवसरों की कमी का सामना कर रहे हैं। लेकिन इसे केवल 'जाति' से जोड़ना उचित नहीं होगा क्योंकि उच्चजातीय समझे जाने वाले अनेक परिवार भी लगभग समान विपन्नता का शिकार हैं। रंगनाथ मिश्र कमेटी ने कहा था कि जातीय आरक्षण में निहित स्वार्थ विकसित हो गए हैं जो आरक्षण के लाभ गरीब लोगों तक नहीं पहुंचने देते हैं। लेकिन विपक्ष व खासकर कांग्रेस पार्टी मुखर रूप से वर्तमान समय में जाति गणना की पैरवी कर रही है। कांग्रेस का यह कदम संभावित चुनावी लाभ को देखते हुए है क्योंकि वह लंबे समय तक ओबीसी आरक्षण की विरोधी रही है और मंडल आयोग रिपोर्ट तथा कर्पूरी ठाकुर रिपोर्ट पर दशकों तक खामोश रही है। कांग्रेस सरकार ने 2011 की जनगणना में जाति गणना को शामिल किया था, पर इसका डेटा कभी सार्वजनिक नहीं किया गया और न इस पर कोई कार्रवाई की गई। इसका कारण संभवत: डेटा का 'अविश्वसनीय' होना था। इन तथ्यों को देखते हुए ही अनुराग ठाकुर ने विपक्ष की मांग का कड़ा विरोध किया। उनका तर्क था कि सरकार सामाजिक उत्थान के लिए पहले ही अनेक योजनायें चला रही है और जाति गणना से समाज में और विभाजन बढ़ेगा। अनुराग ठाकुर ने कहा कि विपक्ष 'विभाजनकारी राजनीति' कर रहा है, जबकि सरकार का प्रयास समावेशी विकास को प्रोत्साहित करना है। कांग्रेस समेत विपक्षी दल येन-केन-प्रकारेण सत्ता तक पहुंचने के लिए प्रयासरत हैं और वे 'जाति गणना' को हथियार बनाना चाहते हैं।

व्यक्तिगत आय कर में सुधार

वित्त मंत्री ने 2024-25 के बजट में व्यक्तिगत आय कर की ज्यादा आकर्षक 'नई व्यवस्था' बनाने के साथ पूंजी लाभ कर ढांचे को और तार्किक बनाया है।

उत्तम गुप्ता
(लेखक, नीति विश्लेषक हैं)

केंद्रीय बजट 2024-25 में वित्त मंत्री सुश्री निर्मला सीतारमण ने व्यक्तिगत आय कर-पीआईटी को ज्यादा आकर्षक बनाने की 'नई व्यवस्था' लागू की है। इसके साथ ही उन्होंने पूंजी लाभ कर-सीजीटी ढांचे की प्रक्रिया को 'तार्किक' व 'सरल' बनाना जारी रखा है। इस प्रक्रिया की शुरुआत 2023-24 में की गई थी। सीतारमण ने नई पीआईटी व्यवस्था 2020-21 के बजट में शुरू की थी। 250,001-500,000 रुपये वार्षिक आय पर 5 प्रतिशत टैक्स बनाए रखते हुए उन्होंने 500,000 से अधिक आय पर टैक्स बढ़ा कर 500,001-750,000 तक 10 प्रतिशत, 750,001-1,00,000 तक 15 प्रतिशत, 1,00,001-1,250,000 तक 20 प्रतिशत तथा 1,250,001-1,500,000 रुपये तक 25 प्रतिशत टैक्स का प्राविधान किया था। 1,500,000 से अधिक आय पर 30 प्रतिशत टैक्स की व्यवस्था जारी है। लेकिन पुरानी व्यवस्था में जहां व्यक्ति अधिकतम 375,000 रुपये के दीर्घकालीन निवेश पर छूट और रियायतों का लाभ उठा सकते थे, नई व्यवस्था में इसकी अनुमति नहीं दी गई है।

हालांकि, लोगों को नई व्यवस्था पसंद करने या पुरानी व्यवस्था जारी रखने का विकल्प दिया गया है। 2023-24 के बजट में वित्त मंत्री ने कर संरचना को बदल कर 300,000 आय तक शून्य टैक्स, 300,001-600,000 रुपये तक 5 प्रतिशत टैक्स, 600,001-900,000 तक 10 प्रतिशत, 900,001-1,200,000 तक 15 प्रतिशत, 1,200,001-1,500,000 तक 20 प्रतिशत तथा 1,500,000 रुपये से अधिक आय पर 30 प्रतिशत टैक्स का प्राविधान किया था।

इसके साथ ही वेतनभोगी कर्मचारियों व पेंशनधारकों के लिए मानक कटौती 50,000 रुपये थी। यह स्थिति 2020-21 के पैकेज से बेहतर थी। इसके अंतर्गत 1,500,000 तक वार्षिक आय वाले व्यक्ति को 140,000 रुपये पर टैक्स देने की आवश्यकता थी, जबकि पुरानी योजना में कुछ कर रियायतों के साथ उसे 150,000 पर टैक्स देना होता था। इस कारण उसके पास 1,360,000 रुपये बचते थे, जबकि पुरानी व्यवस्था में उसके पास केवल 975,000 रुपये बचते थे। नई योजना में वेतनभोगी कर्मचारी को 750,000 रुपये की वार्षिक आय पर कोई टैक्स नहीं देना होता था। 2024-25 के बजट में वित्त मंत्री ने टैक्स स्लैबों में और कमी की है। अब 300,000 तक कोई टैक्स नहीं है, 300,001-700,000 तक 5 प्रतिशत, 700,001-1000,000 तक 10 प्रतिशत, 100,001-1,200,000 तक 15 प्रतिशत, 1,200,001-1,500,000 तक 20 प्रतिशत तथा 1,500,000 से ऊपर 30 प्रतिशत टैक्स देना होगा। इसके साथ ही अब वेतनभोगी कर्मचारी व पेंशनर 75,000 मानक कटौती का लाभ उठा सकते हैं। इस प्रकार 1,500,000 रुपये से अधिक वार्षिक आय वाले व्यक्ति 2023-24 में भुगतान योग्य कर से 15,000 रुपये बचा सकते हैं। ऐसे करदाता को अब केवल 125,000 रुपये पर टैक्स देना होगा। इसके साथ ही वेतनभोगी कर्मचारी को अब 825,000 रुपये तक वार्षिक आय पर कोई टैक्स नहीं देना होगा, जबकि पहले यह सीमा 750,000 रुपये थी। महत्वपूर्ण रूप से आईटी रिटर्न फाइल करने वाले लगभग दो तिहाई लोग नई व्यवस्था स्वीकार कर चुके हैं।

2024-25 के बजट में ज्यादा लोगों को नई टैक्स योजना में आने के लिए और सुविधायें दी गई हैं। सीजीटी के अनुसार करों की दरें व्यापक रूप से ईक्विटी, शेयर, बांड, भौतिक परिसंपत्तियों, सूचीबद्ध या बिना सूची वाले, होल्डिंग पीरियड, आदि पर निर्भर करती थीं। इसके कारण मनमानेपन, दुरुपयोग, करापवंचन व लंबी मुकदमेबाजी जैसी समस्यायें सामने आती थीं। पिछले साल सरकार ने इसमें परिवर्तन की शुरुआत की। 24 मार्च, 2023 को लोकसभा द्वारा पास वित्त विधेयक, 2023 में गैर-ईक्विटी या 'डेट म्यूचुअल फंड'-डीएमएफ से पूंजीगत लाभ पर कर व्यवस्था में संशोधन किए गए थे। डीएमएफ एक ऐसी योजना है जिसमें निश्चित आय वाले उपकरणों में निवेश किया जाता है।

इनमें कार्पोरेट व सरकारी बांड, कार्पोरेट डेट सिक्यूरिटी, शेयर बाजार उपकरण, आदि शामिल हैं जो पूंजीगत लाभ पेश करते हैं। पहले डेट फंड में यूनिटें बनाए रखने से पूंजीगत लाभ को तीन साल या उससे अधिक तक बनाए रखने को दीर्घकालीन पूंजीगत लाभ-एलटीसीजी माना जाता था और इस पर 'इंडेक्शेसन' लाभ के साथ 20 प्रतिशत टैक्स लगता था। इसमें मुद्रास्फीति से प्रभावित निवेश की गाना होती थी जिससे पूंजीगत लाभ और कर देयता घटती थी। तीन साल से कम समय तक यूनिटें बनाए रखने पर पूंजीगत लाभ को अल्पकालीन पूंजी लाभ-एसटीसीजी माना जाता था और इसे व्यक्तिगत आय कर में टैक्स स्लैब में जोड़ दिया जाता था।

'स्पेसीफाइड म्यूचुअल फंड'-एसएमएफ के मामले अब संशोधन के माध्यम से इसे समाप्त कर दिया गया है। इसका अर्थ उन म्यूचुअल फंडों से है जहां कुल धनराशि के 35 प्रतिशत से अधिक को घरेलू कंपनियों के ईक्विटी शेयरों में लगाया जाता है। इसके परिणामस्वरूप एसएमएफ से प्राप्त लाभ को उस स्लेब के आधार पर कर योग्य माना जाएगा जिसमें कुल आय कर आता है, चाहे निवेशक इसे एसटीसीजी में लगाए या नहीं। 1 अप्रैल, 2023 से लागू नई कर व्यवस्था एक्सचेंज ट्रेडेड फंड-ईटीएफ, गोल्ड फंड, आउटबाउंड म्यूचुअल फंड, ईक्विटी फंड, आदि पर लागू होती है। 2024-25 के बजट में वित्त मंत्री ने सीजीटी व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन किए हैं। डेट, गैर-ईक्विटी एम एफ तथा अनलिस्टेड बांड को छोड़ कर सभी प्रकार की परिसंपत्तियों पर अब दीर्घकालीन पूंजीगत लाभ कर-एलटीसीजी 12.5 प्रतिशत की दर से टैक्स देना होगा, चाहे वे वित्तीय या भौतिक, सूचीबद्ध या अनलिस्टेड हों। दीर्घकाल तय करने के लिए होल्डिंग पीरियड 24 महीने होगा, जबकि स्टाक, इक्विटी म्यूचुअल फंड आदि के लिए यह 12 महीने होगा। 24 महीने से कम होल्डिंग वाली परिसंपत्तियों के लिए अल्पकालीन पूंजी लाभ-एसटीसीजी लागू स्लैब दर के अनुसार होगा। लेकिन स्टाक, ईक्विटी म्यूचुअल फंड, लिस्टेड बांड, आदि के मामले में एसटीसीजी 20 प्रतिशत होगा जो पहले 15 प्रतिशत था। इस प्रकरण ऐसे उपकरणों के लिए एलटीसीजी 12.5 प्रतिशत होगा जो पहले लागू 10 प्रतिशत से अधिक है। इन परिवर्तनों से तीन मुख्य संदेश सामने आते हैं। पहला, इससे दीर्घकालीन निवेशकों को लाभ होगा जिनको अब 12.5 प्रतिशत एलटीसीजी देना होगा जो पहले 20 प्रतिशत था अथवा यह परिसंपत्तियों के लिए उपलब्ध स्लैब दर के आधार पर होता था जो मोटेतौर से 39 प्रतिशत था। स्टाक और ईक्विटी एमएफ से एलटीसीजी की वार्षिक छूट सीमा बढ़ा कर 125,000 की गई है जो पहले 100,000 रुपये थी। यह एक और लाभ की स्थिति है। लेकिन वित्त मंत्री ने एलटीसीजी कर दरें घटा कर इंडेक्सेशन का लाभ समाप्त कर दिया है।

इस प्रकार वित्त मंत्री ने रियल इस्टेट क्षेत्र में राजस्व नुकसान का एक बड़ा स्रोत बंद कर दिया है जहां डेवलपर इंडेक्सेशन का लाभ उठा कर अपने कर दायित्व में भारी कमी करने में सफल होते थे। लेकिन 2001 से पहले प्राप्त पुराने मकानों के स्वामियों या पैतृक संपत्ति को इससे अलग रखा है और उनको इंडेक्सेशन का लाभ मिलता रहेगा। निवेशकों को स्टाक और ईक्विटी म्यूचुअल फंड पर अब अल्पकालीन लाभ के लिए ज्यादा एसटीसीजी टैक्स देना होगा जो पहले 15 प्रतिशत की तुलना में बढ़ा कर 20 प्रतिशत कर दिया गया है। ये लोग आमतौर पर अमीर लोग या अतिरिक्त पैसे वाले बहुत अमीर लोग होते हैं।

ऐसे लोगों से ज्यादा टैक्स प्राप्त करने का वित्त मंत्री सुश्री निर्मला सीतारमण का प्रयास पूर्णत: उचित है। नई सीजीटी व्यवस्था निसंदेह एक बड़ा सुधार है। लेकिन सरकार को ऐसा ढांचा बनाने का प्रयास करना चाहिए जहां किसी की वार्षिक आय में परिसंपत्तियों से प्राप्त पूंजीगत लाभ को जोड़ा जाए, भले ही उनका वर्ग चाहे जो हो, वे सूचीबद्ध या अनलिस्टेड हों अथवा उनका होल्डिंग पीरियड चाहे जो हो। इस प्रकार टैक्स वार्षिक स्तर पर प्राप्त कुल आय के आधार पर होना चाहिए और उसमें सभी स्रोतों को शामिल किया जाना चाहिए।

आघात लगने से घाव भरने तक

अपनी इच्छाओं को समझकर और अपने कार्यों का विश्लेषण करके, हम खुद को ठीक करने के तरीके खोज सकते हैं।

ब्रह्मकुमार निकुंज
(लेखक आध्यात्मिक उपदेशक हैं)

महात्मा गांधी ने कहा था कि मेरी अनुमति के बिना कोई भी मुझे चोट नहीं पहुंचा सकता, हालांकि, सच्चाई यह है कि हममें से ज़्यादातर लोग अपने रिश्तों में एक-दूसरे को चोट पहुंचाते हैं और हम ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि हम ऐसा करना चाहते हैं। इसके लिए कोई बड़ा कारण नहीं है, लेकिन यह कुछ ऐसा है जो बस होता है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, ज़्यादातर लोग किसी को चोट पहुंचाते हैं क्योंकि वे कुछ ऐसा चाहते हैं जो उन्हें लगता है कि उनके पास नहीं हो सकता, या उनके पास कुछ ऐसा है जो वे नहीं चाहते। अगर हम खुद को करीब से देखें, तो हम पाएंगे कि हममें से ज़्यादातर लोग ऊपर बताई गई दो स्थितियों में से किसी एक में हैं, और हमें नहीं पता कि इसके बारे में क्या करना है, इसलिए हम सोचते हैं कि जो हम चाहते हैं उसे पाने का एकमात्र तरीका किसी को चोट पहुँचाना है। तो, क्या यही एकमात्र तरीका है? क्या इसका पालन करना सही तरीका है? हम सभी जानते हैं कि यह गलत है क्योंकि इससे दोनों तरफ़ बहुत दर्द होता है, तो हम ऐसा क्यों करते हैं? सिर्फ़ इसलिए क्योंकि हम समझ नहीं पाते कि जिस चीज़ को हम बहुत चाहते हैं उसे कैसे पाएं या जिस चीज़ की हमें ज़रूरत नहीं है उसे कैसे दूर करें बिना किसी को दुख पहुंचाए।

लोगों को दुख पहुंचाने के हमारे कई कारण हो सकते हैं, हालांकि उनमें से सबसे आम है अधूरी उम्मीदें जो हम सभी अपने अलग-अलग रिश्तों में अनुभव करते हैं। उदाहरण के लिए, हम अभी-अभी किसी से मिले हैं और उससे प्यार करने लगे हैं। अब भावनाओं का आदान-प्रदान होने से पहले, हम बस उन चीज़ों के बारे में सपने देखना शुरू कर देते हैं जो पूरी तरह से संदर्भ से बाहर होती हैं।

बहुत ज़्यादा पीछा करने, पीछा करने और धक्का देने के बाद, जब हम अंतत: दूसरे छोर से वांछित उत्तर पाने में विफल हो जाते हैं, तो हम दुखी महसूस करना शुरू कर देते हैं और फिर तुमने मुझे दुख पहुंचाया, तुमने मेरा दिल तोड़ा आदि जैसी बातें कहकर उस व्यक्ति को दोष देना शुरू कर देते हैं। हमें एक शांत कोने में बैठकर खुद से पूछना चाहिए कि क्या शुरू से ही हमारी उम्मीदें यथार्थवादी थीं। क्या सामने वाले व्यक्ति ने हमें ऐसा विश्वास करने के लिए प्रेरित किया कि वह भी वैसा ही महसूस करता है जैसा हम महसूस कर रहे हैं? क्या दोनों तरफ़ प्यार की भावनाएँ एक-दूसरे के प्रति थीं? जब यह समझने का समय था कि वह क्या कह रहा है, तो हम हवा में प्यार के महल बना रहे थे, जब विपरीत व्यक्ति को कुछ जगह देने का समय था, तो हम अपने मजबूर प्यार और स्नेह से उस व्यक्ति का दम घोंट रहे थे। क्या यह सही तरह का व्यवहार है? याद रखें! किसी भी तरह का एकतरफा रिश्ता बेहद दर्दनाक और हानिकारक होता है क्योंकि यह आपको किसी और के जीवन का एक खाली हिस्सा जैसा महसूस कराता है जैसे कि आप उनके लिए उतने महत्वपूर्ण नहीं हैं जितना कि वे आपके लिए हैं। इसलिए खुद को ऐसे दर्द और पीड़ा से बचाने के लिए, उस व्यक्ति के साथ स्पष्ट संवाद करना सबसे अच्छा है जिसके लिए आप भावनाएँ रखते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किस तरह के रिश्ते में हैं, लेकिन आपको अपनी भावनाओं को व्यक्त करना होगा क्योंकि जब हम संवाद का द्वार खोलते हैं, तो हम अपना दिल खोलते हैं।

इसलिए हमेशा अपने आप को व्यक्त करें क्योंकि अनकहे शब्दों का बोझ ढोना आप पर भारी पड़ सकता है। 100 बार %आई लव यू% दोहराने के बजाय जो आप वास्तव में महसूस करते हैं उसे कहना 100 गुना बेहतर है। हालाँकि, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हममें से ज़्यादातर लोग अंदर से ही खून बहाना पसंद करते हैं और अपनी 'कोई बात न कहने' की ज़िद पर अड़े रहते हैं। इसलिए एक समझदार व्यक्ति हमेशा इन कारणों के बारे में सोचेगा जब वह आहत होता है, बजाय इसके कि 'मुझे क्यों?' पर समय बर्बाद करे।

तो इतनी आसानी से हार मत मानो क्योंकि ऐसी सांसारिक चीज़ों के लिए ज़िंदगी बहुत छोटी है, बस जो आपको दुख पहुँचाता है उसे भूल जाओ लेकिन जो उसने तुम्हें सिखाया है उसे कभी मत भूलना। अपने सबक सीखो और आगे बढ़ो।

आप की बात

लव जिहाद पर शिकंजा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लव जिहाद पर शिकंजा कस कर सराहनीय कदम उठाया। आए दिन नाम बदलकर दोस्ती और शादी के झांसे देना, हिन्दू समाज की लड़कियों को प्रलोभन देकर प्रेम का ढोंग कर शादी के लिए दवाब बनाना और बाद में धर्मान्तरण के लिए मजबूर करना जैसी बढ़ती घटनायें चिन्ता का विषय हैं। हिन्दू लड़कियों की जिंदगी बर्बाद करना जैसे कुछ कट्टरपंथी मुस्लिम युवाओं का शगल बन गया है। विडंबना है कि अपने नौजवानों की इस गलत व आपराधिक प्रवृत्ति पर रोक लगाने के बजाय मुस्लिम समाज का बड़ा हिस्सा इसमें सहायता करता दिखता है। इसे रोकना और अपराधियों को कठोर दंड देना जरूरी हो गया है। उत्तर प्रदेश के साथ ही लव जिहाद के खिलाफ ऐसे कड़े कानून दूसरे प्रदेशो को भी बनाने चाहिए। हिंदू समाज को भी अपनी एकजुटता को बढ़ावा देकर अपने बच्चे-बच्चियों के दोस्तों पर ध्यान देना होगा। मुस्लिम या अन्य धर्मों के नौजवानों को अपनी पहचान छिपा कर हिंदुओं की कीमत पर आर्थिक लाभ उठाने, उनको नुकसान पहुंचाने तथा लड़कियों को प्रेम जाल में फंसाने को भी गंभीर अपराध माना जाना चाहिए। इससे लव जिहाद की जड़ों पर प्रहार होगा और अब यह संभवत: जरूरी होता जा रहा है।

– **योगेश जोशी,** बड़वाह

संसद में बहस

मॉनसून सत्र में बजट पर बहस केंद्र में रहनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश किया, लेकिन राहुल गांधी ने बजट पर बहस में अनावश्यक व अतार्किक रूप से जाति का मुद्दा उठा दिया। अब तथ्यपूर्ण, शालीन और तर्कपूर्ण बहस के बजाय एक दूसरे पर शब्द बाण चलाना, मजाक उड़ाना और खुद को हाईलाइट करना बहस का मकसद रह गया है। हमारे जन प्रतिनिधियों को सदन में इसकी भी चिन्ता नहीं रहती कि देश की 140 करोड़ जनता उनकी तरफबड़ी आशा से देख रही है। उसे उम्मीद रहती है कि शायद इस बार उनके आर्थिक बोझ, महंगे जीवनयापन और अन्य परेशानियों को हल करने के लिए सभी मिलकर प्रयास करेंगे। लेकिन निर्वाचित होने के बाद अधिकांश जन प्रतिनिधियों का नया ही रूप सामने आता है। इससे स्पष्ट होता है कि उन्हें आम जनता का ध्यान सिर्फ वोट लेने तक ही रहता है। बीच के 5 साल वह अपने निजी और राजनीतिक हित साधने में खर्च कर देते हैं। इस बार संसद चली तो जरूर, लेकिन विडंबना है कि अधिकांश सांसद भविष्य की राजनीति और चुनावी गोटें बिछाने के दृष्टिकोण से एक दूसरे पर आरोप लगाने में ही व्यस्त रहे।

– **सुभाष बुडावन वाला,** रतलाम

मौसम संबंधी चेतावनी

गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में कहा कि केंद्र ने केरल सरकार को वायनाड त्रासदी के एक सप्ताह पहले ही चेतावनी दी थी कि भारी बारिश या भूस्खलन की संभावना है। अगर केंद्र सरकार या मौसम विभाग अधिकृत रूप से किसी राज्य सरकार को मौसम खराब होने संबंधी आपदा या संकट की चेतावनी देता है तो उस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। अमित शाह ने अपने बयान में यह भी कहा कि अतीत में ओडिशा और गुजरात राज्य सरकारों ने केन्द्र द्वारा दी गई मौसम संबंधी सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई कर जनहानि लगभग शून्य करने में सफलता प्राप्त की थी। भारतीय मौसम विभाग ने दूरसंवेदी उपकरणों तथा कृत्रिम उपग्रहों के माध्यम से मौसम की सटीक जानकारी देने की जो व्यवस्था बनाई है, वह दुनिया के केवल तीन देशों के पास उपलब्ध है। मौसम विभाग अलग से राज्यों को चेतावनी जारी करने के साथ ही उसे अपनी वेबसाइट पर भी प्रदर्शित करता है। ऐसे में देश के सभी नागरिकों तथा खासकर छात्रों और शिक्षकों को मौसम विभाग की वेबसाइट पर दी गई जानकारी का सीधे लाभ उठाने का भी प्रयास करना चाहिए। जनता की सुरक्षा को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का विषय नहीं बनने देना चाहिए।

शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर

क्वाड बैठक

टोकियो में हुए क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में परस्पर साझेदारी और अनेक वैश्विक समस्याओं पर स्पष्ट संदेश दिया गया। इस बैठक से भारत और क्वाड में शामिल अमेरिका, जापान व आस्ट्रेलिया के बीच संबंध और मजबूत हुए हैं। इस प्रकार प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा के बाद क्वाड देशों के संबंधों में दरार की आशंकाएं गलत साबित हुई हैं। वर्ष के अंत में भारत में होने वाली क्वाड बैठक के लिए भी यह एक शुभ संकेत है। बैठक में चारों देशों के विदेश मंत्रियों ने अच्छी समझ और सामंजस्य का प्रदर्शन किया है। क्वाड गठबंधन भारत के लिए खासतौर से महत्वपूर्ण है क्योंकि उसे लगातार अपने पड़ोसी चीन की आक्रामकता का सामना करना पड़ता है। चीन के अन्य क्वाड देशों के साथ व्यापारिक संबंध होने के बावजूद वे भी उसकी विस्तारवादी व वर्चस्ववादी नीतियों से परेशान हैं। हालांकि, भारत राजनयिक स्तर पर चीन से संबंध सुधारने के हर संभव प्रयास करता है तथा विदेश मंत्री जयशंकर ने द्विपक्षीय संबंधों में किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से इनकार किया है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में क्वाड महत्वपूर्ण शक्ति है।

– **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बन चुका है यूपीः मुख्यमंत्री

मानसून सत्र के दौरान बोले सीएम, वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के लक्ष्य की पूर्ति के लिए लाया गया 12 हजार 209 करोड़ का अनुपूरक बजट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश आज रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बन चुका है और अपनी ज्यादातर आवश्यकताओं की पूर्ति खुद करने में सक्षम हो चुका है। सीएम योगी गुरुवार को विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान अनुपूरक बजट को लेकर सदन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 5 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के संकल्प को पूरा करने और प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए 12 हजार 209 करोड़, 93 लाख रुपए का अनुपूरक बजट लाया गया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इसके बाद अब वित्तीय वर्ष 2024-25 के मूल बजट का आकार साढ़े सात लाख करोड़ रुपए का हो चुका है। यह 2015-16 के बजट के आकार से दोगुना है। उन्होंने कहा कि यूपी की बढ़ती आवश्यकताओं के अनुरूप प्रदेश के बजट का दायरा बढ़ाया गया है। सीएम योगी ने इस बात की भी जानकारी दी कि 11 विभागों के माध्यम से 196 योजनाओं के लिए 70 हजार करोड़ रुपए का डीबीटी के जरिए हुआ हस्तांतरण है, जो गरीब जनता के खातों में सीधे ट्रांसफर हुआ है। डीबीटी कैसे एक गरीब को भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था देने में सहायक होती है, यह उसका बड़ा उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन के शुरुआत में सदन के साथ ही नेता प्रतिपक्ष को विशेष रूप से धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि वयोवृद्ध नेता प्रतिपक्ष ने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिये हैं। हमने हमेशा अपने से बुजुर्गों को सम्मान दिया है। हमारे यहां मान्यता है कि वो सभा सभा नहीं होती, जहां बुजुर्ग का सम्मान नहीं होता। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें विरासत में जैसा यूपी मिला था और आज जैसा यूपी आज है, वो सबके सामने है। हमने अटल जी की पंक्तियों से प्रेरणा प्राप्त की है, कि मनुष्य को चाहिए कि वह परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे, तो दूसरा गढ़े...। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनने का माद्दा रखता है। जब हम सत्ता में आए थे तो हमारी अर्थव्यवस्था देश में छठे-सातवें नंबर पर थी। प्रदेश के सामने पहचान का संकट था, मगर आज ये परसेप्शन बदल चुका है। यूपी ने अपनी इकोनॉमी को देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना लिया है। हम अब अगले तीन और पांच साल का रोडमैप बनाकर कार्य कर रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास में बड़े काम हुए हैं। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में रोजगार के नये अवसर सृजित हुए हैं। सीएम योगी ने तमिलनाडु के त्रिशूर का उदाहरण दिया, जहां यूपी के दो लाख लोग काम करते थे। उन्होंने बताया कि वहां से बड़ी संख्या में लोग अपने प्रदेश में वापस आ गये हैं, क्योंकि अब उन्हे अपने प्रदेश में रोजगार मिल रहा है।

देश की स्पीड से कदम मिला रहा है उत्तर प्रदेश

योगी ने कहा कि हम देश की स्पीड के साथ प्रदेश के नागरिकों की स्पीड को आगे बढ़ा सकें और उसी स्पीड को मैच करने के लिए उत्तर प्रदेश ने भी तय किया कि हम उत्तर प्रदेश की इकॉनमी को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी के रूप में खुद को स्थापित करेंगे। यह बजट उसी श्रृंखला का एक हिस्सा है। उत्तर प्रदेश में वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लिए एक रोडमैप तैयार हुआ है। प्रदेश के अंदर सभी विभागों को हमने 10 सेक्टर में विभाजित किया है। हमारा कोई वरिष्ठ मंत्री उस सेक्टर की निगरानी कर रहा है। अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी उसकी मॉनीटरिंग कर रहे हैं। उस फील्ड से जुड़े विशेषज्ञ, अर्थशास्त्री और स्टेकहोल्डर्स का सहयोग लिया जा रहा है। सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से इसकी नियमित समीक्षा के साथ-साथ किस सेक्टर में कमी है और कहां इसे पुश करने की आवश्यकता है, उसके लिए कार्य कर रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि हमने टेक्स चोरी को रोकने के लिए कड़े प्राविधान करने पड़े। 2017 में यूपी का सीडी रेशियो 44 फीसदी था आज ये 60 फीसदी है। ये दिखाता है कि रोजगार के अवसर बढ़े हैं। रिजर्व बैंक ने एक व्यवस्था बनाई है कि आप वित्तीय अनुशासन को ध्यान में रखते हुए ही अपना बजट बनाएंगे और कर्ज लेंगे। अगर ये सीमा के ऊपर ये जाता है तो कोई नेशनल बैंक आपको कर्ज के लिए अलाऊ नहीं करेगा। यूपी ने इस दिशा में बेहतरीन प्रयास किया है। राजकोषीय जवाबदेही एवं बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) की अधिकतम सीमा 3.5 है, जबकि यूपी 2.86 पर अपने वित्तीय अनुशासन को बनाए रखने में सफल रहा है। यह एक बेहतरीन स्थिति है, जिसे हमने किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षा व खेल व अन्य कार्यों के लिए धनराशि की व्यवस्था की गई है। प्रदेश सरकार ने रोजगार मिशन समिति के माध्यम से विशेष प्रस्ताव भी रखा है, जिसमें संचालन के लिए धनराशि की व्यवस्था की है। कौशल विकास में युवाओं की ट्रेनिंग के लिए 200 करोड़ का प्रावधान किया है। 1040 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी लैब की स्थापना के लिए 66 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में चार नए विश्वविद्यालय बनने की ओर अग्रसर हैं। सीएम योगी ने बताया कि हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के नाम पर मेरठ में प्रदेश के पहला खेल विश्वविद्यालय का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। साथ ही कई बार भारतीय हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले महान खिलाड़ी केडी सिंह बाबू के सम्मान में भी सरकार खड़ी है। सरकार धनराशि देकर उनके आवास व प्रॉपर्टी को बचाते हुए संग्रहालय बनाएगी। ग्रामीण क्षेत्र में स्टेडियम को लेकर सरकार ने 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था इस अनुपूरक बजट में किया है।

निवेश गतिविधियों से 60 लाख युवाओं को रोजगार से जोड़ने में मिली सफलता: सीएम योगी ने बताया कि प्रदेश में फरवरी 2023 में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट किया था। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान और बाद में हमारे पास कुल मिलाकर 40 लाख करोड़ से अधिक के प्रस्ताव प्राप्त हुए। ये निवेश के प्रस्ताव यदि आगे बढ़ते हैं तो इससे लगभग सवा करोड़ से अधिक नौजवानों को नौकरी प्राप्त होती है। फरवरी 2024 में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी को संपन्न किया गया, जिसमें दस लाख करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ। पिछले सात वर्ष के अंदर लगभग 16 से 20 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारने में सफलता प्राप्त हुई है। लगभग 60 लाख से अधिक नौजवानों को रोजगार से जोड़ने में मदद मिली है। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के बाद से अब तक एक लाख करोड़ से अधिक की परियोजनाओं ने प्रोडक्शन प्रारंभ किया है। यह इस बात का संकेत है कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में एक बेहतरीन पहल हुई है और इसका लाभ हमारा उद्यमी ले रहा है और इसके माध्यम से प्रदेश के बेरोजगार नौजवानों को रोजगार की संभावनाओं को आगे बढ़ाने में मदद मिल रही है।

जनता को मिले अनवरत बिजली, अनुपूरक बजट में 2 हजार करोड़ का प्राविधान: ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश में हो रहे कार्यों को मुख्यमंत्री ने विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान सदन में रखा। उन्होंने बताया कि प्रदेश की जनता को अनवरत बिजली मिल सके इसके लिए दो हजार करोड़ रुपए का प्राविधान इस अनुपूरक बजट में किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले कुछ साल में प्रदेश 8 हजार मेगावॉट अतिरिक्त बिजली का उत्पादन थर्मल पॉवर परियोजनाओं के जरिए करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऊर्जा के तीनों क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है।

पहले की सरकारों में थर्ड डिवीजन वाले एसडीएम की भर्ती में करते थे टॉप

लखनऊ। सीएम योगी ने बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाओं में आरक्षण और पेपर लीक जैसे मुद्दों पर गुरुवार को विपक्ष को आईना दिखाया। उन्होंने बजट पर चर्चा करते हुए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की भर्ती परीक्षा के आंकड़े प्रस्तुत किए और सपा के समय और मौजूदा समय में ओबीसी छात्रों के सफलता प्रतिशत में अंतर को समझाया। साथ ही उन्होंने सपा की सरकार में भेदभाव और परीक्षाओं में धांधली को लेकर भी विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा कि आपके समय में जो हाईस्कूल, इंटर और ग्रेजुएशन में थर्ड डिवीजन थे वो एसडीएम की भर्ती में टॉप कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 2012 से 2017 के बीच में प्रदेश के अंदर उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग के माध्यम से कुल 26,394 परीक्षार्थियों का चयन हुआ था। इसमें ओबीसी को मात्र 26.38 फीसदी और एससी को 21.34 फीसदी सीटें मिली थीं। वहीं 2017 से अब तक उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से कुल 46,675 भर्तियां हुई हैं, जिसमें ओबीसी को 38.41 फीसदी और ईडब्ल्यूएस को 3.74 प्रतिशत सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में साढ़े 6 लाख सरकारी भर्ती हुईं जिन पर कोई उंगली नहीं उठा सकता। किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं, सभी नियमों का पालन करते हुए भर्तियों को आगे बढ़ाने का कार्य किया गया।

हमारी सरकार में हुई नियुक्तियों में एससी,एसटी और ओबीसी को 60 प्रतिशत हिस्सेदारी मिली

लखनऊ। मानसून सत्र में अनुपूरक बजट पर बोलते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आरक्षण पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में हुई नियुक्तियों में एससी, एसटी और ओबीसी को 60 प्रतिशत हिस्सेदारी मिली है। सीएम योगी ने कहा कि दावे के साथ कह रहा हूं सपा सरकार में हुई सरकारी भर्तियों में ओबीसी को 27 प्रतिशत भी आरक्षण नहीं मिला था। सीएम योगी ने सपा सरकार में सरकारी नौकरियों व्याप्त भ्रष्टाचार का जिक्र करते हुए कहा कि सपा सरकार में सरकारी नौकरियों में पिक एंड चूज होता था। चाचा एवं भतीजा की कंपनी वसूली के लिए निकलती थी और पैसा लेकर लेखपालों की तैनाती होती थी। सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार में पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से भर्ती हो रही है। उन्होंने कहा कि हमने 5500 लेखपालों की तैनाती की है। इस पर कोई भी उंगली नहीं उठा सकता है। जब ये नौजवान फील्ड में जाएंगे तो पारदर्शिता आएगी। सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार में प्रदेश के नौजवान के साथ जो धोखा करेगा, उसकी नौकरी लेने का काम हमारी सरकार करती है। यही नहीं दोषियों को पूरी निर्ममता के साथ जेल भी भेजती है।

अयोध्या व हरदोई मामले में सपा के नेता आरोपी,यह समाज के कोढ़ हैंः योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- गरजे सीएम, अपराधियों को गोली न मारें तो क्या माला पहनाएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अनुपूरक बजट में डबल इंजन सरकार के विकास कार्यों को बताया तो वहीं कानून व्यवस्था पर सपा को खूब लताड़ा। बोले कि अयोध्या में अतिपिछड़ी बच्ची से दुष्कर्म व हरदोई में अधिवक्ता की हत्या में सपा के नेताओं का नाम आ रहा है। अयोध्या का आरोपी सांसद का करीबी है तो हरदोई मामले का आरोपी सपा का पूर्व जिलाध्यक्ष है और 2012 से 2017 के मध्य सपा शासन में इस पर कई मामले दर्ज हुए। यह समाज के कोढ़ हैं। इस कोढ़ को जब तक हटाएंगे नहीं, तब तक यूपी की स्थिति को ठीक करने में कठिनाई होगी। ऐसे अपराधियों को गोली न मारें तो क्या माला पहनाएं। सीएम ने 2016 से 2024 के एनसीआरबी के आंकड़ों को बताते हुए कानून का राज स्थापित करने की प्राथमिकता को गिनाया। सीएम योगी ने एनसीआरबी के आंकड़ों को गिनाते हुए 2016 से 2024 के तुलनात्मक अंतर को बताकर यूपी में अपराधों में आई कमी की तरफ सदन का ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होंने बताया कि डकैती में 86.47, लूट में 78. 17, हत्या में 43.21, बलवा में 67.42, ग्रह भेदन 4.31, फिरौती के लिए अपहरण में 70 फीसदी की कमी आई है। महिला संबंधी अपराध के मामलों पर भी सीएम ने समाजवादियों को आईना दिखाया। बोले कि दहेज मृत्यु दर में 17.43, बलात्कार में 25.30, शीलभंग में 16.56, अपहरण में 0.17 फीसदी की कमी आई है। महिलाओं के विरुद्ध घटित अपराधों में राष्ट्रीय औसत पर नजर डालें तो उत्तर प्रदेश में 2017 से 2022 तक महिलाओं के प्रति अपराध बहुत कम हुए हैं। 2017 से 2022में यूपी के सापेक्ष तेलंगाना, उड़ीसा, राजस्थान, पं. बंगाल, महाराष्ट्र में अपराध अधिक बढ़े थे। बलात्कार के मामले में इस दौरान छत्तीसगढ़, केरल, राजस्थान व झारखंड में यूपी से अधिक अपराध घटित हुए थे। यूपी का इसमें 24वां स्थान है। शील भंग में यूपी का 17वां स्थान है यानी 16 राज्यों में यूपी से अधिक अपराध हुए हैं। योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या मामले पर चर्चा करते हुए सपाइयों को खूब लताड़ा। बोले कि सपा नेता मोइन खान अतिपिछड़ी जाति की 12वर्षीय नाबालिग के साथ दुष्कर्म के कृत्य में शामिल पाया गया है। वह सपा का एक्टिव मेंबर और अयोध्या सांसद की टीम का सदस्य है। सपा सांसद के साथ उठता-बैठता, खाता-चलता है। सपा ने अभी तक उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं की है। ऐसी गतिविधियों के कारण सपा का नाम लेना ही पड़ता है। घटिया हरकत में लिप्त होने के बावजूद इसे हल्केपन में लिया जा रहा है। सीएम ने कहा कि कल हरदोई में दुखद घटना हुई। इसमें भी सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेंद्र यादव का नाम आ रहा है। सीएम ने धिक्कारते हुए कहा कि ऐसा व्यक्ति सपा का जिलाध्यक्ष रह चुका है। इसके द्वारा सरेआम अधिवक्ता की हत्या कराई गई है। इस पर 28 मामले दर्ज हैं। ऐसे अपराधियों को गोली न मारें तो माला पहनाए क्या। आईपीसी व सीआरपीसी की कोई धारा नहीं, जो इस पर न लगी हो। आरोपी पर पहला अपराध 1989 में दर्ज हुआ। फिर 1991, 1992, 1993, 1996, 1998, 2007, 2008, 2013, 2015, 2016 आदि में भी केस दर्ज हुआ। 2016 में यह 302 में लिप्त रहा है। 388 की घटना में भी इसकी लिप्तता पाई गई। 2002 व 2017 में यूपी गुंडा एक्ट के तहत इसके खिलाफ कार्रवाई हुई है। यह ताजा उदाहरण है। यह समाज के सबसे बड़े कलंक और कोढ़ हैं। इस कोढ़ को जब तक हटाएंगे नहीं, तब तक यूपी की स्थिति को ठीक करने में कठिनाई होगी।

सपा ने पूर्व मंत्री की प्रतिमा लगाने के लिए बने चबूतरे को तोड़े जाने के मामले में किया हंगामा

लखनऊ। विधानसभा में बृहस्पतिवार को समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने गोरखपुर की चिल्लूपार विधानसभा क्षेत्र के टांडा गांव में पूर्व मंत्री स्व.हरिशंकर तिवारी की प्रतिमा लगाने को लेकर बनाए जा रहे चबूतरे को तोड़ने पर हुए विवाद को लेकर जमकर हंगामा किया। सपा सदस्य वेल में उतर कर नारेबाजी करने लगे। बाद में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना द्वारा मामले में जानकारी करने का आश्वासन देने के बाद ही सपा सदस्य अपनी सीटों पर वापस लौटे। विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही सुबह 11 बजे सपा के मुख्य सचेतक कमाल अख्तर ने यह मुद्दा उठाया। उन्होंने सतीश महाना से इस मुद्दे पर कार्रवाई की मांग की।

कमाल अख्तर ने कहा कि गोरखपुर की चिल्लूपार विधानसभा क्षेत्र के टांड़ा गांव के प्रवेश पर विधानसभा के सात बार सदस्य रहे और कई बार मंत्री रह चुके स्व. हरिशंकर तिवारी की प्रतिमा लगाई जानी थी। इसके लिए ग्रामीण एक चबूतरा बना रहे थे। उन्होंने कहा कि सदन के सम्मानित सदस्य की प्रतिमा लगाए जाने पर आखिर क्या विवाद हो सकता है लेकिन प्रशासन ने उस पर बुलडोजर चलवा दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि डीएम से इसकी अनुमति ले ली गई थी इसके बावजूद यह कार्रवाई की गई। दरअसल, हरिशंकर तिवारी का पांच अगस्त को जन्मदिन होता है। उसी दिन उनके गांव के लोग प्रतिमा स्थापित करना चाहते थे। जिला प्रशासन ने कहा कि यह ग्राम समाज की जमीन है और उसके लिए पूर्व अनुमति जरूरी होती है। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि यह कोई महत्वपूर्ण विषय नहीं है और इस पर चर्चा नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि अगर कोई सात बार का सदस्य है तो क्या हर किसी की प्रतिमा लगाने की अनुमति दे दी जाए। सतीश महाना ने कहा कि सपा सदस्य अपनी सीटों पर वापस जाएं। इसके बावजूद सपा सदस्य वेल में जमकर नारेबाजी करने लगे।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में 4820 लोगों को नशा मुक्त कराया गया

- प्रदेश की सभी मदिरा की दुकानें एवं रेस्टोबार मद्यनिषेध अधिनियम का पालन कर रहेः नितिन अग्रवाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आबकारी एवं मद्यनिषेध राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने विधान सभा के द्वितीय सत्र में विपक्ष द्वारा पूछे गये तारांकित प्रश्न के जवाब में कहा कि प्रदेश में संचालित 20 नशा निर्वसन केन्द्रों पर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 4820 लोगों को नशा मुक्त कराया गया है, जबकि वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 में अब तक 1196 व्यक्तियों को नशे से मुक्ति मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2012-13 से 2016-17 तक लगातार नशा मुक्ति केन्द्र की संख्या घटती रही है। वर्ष 2012-13 में जहां 33 नशा मुक्ति केन्द्र प्रदेश में संचालित हो रहे थे, वह 2016-17 में घटकर मात्र 16 रह गये थे।

नितिन अग्रवाल ने कहा कि मद्यनिषेध विभाग प्रदेश के नवजवानों को नशा से मुक्ति दिलाने के लिए पूरी तरह जागरूक और सजग है। उन्होंने कहा कि मद्यपान एवं नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों को प्रचारित कर जनमानसन में सचेतना जागृत करने का कार्य किया गया है, जिसके अंतर्गत 1260 मद्यनिषेध शिक्षात्मक एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है, जो निर्धारित लक्ष्य का शत-प्रतिशत है। मद्यनिषेध शिक्षात्मक एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं में 5040 छात्र/ छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इसी प्रकार निर्धारित लक्ष्य 1260 के सापेक्ष 1269 मद्यनिषेध वालपेंटिंग का कार्य कराया गया है। नितिन अग्रवाल ने कहा कि मद्यनिषेध से संबंधित 21 होर्डिंग लगावाई गई। जागरूकता के लिए 252 के सापेक्ष 257 मद्यनिषेध रैलियों का आयोजन किया गया, 1680 के निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष 1696 गोष्ठियां कराई गईं।

कृषि मंत्री से अशोभनीय व्यवहार पर विधानसभा अध्यक्ष ने सपा सदस्य को सदन से किया बाहर

- सदन में यह व्यवहार कतई बर्दाश्त नहींः सतीश महाना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधानसभा में बृहस्पतिवार को सपा के अनिल प्रधान द्वारा कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही से अशोभनीय व्यवहार करने पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने उन्हें सदन से बाहर करने के आदेश दिए और मार्शल को उन्हें बाहर करने का निर्देश दिया। बाद में वरिष्ठ सपा सदस्य द्वारा माफ करने की अपील पर उन्हें वापस सदन में बुला लिया गया।

मामला यह रहा कि चित्रकूट से सपा के विधायक अनिल प्रधान ने यह जानना चाहा कि क्या सरकार किसानों के लिए फसलों पर एमएसपी लागू करेगी। यह प्रश्न करने से पहले अनिल प्रधान ने जय जवान, जय किसान, जय संविधान का नारा लगाया। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही जैसे ही जवाब देने के लिए खड़े हुए तो उन्होंने वर्ष 1975 में इमरजेंसी लगाए जाने को लेकर कांग्रेस समेत इंडी गठबंधन की आलोचना की। उन्होंने कहा कि जय संविधान का नारा लगाने वालों ने ही इमरजेंसी में संविधान की धज्जियां उड़ाकर रख दी थीं। इस पर सपा सदस्यों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया। शोर-शराबा होने लगा। इसी बीच उन्होंने सदन को मांगी गई जानकारी मुहैया कराई लेकिन अनिल प्रधान जवाब से संतुष्ट नहीं हुए। सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि वर्ष 2006 में डा. स्वामीनाथन कमेटी की सिफारिशें आ गई थीं। फिर यूपीए सरकार आई और 2006 से 2014 तक कमेटी की रिपोर्ट को कूड़े के ढेर में डालकर रखा गया। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी 90 फीसदी सिफारिशों को लागू कर दिया है। इस पर सपा सदस्य जोर-शोर से चिल्लाने लगे। इसी बीच अनिल प्रधान अपनी सीट से उठे और कृषि मंत्री की ओर दोनों हाथों से आपत्तिजनक इशारा कर जोर-जोर से चिल्लाने लगे। इस पर कृषि मंत्री और सत्तापक्ष ने भी विरोध किया लेकिन तभी सतीश महाना ने इसका तुरंत ही संज्ञान लेते हुए कहा कि यह व्यवहार सदन में कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह अशोभनीय है। कृषि मंत्री वरिष्ठ सदस्य हैं और उनके साथ ऐसा व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने तुरंत मार्शल को आदेश दिया कि अनिल प्रधान को सदन से बाहर कर दिया जाए। मार्शल जैसे ही अनिल प्रधान की ओर बढ़े वह खुद ही उठकर सदन से बाहर चले गए। बाद में सपा के महबूब अली ने उनका बचाव किया तो सतीश महाना ने चेतावनी दी कि अगर कोई सदस्य ऐसे व्यवहार का समर्थन करेगा तो उसे भी बाहर निकाल दिया जाएगा।

देश में केवल चार जातियां, इनके उत्थान से मिटेगा भेदभावः योगी

- बिना जाति, धर्म और चेहरा देखे 2 करोड़ 62 लाख अन्नदाताओं को दिया जा रहा पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जाति के मुद्दे पर देश में हो रही राजनीति के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर इस बात को दोहराया है कि जातियां केवल चार ही हैं और अगर इनका उत्थान हुआ तो देश में कहीं भी भेदभाव की स्थिति नहीं आएगी। सीएम योगी गुरुवार को विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान अनुपूरक बजट पर सदन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा पहली बार सरकार के एजेंड का हिस्सा किसान बना है। आज किसानों को एमएसपी का पूरा लाभ मिल रहा है। पहली बार स्वायल हेल्थ कार्ड योजना शुरू की गई। अन्नदाताओं को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ बिना जाति, धर्म और चेहरा देखे मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान, महिला, युवा और गरीब ही चार जातियां हैं। इन चारों के उत्थान के लिए सरकार के स्तर पर प्रयास हुए हैं। इनमें भी किसान और कृषि सेक्टर में बड़े स्तर पर कार्य हुए हैं, जो किसानों के जीवन में परिवर्तन का माध्यम बना है। कृषि विज्ञान केंद्र इसके उदाहरण हैं। सीएम योगी ने सपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि 2016 में भारत सरकार उत्तर प्रदेश को 20 कृषि विज्ञान केंद्र दे रही थी, तब तत्कालीन सरकार ने उसे नहीं लिया। 2017 में हमारी सरकार बनी, तब हमने कृषि विज्ञान केंद्रों को प्राप्त करते हुए उन्हें सुदृढ़ बनाने का कार्य किया। इन केंद्रों पर आज किसानों को ट्रेनिंग दी जा रही है, डेमोस्ट्रेशन हो रहे हैं, बेहतरीन बीज कैसे मिले, फसल की अच्छी क्वालिटी कैसे हो, कौन सी फसल कब बोई जाए, इसकी जानकारी दी जा रही है। यहां पर लैबोरेट्री की व्यवस्था की गई है। किसानों के उत्पाद की जांच करके उसके सर्टिफिकेशन की व्यवस्था की जा रही है।

विधानसभा का सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- कुल 19 घंटे 41 मिनट चली सदन की कार्यवाही, 12 विधेयक विचारण एवं पारण के लिए प्रस्तुत किए गए

उत्तर प्रदेश की 18वीं विधानसभा के वर्ष 2024 का द्वितीय सत्र आज अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। चार उपवेशनों के सत्र के दौरान एक बार भी सदन की कार्यवाही स्थगित नहीं हुई। इस दौरान सदन की कार्यवाही कुल 19 घंटे 41 मिनट तक चली। गत 29 जुलाई से प्रारम्भ हुए 18वीं विधान सभा के वर्ष-2024 के द्वितीय सत्र में नियम-300 के अंतर्गत कुल प्राप्त सूचनाओं की संख्या 16, सुनकर अग्राह की गयी सूचनाए 2, तथा अस्वीकार सूचनाए 14 रही। नियम-301 के तहत कुल 356 सूचनाएं प्राप्त हुई जिनमें 191 स्वीकृत एवं 165 अस्वीकृत हुई। कार्यवाही के दौरान कुल प्राप्त प्रश्न-2233, स्वीकृत तारांकित प्रश्न- 372, अतारांकित प्रश्न 1448 रहे। इनमें कुल 819 प्रश्न उत्तरित हुए। 2233 प्रश्नों में 1903 (85.22 प्रतिशत) प्रश्न आनलाइन प्राप्त हुए। नियम-311 के अंतर्गत एक भी सूचना प्राप्त नहीं हुई। इसी प्रकार नियम-

56 के अन्तर्गत कुल 29 सूचनाएं प्राप्त हुई, 7 ग्राह्यता हेतु सुनी गयी। नियम-103 के अंतर्गत कुल प्राप्त 28 प्रस्तावों में सभी 28 प्रस्ताव ग्राह हुए। विगत सत्रों के चर्चाधीन प्रस्तावों की संख्या 12 रही। सत्र के दौरान सरकार से वक्तव्य मांगने वाले नियम-51 के अन्तर्गत 444 सूचनाएं प्राप्त हुई। इनमें वक्तव्य के लिए 18, केवल वक्तव्य के लिए 6, ध्यानाकर्षण के लिए 189 सूचनाएं तथा 231 सूचनाएं अस्वीकार की गयी।

इसी प्रकार इस सत्र में कुल-428 याचिकाएं प्राप्त की गयी। जिसमें 318 ग्राह्यता के उपरान्त स्वीकार की गयी। नियम सीमा से अधिक प्रस्तुत एंव विलम्ब से प्राप्त याचिकाओं की संख्या 110 तथा प्रस्तुत प्रतिवेदनों की संख्या 5 रही। कुल 12 विधेयक विचारण एवं पारण के लिए प्रस्तुत किए गए। 1- उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक 20242- उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय(द्वितीय संशोधन) विधेयक, 20243- उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (तृतीय संशोधन) विधेयक, 20244- उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (चतुर्थ संशोधन) विधेयक, 20245- उत्तर प्रदेश विधि विरूद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संसोधन) विधेयक 20246- उत्तर प्रदेश नजूल संपत्ति (लोक प्रयोजनार्थ प्रबन्ध और उपयोग) विधेयक 20247- उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) विधेयक 20248- उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्र औरं अन्य क्षेत्र विकास प्राधिकरण विधेयक 20249- कारखाना (उत्तर प्रदेश संशोधन) विधेयक 202410-उत्तर प्रदेश नोडल विनिधान रीजन विनिर्माण (निर्माण) क्षेत्र विधेयक 202411 - बोनस संदाय (उत्तर प्रदेश संशोधन) विधेयक 202412-उत्तर प्रदेश विनियोग (2024-2025 का अनुपूरक) विधेयक 2024। सत्र के समापन पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने प्रदेश के मुख्यमंत्री व नेता सदन योगी आदित्यनाथ सहित नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांण्डेय (समाजवादी पार्टी) अपना दल (एस) के नेता, राम निवास वर्मा, राष्ट्रीय लोकदल के नेता, राजपाल सिंह बालियान, निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल के नेता, अनिल कुमार त्रिपाठी, भारतीय सुहेलदेव पार्टी के नेता ओम प्रकाश राजभर, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता आराधना मिश्रा 'मोना, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के नेता कुंवर रघुराज प्रताप सिंह 'राजा भइया, सहित सभी दलीय नेताओं के सहयोग की प्रशंसा की। इस मौके पर संसदीय कार्य व वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना का आाभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने बायपास सर्जरी होने के बाद भी सदन का सुचारू और बेहतरीन ढंग से संचालन किया। कामना है कि वह ऐसे ही हंसते मुस्कराते रहे। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय जी भी विधानसभा अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए यही बात दोहराई। इनके अलावा सभी दलीय नेताओं अपना दल (एस) के नेता, राम निवास वर्मा, राष्ट्रीय लोकदल के नेता, राजपाल सिंह बालियान, निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल के नेता, अनिल कुमार त्रिपाठी, भारतीय सुहेलदेव पार्टी के नेता ओम प्रकाश राजभर, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता आराधना मिश्रा 'मोना, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के नेता कुंवर रघुराज प्रताप सिंह 'राजा भैया ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

मैं यहां नौकरी करने नहीं आया हूं, प्रतिष्ठा प्राप्त करनी होती तो इससे ज्यादा अपने मठ में मिल जाती

लखनऊ। वैसे तो सीएम योगी अपने सार्वजनिक जीवन के विषय में बहुत सारी बातें कई बार कह चुके हैं, लेकिन विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान गुरुवार को एक वक्त ऐसा भी आया जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजनीति में आने के अपने उद्देश्य के बारे में भी सदन के सदस्यों को बताया। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि जनता जनार्दन की सेवा करते हुए उन्हें किन लोगों से लड़ाई लड़नी पड़ रही है। सीएम योगी ने कहा कि मैं यहां नौकरी करने नहीं आया हूं। इस दौरान उन्होंने यह भी साफ किया कि राजनीति में उन्हें कोई प्रतिष्ठा नहीं चाहिए। विधानसभा में अनुपूरक बजट पर बोलते हुए सीएम योगी सपा समेत समूचे विपक्ष को आईना दिखाते हुए बताया कि राजनीति में जनता की सेवा और सुरक्षा ही सबसे बड़ा धर्म है। इसमें किन लोगों से उन्हें लड़ना पड़ रहा है इस बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश के नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले, बेटी और व्यापारी की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले और अराजकता फैलाकर आम आदमी जीवन मुहाल करने वाले लोगों से लड़ने के लिए आया हूं। जो ऐसा करेगा वो भुगतेगा भी। सीएम योगी ने कहा ये हमारी सामान्य लड़ाई नहीं है, न ही ये प्रतिष्ठा की भी लड़ाई नहीं है। मुझे प्रतिष्ठा प्राप्त करनी होती तो इससे ज्यादा प्रतिष्ठा मुझे अपने मठ में मिल जाती। उन्होंने बोल्डोजर पर बोलते हुए कहा कि बुल्डोजर निर्दोष के लिए नहीं बल्कि अपराधियों के लिए है। बुल्डोजर से सिर्फ अपराधी डरते हैं और उन्हें डरना भी चाहिए।

उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सतत् सुनिश्चित रहे: डीएम

● जिलाधिकारी ने की उर्वरक मॉनिटरिंग की समीक्षा, दिये निर्देश

● उर्वरक विक्रेता गोदाम के बाहर उर्वरक की मात्रा व मूल्य को करें प्रदर्शित

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह की अध्यक्षता में उर्वरक मॉनिटरिंग की समीक्षा बैठक मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में की गई। लक्ष्य के सापेक्ष उर्वरकों यूरिया, डीएपी, एनपीके, एमडीपी की उपलब्धता, वितरण आदि के प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश सम्बन्धित को दिये गये। जिला कृषि अधिकारी द्वारा डीएम को अवगत कराया गया कि जनपद को उर्वरकों यूरिया 45360, डीएपी 10367, एमओपी 269, एनपीके 1769 मीट्रिक टन सहकारिता, यूपी एग्रो व अन्य को प्राप्त हुई, अब तक वितरण उपरान्त यूरिया 37160, डीएपी 7235, एमओपी 228, एनपीके 1187 मीट्रिक टन उर्वरक की जनपद में उपलब्धता है, कृषकों को उर्वरक अपने नजदीकी केन्द्रों से आसानी से उपलब्ध हो रही है।

डीएम ने कहा कि जनपद में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सतत् सुनिश्चित रहे, जिसके लिए डीलर अपने स्टॉक सम्बन्धी रिकार्ड अद्यतन रखेंए दुकान के बाहर स्टॉक की मात्राए रेट आदि को प्रदर्शित करें। उन्होंने जिला कृषि अधिकारी को नियमित अन्तराल पर उर्वरक दुकानों का निरीक्षण करने, बड़े वाहनों जिससे उर्वरक कम्पनियों से उर्वरक बिक्रेताओं के पास पहुंचते है, उनकी निगरानी करने के निर्देश दिये। उन्होंने उर्वरक डीलरों से जिस ट्रक से उर्वरक जनपद में मंगायें, सम्बन्धित ट्रक की डिटेल जिला कृषि अधिकारी को समय अन्तर्गत उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। डीएम द्वारा थोक विक्रेताओं से अनावश्यक भण्डार न करने, मांग के अनुरूप तत्काल रिटेलर को उपलब्ध करानेए फुटकर उर्वरक विक्रेताओं को कृषकों को निर्धारित जोत के आधार पर उर्वरक को वितरित करने, कृषकों को उचित दर पर उर्वरक उपलब्ध करायें जाने व अन्य उर्वरक टैंग न करने, शत.प्रतिशत उर्वरक को पीओएस मशीन के माध्यम से आधार प्रमाणीकरण कर कृषकों को वितरित करने संबंधी दिशा निर्देश दिये गए। डीएम ने जिला कृषि अधिकारी को कार्यालय में कन्ट्रोल रूम बनाने के भी निर्देश दिये। जिलाधिकारी के द्वारा उर्वरक डीलरों की भी समस्याओं को सुनकर जिला कृषि अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही कराने के निर्देश दिये गए। बैठक में उप कृषि निदेशक राम बचन राम, जिला कृषि अधिकारी डा. उमेश गुप्ता, उर्वरक कम्पनियों के प्रतिनिधि, उर्वरक विक्रेता आदि उपस्थित रहे।

युवती की संदिग्ध हालत में मौत, हत्या का आरोप

फतेहपुर। बांदा जनपद के थाना तिंदवारी गांव जौहरपुर निवासी बाबू ने अपनी पुत्री रेखा की शादी 2017 में देवलान गांव निवासी सुखलाल के पुत्र ओम प्रकाश के साथ की थी। बताते हैं कि बुधवार की शाम संदिग्ध अवस्था में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया। पोस्टमार्टम हाउस में मृतका के चाचा फूलचंद्र ने बताया कि शादी के सात साल बीत जाने के बाद भी उसकी भतीजी को संतान नहीं हो रही थी जिसको लेकर ओम प्रकाश की बहन सूरजकली आए दिन भाई को भड़काती थी कि इसको छोड़कर दूसरी शादी कर लो। आए दिन घर में झगड़ा होता था। कल शाम पति ने रेखा का गला दबाकर हत्या करके मौके से फरार हो गया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना की वास्तविकता का पता चल सकेगा।

डीएम ने आईसीटी स्मार्ट क्लास का किया उद्घाटन

● डीएम ने बच्चों से पूछे प्रश्न, स्टेशनरी व टाफी का किया वितरण

फतेहपुर। तेलियानी विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय त्रिलोकीपुर में आईसीटी स्मार्ट क्लास का उद्घाटन जिलाधिकारी इंदुमती ने किया। शासन की मंशा के अनुरूप आकांक्षी जनपद में जिला बेसिक शिक्षा विभाग एवं शिव नाडर फाउंडेशन के समन्वय से आईसीटी आधारित स्मार्ट क्लास का संचालन प्राथमिक विद्यालय त्रिलोकीपुर में प्रारंभ किया गया है। फाउंडेशन द्वारा शिक्षा इनीटिएटिव कार्यक्रम के अंतर्गत स्मार्ट क्लास शिक्षण हेतु लैपटॉप, प्रोजक्टर, डिजिटल कंटेंट आदि के माध्यम से छात्र-छात्राओं शिक्षण कार्य किया जायेगा। फाउंडेशन की तरफसे छात्र-छात्राओं के लिए टीएलएम संबंधित सामग्री भी उपलब्ध कराने के साथ ही कक्षा में शिक्षण हेतु एक स्कूल मेन्टर की भी नियुक्ति की गयी है, ताकि बच्चों का अधिगम स्तर कक्षा के अनुरूप हो सके और सीखने सिखाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ा सकें एवं बच्चे डिजिटल क्लास के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सके।

फाउंडेशन के डीजीएम मयंक सिन्हा ने जिलाधिकारी को फाउंडेशन द्वारा आईसीटी स्मार्ट क्लास शिक्षक एवं संचालन की दिशा में राज्य स्तर पर राज्य बेसिक शिक्षा विभाग के समन्वय से संचालित किया जा रहे विभिन्न कार्यक्रम एवं गतिविधियों के बारे में बताते हुए राज्य के सभी आकांक्षी जनपदों में संचालित गतिविधियों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया और चर्चा की। जिलाधिकारी ने बच्चों से बातचीत करते हुए कुछ प्रश्नों को पूछा जिसका बच्चों ने सरल व सहज भाव से सही उत्तर दिया। उन्होंने बच्चों को स्टेशनरी व टॉफी का वितरण किया। डीएम ने विद्यालय परिसर में महुआ का पौध रोपित किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण करना आवश्यक है। साथ ही पौधों का संरक्षण भी करें। उन्होंने खण्ड विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि विद्यालय परिसर के आस-पास घास की कटाई करा दें साथ ही साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें।

तलघर में आग लगने से लाखों का नुकसान, जांच शुरु

आग बुझाते कर्मी

राठ (हमीरपुर)। कस्बे के जल बिहार मंदिर के पास एक व्यापारी की तलघर में शार्ट सर्किट के चलते आग लग गई। आग लगने से व्यापारी का लाखों का कॉस्मैटिग का सामान जलकर राख हो गया है। दमकल कर्मियों व अन्य दुकानदारों ने पानी डाल आग पर काबू पाया है। जब तक व्यापारी का लाखों का सामान जल राख हो गया है। कस्बे के खुशीपुरा मोहल्ला निवासी रामकुमार अग्रवाल पुत्र रतनलाल ने बताया कि उसका मकान जल बिहार मंदिर के पास पुराना घर है। वह मकान के नीचे अपना गोदाम बनाएं था और उसके ऊपर किराए से दुकान दिए था। गुरुवार की सुबह करीब आठ बजे उसके तल घर में शार्ट सर्किट के चलते आग लग गई। थोड़ी ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। वह कॉस्मैटिक का थोक व्यापारी हैं। पूरा माल वहीं पर था। बताया कि आग लगने से उसका सारा माल जलकर राख हो गया। साथ ही वहां रखे दो बड़े फ्रीजर एक युवक ऐसी जलकर राख हो गई है।

डीडीओ को जांच में दो चेकडैम मिले टूटे फूटे, जिलाधिकारी को सौपी रिपोर्ट

● सुमेरपुर बीडीओ को कोई एक्सपर्ट न मिलने से नही कर पाये जांच,कुछ बीडीओ ने दबी जुवान से बताया कि छोटी मोटी कमिया तो होती रहती है बाकी ठीक है।

हमीरपुर। लघु सिचाई विभाग द्वारा सिचाई व वाटर रिचार्जिंग के लिये निर्मित किये गये चेकडैमों की जांच में जांच अधिकारी जिला विकास अधिकारी(डीडीओ) ने दो चेकडैमों की जांच की जिसमे दोनो ही टूटे फूटे पाये गये है, डीएम को रिपोर्ट भेज दी है। वही खंड विकास सुमेरपुर को तकनीकी टीम न मिलने के कारण जांच ही शुरु नही की है। बाकी ब्लाकों में जांच ने कोई न कोई कमी पायी गयी है। चेकडैमों के निर्माण में हुई धांधली को लेकर डीएम ने चार टीमे गठित की थी जिसमे जिला विकास अधिकारी अजीत कुमार श्रीवास्तव ने बंधौली व चंडौत गांव में ट्रैक्टर से जाकर चेकडैमों का निरीक्षण किया जिसमे दोनो चेकडैम चटके व टूटे पाये गये है। पानी नाम मात्र का भरा पाया गया है। चेकडैम मे पानी आने की व्यवस्था नही की गयी है। जिससे वाटर रिचार्जिंग नही हो पा रही है। डीडीओ ने इस मामले की रिपोर्ट जिलाधिकारी को दे दी है वही बीडीओ की अध्यक्षता में गठित की जांच समिति में सुमेरपुर बीडीओ विपिन ने बताया कि उनको जांच के लिये निर्देश तो दिये गये है मगर उनको कोई इंजीनियर नही दिया गया है न ही उनसे किसी इंजीनियर ने संपर्क किया है जिससे वह जांच के लिये नही जा पाये है। इसमे लघु सिचाई बिभाग की घोर लापरवाही सामने आयी है। वही मौदहा के बीडीओ दुर्योधन ने दबी जुवान से बताया कि छोटी छोटी कमिया के अलावा सब कुछ ठीक ठाक पाया गया है। मुस्करा राठ के बीडीओ प्रमोद पांडेय का कहना है कि जांच में कोई बडी कमी नही पायी गयीहै। छोटी कमिया तो चलती रहती है। चेकडैम में पानी कम पाया गया था उनके साथ लघु सिचाई विभाग की अभियंता भी थे। कुरारा के बीडीओ विपिन गुप्ता का कहना है कि उन्हे वह चेकडैम देखने को दिया गया था जिसकी पहले ही मरम्मत कर दी गयी है। उसमे क्या देखना है। गोहांड के बीडीओ एसएन कश्यप ने बताया कि उन्होने चुरहा मगरौठ खरका में चेकडैम देखे है। जिसमे मगरौठ में तालाब देखा है जिसमे इनलेट खराब पाया गया है इसकी रिपोर्ट सीडीओ को भेज दीहै। चेकडैम के बारे में उन्होने कोई टिप्पणी नही की है। सरीला के बीडीओ श्रीमती दिब्या त्रिपाठी से मोवाइल से कोई वार्ता नही हो पायी है।

माटीकला एवं शिल्पकला के उद्यमियों शिल्पियों को टूल किट्स का वितरण

कानपुर देहात। उप्र माटीकला बोर्ड 8 तिलक मार्ग लखनऊ के महाप्रबन्धक व जिलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देशानुसार जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया कि जनपद के अधिकाधिक रोजगार सृजन के उद्?देश्य से प्रदेश के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के माटीकला एवं शिल्पकला के उद्यमियों शिल्पियों के समन्वित विकास हेतु गाटीकला टूल किट्स वितरण योजना संचालित है के अर्न्तगत वर्ष.2024.25 में 50 टूल किट्स का वितरण भी किया जाना प्रस्तावित है। जिसके विपक्ष में लाभार्थियों के चयन हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। पात्रता. उम्र 18 से 55 वर्ष एवं माटीकला के परम्परागत कारीगर, के शिक्षित बेरोजगार एवं माटीकला में प्रशिक्षित अभ्यर्थियों स्वत: रोजगार में परम्परागत कारीगर अपना आवेदन आनलाईन पोर्टल की वेबसाईट पर जाकर कर सकते हैं।

क्विक न्यूज

छात्रा के साथ छेड़खानी पर एक गिरफ्तार तीन फरार

मौदहा, हमीरपुर। कोचिंग पढ़कर वापस आ रही नाबालिग युवती से छेड़छाड़ तथा अश्लीलता करने के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक तथा उसके तीन अज्ञात साथियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। तीन अज्ञात साथियों की तलाश शुरू कर दी है।

कस्बे में संचालित एक कोचिंग संस्थान से पढ़कर वापस अपने घर की ओर जा रही नाबालिग युवती से मनचलों ने अश्लीलता करने के साथ छेड़छाड़ की घटना को अंजाम दिया है जिसके बाद नाबालिक युवती की मां की तरफसे दिए गए शिकायती पत्र के अनुसार कोतवाली पुलिस ने आरोपी श्याम शिवहरे पुत्र ओम प्रकाश शिवहरे तथा नामित आरोपी के तीन अज्ञात साथियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर नामित आरोपी को हिरासत में ले लिया है और बाकी तीन अज्ञात आरोपियों की शिनाख्त करने एवं घर पकड़ करने के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। पीड़ित की मां की तरफसे दिए गए शिकायती पत्र में बताया गया कि बीते शनिवार को जब उसकी नाबालिग युवती मराठीपुरा स्थित एक कोचिंग संस्थान से पढ़कर वापस घर की ओर आ रही थी तभी आरोपी श्याम शिवहरे तथा उसके तीन अज्ञात साथियों ने उनकी लड़की के साथ अश्लीलता करने एवं छेड़छाड़ की घटना को अंजाम दिया है तथा पूर्व में कई बार उपरोक्त आरोपी उनकी लड़की को परेशान करते रहे हैं। मां की तरफसे मिले शिकायती पत्र के अनुसार कोतवाली पुलिस ने नामित आरोपी तथा तीन अज्ञात लोगों पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

अज्ञात शव की परिजनों ने की शिनाख्त

फतेहपुर। विगत दो दिन पूर्व महिला अस्पताल गेट पर 45 वर्षीय युवक की मौत हो गई थी। जिस पर पुलिस ने अज्ञात में उसे सदर अस्पताल के मार्च्युरी हाउस में रखवा दिया था। गुरूवार की दोपहर परिजनों को राहगीरों से पता चला कि उसके पुत्र की सदर अस्पताल के गेट पर मौत हो गई है जिस पर सदर अस्पताल में बनी पुलिस चौकी पहुंचे। जहां उन्होने मृतक की शिनाख्त शिवमंगल सिंह उर्फबउवा पुत्र स्व. झल्लू बांस बल्ही निवासी रामगंज पक्का तालाब के रूप में करते हुए बताया कि दो दिन पूर्व वह घर से निकल गया था जिसकी तलाश परिवार वाले कर रहे थे। राहगीरों की जानकारी पर उन्हें पता चला कि उसकी मौत हो गई है।

दो लुटेरे महिला के जेवरात सहित गिरफ्तार

फर्रुखाबाद। थाना कंपिल पुलिस ने घेराबंदी करके जेवरात लूटने वाले दोनों लुटेरों को लूटे गए जेवरात सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जनपद कासगंज थाना पटियाली के ग्राम मौजी नगला निवासी राहुल पुत्र लेशियार सिंह एवं अलइयापुर निवासी कुलदीप पुत्र सजीवन को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की।अभियुक्तों ने पुलिस को बताया कि हम लोगों के पास लूटे गए कुण्डल है। 15 फरवरी को हम लोगो ने एक राह चलती महिला को अपनी

मोटरसाइकिल पर आगे छोडने को कहकर नुनैरा गांव से बैठा लिया था। चलती बाइक से ही उसके गहने उतरवा कर बैग में रखने को धमकाया था। दोनों कान के कुण्डल व एक जोडी पायलें तथा एक हजार रूपये लूट लिये थे। चाँदी की पायल राह चलते आदमी को 1200 रूपये में बेच दिये थे। जिसे हम नही जानते हमने आपस में पैसे बांट लिए। कुण्डल को सही कीमत न मिलने के कारण बेच नही पाए। पुलिस ने घटना में प्रयोग की गई बाइक को सीज कर दिया है।

एडीएम व एएसपी का एआरटीओ कार्यालय में छापा

फर्रुखाबाद। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय में एडीएम सुभाष चंद्र प्रजापति व अपर पुलिस अधिक्षक डा. संजय सिंह नें छापेमारी की। उन्होंने कार्यालय के अंदर व बाहर संदिग्ध लोगों की तलाश की लेकिन उन्हें किसी प्रकार का कोई संदिग्ध व्यक्ति नहीं मिला, गुरुवार को एडीएम और एएसपी जैसे ही एआरटीओ कार्यलय पंहुचे तो कई लोग अपनी दुकानें बंद कर खिसक गय। दोनों अधिकारियों नें कार्यालय के भीतर जाकर सभी पटलों को देखा और पूंछताछ की स विभागीय कार्य कराने आये कई लोगों से भी जानकारी की लेकिन कोई शिकायत नहीं मिली ।

आपदा से प्रभावित परिसंपत्तियों की मरम्मत प्रस्तावों में तय मानकों का पूरा ध्यान रखा जाय: डीएम

लखीमपुर खीरी। जिले में आपदा से क्षतिग्रस्त विभागीय सार्वजनिक परिसंपत्तियों के पुनर्निर्माण के लिए एसडीआरएफऔर एनडीआरएफनॉर्म्स अन्तर्गत डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागों संग बैठक की और प्रस्ताव मांगे है। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने बाढ़ के कारण सार्वजनिक परिसंपत्तियां जैसे सड़क, पुल, नहर, बांध, सरकारी स्कूल, सामुदायिक भवन, पंचायतघर, आंगनबाड़ी केंद्र को क्षति होने पर मरम्मत के लिए स्वयं परीक्षण प्रस्ताव तैयार करे और एसडीआरएफएनडीआरएफ नियमों का अनुपालन करते हुए प्रस्ताव भेजें।

रामलीला मैदान में हो रहे अवैध निर्माण को रोके जाने की मांग

फतेहपुर। शहर के ज्वालागंज स्थित महानंद रामलीला मैदान में किए जा रहे अवैध निर्माण का मामला संज्ञान में आने पर गुरूवार को श्री राम सेना के पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपकर संरक्षक को ही भक्षक बताते हुए अवैध निर्माण को रोके जाने की गुहार लगाई है। श्रीराम सेना के प्रमुख रूपम महाराज व जिलाध्यक्ष शिव बहादुर सिंह की अगुवई में पदाधिकारी कलेक्ट्रेट पहुंचे और डीएम को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपकर बताया कि शहर के ज्वालागंज स्थित महानंद रामलीला मैदान में अवैध निर्माण का मामला संज्ञान में आया है। इस प्राचीन रामीलीला मैदान का इतिहास दो सौ वर्षों से भी अधिक है। अवैध निर्माण का स्वत: संज्ञान लेते हुए राजस्व अभिलेखों के अनुसार पैमाइश कराकर अवैध निर्माण को ध्वस्त किया जाना चाहिए।

जिम्मेदारों की उदासीनता से डूबी एक हजार बीघा धन की फसल

फतेहपुर। जिले के भिटौरा विकास खण्ड के दर्जनों गांवों के जलमग्न होने से हजारों बीघा धान की फसल बर्बाद हो गई। इस बर्बादी का कारण सिंचाई प्रखण्ड में कार्यरत जिम्मेदार हैं। ग्राम पंचायत उन्नौरा (सहिमापुर) के ग्राम प्रधान जमुना सिंह बीते मई माह से से लगातार उच्चाधिकारियों को पत्र के माध्यम से नहर पटरी व साईफन मरम्मत की आवाज उठाते रहे, लेकिन किसी भी अधिकारी के कान में जूं तक नहीं रेंगा। नतीजा रहा कि बीते दिन नहर पटरी में खांदी कट गई और पानी ने अपना बिकराल रूप धारण करते हुये एक हजार बीघा से अधिक धान की फसल को अपने आगोस में लिया। किसान अपनी बर्बादी पर आंसू बहाने के अलावा कुछ करने की स्थिति में नहीं है। प्रकरण पर अधिशाषी अभियन्ता सिंचाई प्रखण्ड के मोबाईल नंबर पर बात करने का प्रयास किया, लेकिन उनका फोन रिसीव नहीं हो सका।

गौरतलब है कि ग्राम पंचायत उन्नौर (सहिमापुर) जमुना सिंह ने पहला पत्र बीती 6 मई को अधिशाषी अभियन्ता सिंचाई खण्ड को देते हुये जेसीबी से सिल्ट सफाई के दौरान साईफन के क्षतिग्रस्त होने की बात कहते हुये उसके मरम्मतीकरण की आवाज उठाई, लेकिन बेपरवाह अधिकारी की उदासीनता के चलते पत्र पर कोई कार्यवाही अमल में नहीं लाई गई। इसके बाद 31 जुलाई को ग्राम प्रधान ने जिलाधिकारी को एक शिकयती पत्र दिया जिसमें आरोप लगाया कि साईफन का मरम्मतीकरण कार्य नहीं कराये जाने के कारण नहर में डोलेपुर गांव के समीप 30 जुलाई को खांदी कट जाने से एक हजार बीघा से अधिक की धान की फसल किसानो की बर्बाद हो गई। ग्राम प्रधान का आरोप है कि समय पर अगर साइफन का मरम्मतीकरण हो गया होता तो उसके द्वारा अधिक पानी सीधे गंगा नदी में चला जाता और इतने बड़े पैमाने पर किसानों की बर्बादी नहीं होती।

पुनरीक्षित प्रस्तावित मूल्यांकन सूची के सम्बन्ध में आपत्ति सुझाव करे प्रस्तुत

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश ;सम्पत्ति का मूल्यांकनद्ध नियमावली 1997 के नियम 4 के अन्तर्गत मूल्यांकन सूची का पुनरीक्षण करने के उपरान्त जनपद की पुनरीक्षित मूल्यांकन सूची माह अगस्त 2024 में लागू किया जाना है। एडीएम वित्त एवं राजस्व केशव नाथ गुप्ता ने बताया कि नवीन मूल्यांकन सूची लागू होने के पूर्व वर्तमान प्रचलित दरों पर बैनामा पंजीकृत करा कर लाभ प्राप्त कर सकते है माह अगस्त 2024 में लागू होने वाली मूल्यांकन सूची की प्रस्तावित मूल्यांकन सूची के संबंध में जिस किसी को भी कोई आपत्ति/ सुझाव हो तो उपनिबन्धक कार्यालयों में उपलब्ध प्रस्तावित मूल्यांकन सूची का अवलोकन कर आपत्ति/ सुझाव 02.08.2024 से 08.08.2024 को सायंकाल तक एडीएम कानपुर देहात के कार्यालय या सहायक महानिरीक्षक निबन्धन, कानपुर देहात के कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर सकते है।

एआरपी पर हमलावर महिला की सीसीटीवी में कैद हुई तस्वीर

फर्रुखाबाद। बीते दिन एआरपी को गोली मारकर जानलेवा हमला करनें के आरोपी को सीसीटीवी फुटेज पुलिस को मिला है। जिसमे कथित महिला हमलावर नजर आ रही है। पुलिस घटना की गुत्थी को सुलझानें में लगी है। मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस को कथित महिला हमलावर के कपड़े व तमंचा बरामद हुआ है। लेकिन पुलिस नें इस बात की अभी तक पुष्टि नही की। जहानगंज थाना ग्राम रूनी चुरसई निवासी शिक्षक विश्राम सिंह राजपूत को खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय के भीतर पेट में गोली मारी गयी थी। उनका इलाज लखनऊ में चल रहा है। वहीं घायल के भाई उदयवीर सिंह नें विश्राम सिंह राजपूत के सहकर्मी वीरेंद्र पुत्र आरएफ राजपूत निवासी गीतापुरम कालोनी फतेहगढ़ पर विभागीय रंजिश के चलते घटना करानें का आरोप लगाया था। पुलिस नें मुकदमा दर्ज करनें के साथ ही एसपी आलोक प्रियदर्शी के निर्देश पर एसओजी, सर्विलांस, थाना पुलिस के साथ अन्य कई टीमें आरोपी की तलाश में जुटी हैं। उधर पुलिस नें बीती रात सीसीटीवी कैमरे भी तलाशे तो पुलिस को रेलवे स्टेशन के निकट एक अस्पताल के सीसीटीवी कैमरे में आरोपी कैद मिला। कथित महिला आरोपी सफेद पैजामी, नीला सूट व गुलाबी दुपट्ट डाले हैं। आरोप काला चश्मा लगाये है, हाथों में दस्ताने भी पहने है। सूत्रों की मानें तो पुलिस को हमलावर किदवई नगरगली से होता हुआ प्राइमरी पाठशाला पंहुचा पुलिस को जवाहर नगर के सिविलियन स्कूल के निकट हमलावर के द्वारा प्रयोग किये गये जूते, कपड़े व तमंचा कारतूस बोरी में भरे मिले। फिलहाल एसओजी व सर्विलांस टीम नें बीआरसी आकर जाँच पड़ताल की। पुलिस कई बिन्दुओं पर जाँच कर रही है। थानाध्यक्ष कमालगंज राजेश राय नें बताया कि अभी जाँच की जा रही है। कपड़े व तमंचा बरामद नही हुआ है। पुलिस की कई टीमें लगीं है।

पुलिस ने हत्या में वांछित चल रहे तीन आरोपियों दबोचा

● पुलिस अधीक्षक ने किया हत्या के मामले का खुलासा

हत्या का खुलासा करते एसपी।

कन्नौज। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द के द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे व सदर क्षेत्राधिकारी कमलेश कुमार के पर्यवेक्षण एवं गुरसहायगंज प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुबे के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस द्वारा हत्या के मुकदमे मे वांछित चल रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

गुरूवार को पुलिस कार्यालय में विगत 02 जुलाई की शाम थाना गुरसहायगंज क्षेत्र के ग्राम मझपुर्वा मे पप्पू की बगिया मे बने ट्यूबबेल की हौदी मे आफ्ताब पुत्र अलमशाद निवासी ग्राम मझपुर्वा का शव पडा मिलने पर वादी अलमशाद पुत्र स्व. अब्दुल रज्जाक निवासी ग्राम मझपुर्वा द्वारा अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराया गया था। जिसमे विवेचना के क्रम मे संकलित साक्ष्य के आधार पर अभियुक्तगण सोनू उर्फ रफीउद्दीन पुत्र तसरुद्दीन, राजन उर्फ कमालुद्दीन पुत्र बहरुद्दीन निवासीगण ग्राम मझपुर्वा व राजा अली पुत्र मुजफ्फर अली निवासी ग्राम खांडेदेवर का नाम प्रकाश मे आया। गुरूवार की सुवह मुखबिर की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुबे, उपनिरीक्षक नीरज कुमार शर्मा, कांस्टेवल विनय कुमार, सतेन्द्र सिंह, सचिन कुमार, लक्ष्मी प्रसाद के साथ डुंडवाबुजुर्ग तिराहे के पास से गिरफ्तार किया गया है। कोतवाली पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही करते हुये अभियुक्तगणों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। पूंछताछ में अभियुक्त सोनू उर्फरफीउद्दीन ने बताया कि मेरी माँ सोनी उर्फतरुन्नुम है मेरे ही पडोस मे रहनें बाले आफ्ताब पुत्र अलमसार जो मुझे घर पर ट्यूशन पढाने आता था इसी बीच आफ्ताब के सम्बन्ध मेरी माँ सोनी उर्फतरुन्नुम से हो गये मैने आफ्ताब को काफी समझाया लेकिन वह नही माना। मेरे मन मे आफ्ताब को जान से मारने की बात आ रही थी। तब मैंने तथा मेरे ताउ के लडके राजन उर्फ कमालुद्दीन व मामा राजा अली ने आफ्ताब को मारने की योजना बनाकर साजिश के तहत मैने आफ्ताब को 01 जुलाई की रात्रि फोन करके शराब पीने के लिए पप्पू की बगिया मे ले गये। तथा जब आफ्ताब थोडा नशे मे हो गया तो मैने आफ्ताब के हाथ पकड लिये तथा मामा राजा अली पुत्र मुजफ्फर अली ने आफ्ताब के पैर पकड लिये तथा मैने पीछे जाकर पास ही पडे एक नूकीले पत्थर के टूकडे से आफ्ताब के सिर मे पत्थर से कई वार किये जब हमे विश्वाश हो गया कि आफ्ताब मर गया है तो हमने उसका शव छूपाने के लिए पास बनी टूयेबैल की हौदी मे डाल दिया था और मैने सिम को तोडकर फेक दिया था हम तीनो लोग फरार हो गये थे।

सरकारी कार्यालयो में दलाली का प्रकरण पाए जाने पर जेल भेजने की कार्रवाई होगी

फर्रुखाबाद। अपर जिलाधिकारी न्यायिक सुश्री स्वाती शुक्ला ने कहा कि सरकारी कार्यालय में गलत तरीके से कुछ लोग गलत कार्य कर रहे हैं, ऐसी प्राइवेट गतिविधियां मिलने पर चेकिंग अभियान निरंतर चलेंगे। अपर जिलाधिकारी न्यायिक सुश्री स्वाती शुक्ला आज गुरुवार को करीब 11.25 बजे के बाद अपने सरकारी वाहन से फर्रुखाबाद शहर स्थित तहसील सदर कार्यालय, उप निबंधक सदर कार्यालय तथा नगर पालिका परिषद कार्यालय में अचानक चेकिंग करने के लिए पहुंची। इस दौरान कार्यालय के मुख्य गेटों को बंद कराकर कम भीड़ होने तथा सरकारी कर्मियों के आसपास इक्का दुक्का, मुआइना कराने,नकल लेने आदि वालों के अलावा कोई भी प्राइवेट काम करने वाला नहीं मिला।

इसी दौरान तहसील सदर के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व सभासद अजय कुमार त्रिवेदी ने अपर जिलाधिकारी न्यायिक सुश्री स्वाती

शुक्ला की कार खिड़की खोलकर तहसील के कार्यालय में अचानक छापामारी से संबंधित कुछ प्रश्न उठाएं तो वह कार से नीचे उतरकर भीड़ में खड़ी हो गई।इस अवसर पर कुछ पत्रकार भी मौजूद थे।

अपर जिलाधिकारी न्यायिक सुश्री स्वाती शुक्ला ने कहा कि गलत तरीके से किसी सरकारी जगह पर सरकारी कार्यालय में प्राइवेटो लोगों के काम करने के लिए गतिविधियां मिलने पर चेकिंग की गई और यह चेकिंग अभियान निरंतर चलेगा। उन्होंने कहा कि प्राइवेट लोग काम करेंगे या दलाली का कोई प्रकरण पाया गया तो ऐसे लोगों को जेल भेजा जाएगा।

अजय मिश्र ने जनता दर्शन कार्यक्रम कर जनसमस्याओं का किया निराकरण

लखीमपुर। दिनांक 01.08.2024 को पूर्व केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी ने संसदीय कार्यालय लखीमपुर में जनता दर्शन कार्यक्रम कर जनसमस्याओं का निराकरण किया। इसके पश्चात अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत रेलवे स्टेशन लखीमपुर के पुनर्विकास का निरीक्षण किया। पूर्व केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र ष्टेनी ने संसदीय कार्यालय लखीमपुर में समय 10.30 बजे से 12.00 बजे तक जनता से रूबरू होते हुए उनके द्वारा बताई गई समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया गया। इसके पश्चात समय 12.30 बजे पूर्व केन्द्रीय गृहराज्यमंत्री अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत रेलवे स्टेशन लखीमपुर के पुनर्विकास कार्य 16.36 करोड़ की लागत से हो रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। रेलवे स्टेशन लखीमपुर के पुनर्विकास का कार्य कार्यदायी संस्था द्वारा 70 प्रतिशत पूरा कर लिया गया है तथा कार्यदायी संस्था द्वारा अवशेष कार्य को माह अगस्त 2024 तक पूर्ण किया जाएगा। इसके अलावा रेलवे स्टेशन गोला गोकर्णनाथ के पुनर्विकास कार्य 6.65 करोड़ एवं रेलवे स्टेशन मैलानी का पुनर्विकास कार्य 17.76 करोड़ की लागत से किया जा रहा है।

जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष विनीत मनारए पवन गुप्ता ब्लाक प्रमुख नकहाए विकास शुक्लाए अरविन्द सिंह ष्संजयष्ए जितेन्द्र त्रिपाठी ष्जीतूष्ए संजय मिश्राए अम्बरीष सिंह, आरपी कटियार, जर्नादन मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे। संसदीय कार्यालय लखीमपुर में जिला उद्योग व्यापार मण्डल लखीमपुर के व्यापारी गणों के द्वारा केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र ष्टेनीष् को रेलवे से सम्बंधित मांग पत्र एवं लखीमपुर नगर मुख्यालय के गोला क्रासिंग पर ऊपरगामी सेतु (फ्लाईओवर) के निर्माण कार्य के सम्बन्ध में एक ज्ञापन सौंपा।

हम विकास का समर्थन करते हैं, विस्तारवाद का नहीं: पीएम

भाषा। नई दिल्ली

भारत और वियतनाम ने अपने रणनीतिक संबंधों को विस्तार देने के लिए बृहस्पतिवार को एक कार्ययोजना को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नियम आधारित हिंद-प्रशांत के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया और इस बात पर जोर दिया कि भारत विकास का समर्थन करता है, विस्तारवाद का नहीं। यह टिप्पणी क्षेत्र में चीन के सैन्य रुख के प्रति चिंताओं के बीच आई है। मोदी और वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह के बीच व्यापक वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए छह समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए तथा तीन अन्य दस्तावेजों को अंतिम रूप दिया।

यह भी निर्णय लिया गया कि भारत वियतनाम को 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर की ऋण सुविधा प्रदान करेगा, ताकि दक्षिण-पूर्व एशियाई देश की समुद्री सुरक्षा को मजबूत किया जा सके। डिजिटल भुगतान कनेक्टिविटी शुरू करने के लिए दोनों देशों के केंद्रीय बैंकों के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। चिन्ह मंगलवार रात तीन दिवसीय यात्रा पर दिल्ली पहुंचे थे। उनकी इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक संबंधों को और आगे बढ़ाना है। मोदी ने अपने मीडिया वक्तव्य में कहा, हमारी एक्ट ईस्ट नीति और हमारी हिंद-प्रशांत दृष्टि में वियतनाम हमारा महत्वपूर्ण साझेदार है... हम विस्तारवाद का नहीं, विकासवाद का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा, हम एक स्वतंत्र, खुले, नियम-आधारित और समृद्ध हिंद-प्रशांत के लिए अपना सहयोग जारी रखेंगे।

मोदी ने कहा कि दोनों पक्षों ने आतंकवाद और साइबर सुरक्षा मुद्दों से निपटने के लिए सहयोग को मजबूत करने का फैसला किया है। मोदी ने कहा, हमारा मानना है कि विकसित भारत 2047 और वियतनाम के विजन 2045 ने दोनों देशों में विकास को गति दी है। इससे आपसी सहयोग के कई नए क्षेत्र खुल रहे हैं। और इसलिए, अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए, आज हमने एक नई कार्ययोजना अपनाई है।

मोदी ने कहा कि रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिए नए कदम उठाए गए हैं। दोनों प्रधानमंत्रियों ने ना त्रांग स्थित टेलीकम्युनिकेशन यूनिवर्सिटी में एक आर्मी सॉफ्टवेयर पार्क का डिजिटल तरीके से उद्घाटन भी किया। इसे नई दिल्ली की विकास सहायता से बनाया गया है। मोदी ने कहा, 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर की स्वीकृत ऋण सुविधा वियतनाम की समुद्री सुरक्षा को मजबूत करेगी। उन्होंने कहा, हम इस बात पर सहमत हैं कि आपसी व्यापार क्षमता को साकार करने के लिए आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते की समीक्षा जल्द से जल्द पूरी की जानी चाहिए।

वियतनाम आसियान (दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन) का एक महत्वपूर्ण देश है। मोदी ने कहा, हमने हरित अर्थव्यवस्था और नई उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया है। ऊर्जा और बंदरगाह विकास में एक-दूसरे की क्षमताओं का आपसी लाभ के लिए उपयोग किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने वियतनाम के लोगों को भारत के बौद्ध सर्किट में आने का निमंत्रण भी दिया। उन्होंने कहा कि और हम चाहते हैं कि वियतनाम के युवा नालंदा विश्वविद्यालय का भी लाभ उठाएं। मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले एक दशक में भारत-वियतनाम संबंधों में विस्तार और प्रगाढ़तौ आई है। पिछले 10 वर्षों में हमने अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी में बदल दिया है। हमारे द्विपक्षीय व्यापार में 85 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और विकास साझेदारी में आपसी सहयोग बढ़ा है। रक्षा और सुरक्षा क्षेत्रों में आपसी सहयोग ने नई गति पकड़ी है। मोदी ने कहा, पिछले एक दशक में कनेक्टिविटी बढ़ी है। और आज हमारे बीच 50 से अधिक सीधी उड़ानें हैं। इसके साथ ही पर्यटन में लगातार वृद्धि हो रही है और लोगों को ई-वीजा की सुविधा भी दी गई है।

एडीआर ने निर्वाचन आयोग से लोस चुनाव में डाले गए व गिने गए मतों में कथित विसंगति का कारण पूछा

भाषा। नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर एडीआर ने हालिया लोकसभा चुनाव में डाले गए मतों और गिने गए मतों की संख्या में विसंगति का कारण बताने की मांग की है। चुनावी सुधार के लिए कार्यरत निकाय एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने दावा किया है कि लोकसभा चुनाव में 538 निर्वाचन क्षेत्रों में डाले गए मतों और गिने गए मतों की संख्या में विसंगति है। एक प्रेस वार्ता में सोमवार को जारी एडीआर के विश्लेषण के अनुसार, हाल के लोकसभा चुनाव में 362 संसदीय क्षेत्रों में डाले गए मतों की तुलना में कुल 5,54,598 वोट कम गिने गए जबकि 176 संसदीय क्षेत्रों में डाले गए वोट की तुलना में कुल 35,093 मत अधिक गिने गए।

एडीआर ने बृहस्पतिवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार और निर्वाचन आयुक्तों ज्ञानेश कुमार और डॉ सुखबीर सिंह संधू को पत्र लिखकर 2024 के आम चुनाव के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में दर्ज किए गए मतों में कथित विसंगतियों पर गंभीर चिंता जताई। साल 2019 में भी इस मुद्दे को उठाया गया था जब एडीआर और कॉमन कॉज ने उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर की थी।

उन्होंने निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को यह निर्देश देने की मांग की थी कि वह गहन मिलान से पहले अनंतिम आंकड़ों के आधार पर परिणामों की घोषणा करना बंद कर दे। याचिका में 2019 के लोकसभा चुनाव का हवाला दिया गया, जहां अनुमानित आंकड़ों के आधार पर परिणाम घोषित किए गए थे। एडीआर ने कहा कि दिसंबर 2019 में शीर्ष अदालत की ओर से निर्वाचन आयोग और केंद्र सरकार को नोटिस जारी करने के बावजूद कोई ठोस कार्वाई नहीं की गई।

पत्र में मांग की गई है कि आयोग इन विसंगतियों को दूर करने तथा चुनावी प्रक्रिया में जनता का विश्वास सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कार्वाई करे। पत्र में कहा गया है, प्रत्एक वोट महत्वपूर्ण है और इसे गिना जाना चाहिए। इसमें आयोग से इन विसंगतियों के कारणों को स्पष्ट करने का आग्रह किया गया है। एडीआर ने आयोग से अनुरोध किया है कि वह उसके निष्कर्षों के आलोक में उठाए गए किसी भी कदम या कार्वाई के बारे में उसे सूचित करे। एडीआर ने भारत में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की विश्वसनीयता को बनाए रखने के लिए संवैधानिक निकाय के रूप में निर्वाचन आयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।

पाठ्यपुस्तकों में बदलाव बच्चों की बौद्धिक्ता के लिए खतरा: तृणमूल कांग्रेस

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस की सांसद प्रतिमा मंडल ने प्रमुख मुस्लिम शासकों से संबंधित अध्याय हटाने और एनसीईआरटी पाठ्यक्रम से 2002 के गुजरात दंगों के संदर्भ को हटाने को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि वर्तमान सरकार के तहत पाठ्यपुस्तकों में बदलाव से बच्चों की बौद्धिकता के लिए खतरा पैदा हो रहा है। शिक्षा मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदान की मांगों पर लोकसभा में चर्चा में भाग लेते हुए मंडल ने कहा कि सरकार की नीतियां न केवल देश के शैक्षिक मानकों को ऊपर उठाने में विफल रही हैं, बल्कि क्रमबद्ध रूप से उन मूलभूत सिद्धांतों को भी नष्ट कर दिया गया है जो छात्रों के समान अवसर और समग्र विकास को सुनिश्चित करते हैं।

मौजूदा सरकार के तहत पाठ्यपुस्तकों का क्रमिक संशोधन हमारे बच्चों की शिक्षा और बौद्धिकता के लिए खतरा पैदा करता है मंडल ने इस बात का उल्लेख किया कि वर्ष 2018 में शिक्षा राज्य मंत्री सत्यपाल सिंह ने डार्विन के विकासवाद के सिद्धांत को वैज्ञानिक रूप से गलत घोषित किया था और पाठ्यक्रम में बदलाव का आह्वान किया था। डार्विन के सिद्धांत को कक्षा 9 और 10 के पाठ्यक्रम से हटा दिया गया था। 2022-23 तक इसे पाठ्यपुस्तकों से हटा दिया गया। लाखों छात्रों में अब आधुनिक जीव विज्ञान के मूलभूत सिद्धांत पर औपचारिक ज्ञान का अभाव है। टीएमसी सांसद ने कहा, एनसीईआरटी पाठ्यक्रम से प्रमुख मुस्लिम शासकों और उनके योगदान पर अध्यायों को हटाना, 2022 के गुजरात दंगों जैसी घटनाओं के संदर्भ को हटाना, महात्मा गांधी की हत्या से जुड़े घटनाक्रम की बातों को बदलना और वैज्ञानिक सिद्धांतों के बजाय पौराणिक सिद्धांतों को बढ़ावा देना, कुछ ऐसे बिंदु हैं।

झारखंड में भाजपा के अठारह विधायक विधानसभा से निलंबित, मार्शलों की मदद से बाहर निकाला गया

रांची। झारखंड में भाजपा के 18 विधायकों को बृहस्पतिवार को अशोभनीय आचरण के लिए दो अगस्त दोपहर दो बजे तक के लिए विधानसभा से निलंबित कर दिया गया तथा सदन से जाने से इनकार करने के बाद उन्हें मार्शलों की मदद से बाहर निकाला गया। विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने एक दिन पहले मार्शलों द्वारा विपक्षी विधायकों को बाहर निकाले जाने के विरोध में सदन में हंगामा करने के बाद भाजपा सदस्यों के खिलाफ कार्वाई की।

ए विपक्षी विधायक बुधवार को रोजगार समेत विभिन्न मुद्दों पर उनके प्रश्नों का जवाब देने से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के इनकार के खिलाफ आसन के समक्ष प्रदर्शन कर रहे थे। महतो ने कहा कि उन्हें भाजपा के 18 विधायकों को निलंबित करने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि उन्होंने गुंडागर्दी की और सदन की मर्यादा का उल्लंघन किया। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि भाजपा विधायकों ने पुरुष और महिला मार्शलों से दुर्व्यवहार किया और सदन के भीतर से सोशल मीडिया मंच पर वीडियो अपलोड कर नियमों का उल्लंघन किया।

उन्होंने कहा, मैं भाजपा विधायकों के आचरण से बहुत दुखी हूं। यह झारखंड के 24 साल के इतिहास में एक काला दिन है। विपक्ष के नेता अमर कुमार बाउरी ने आरोप लगाया कि झारखंड में तानाशाही है क्योंकि भाजपा विधायकों ने सदन में बम नहीं फेंके जैसा कि 1929 में दिल्ली विधानसभा में क्रांतिकारियों ने किया था, बल्कि उन्होंने महात्मा गांधी के अहिंसक मार्ग का अनुसरण किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) सरकार के कहने पर भाजपा विधायकों के खिलाफ कार्वाई की गई है।

विपक्षी दल भाजपा और ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन (आजसू) पार्टी के विधायकों को मार्शल ने देर रात सदन से बाहर निकाल दिया था। उन्होंने अपराह्न करीब तीन बजे सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद भी आसन के समीप से हटने से इनकार कर दिया था जिसके बाद उन्हें सदन से निकालकर परिसर में लाया गया।

कई भाजपा विधायक बुधवार रात को विधानसभा इमारत के प्रवेश द्वार के समीप परिसर के फर्श पर चादर बिछाकर और कंबल ओढ़कर सोए। सदन की कार्यवाही बृहस्पतिवार सुबह 11 बजे फिर शुरू हुई। भाजपा विधायक सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले आसन के समीप आ गए और उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का इस्तीफा मांगते हुए नारे लगाए। उन्हें आसन के समक्ष कुछ दस्तावेजों को फाड़ते हुए भी देखा गया। सत्र शुरू होने से पहले सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों को बहस करते हुए भी देखा गया।

हंगामा जारी रहने पर महतो ने 18 भाजपा विधायकों को निलंबित कर दिया। जब उन्होंने निलंबित होने के बाद भी सदन से बाहर जाने से इनकार कर दिया तो अध्यक्ष ने मार्शलों को बुलाया जिन्होंने विपक्षी सदस्यों को बाहर निकाला।

अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा की आचार समिति मामले की जांच करेगी और एक सप्ताह के भीतर उन्हें एक रिपोर्ट सौंपेगी। इसके बाद उन्होंने सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। भाजपा विधायकों ने विधानसभा के बाहर पत्रकारों से कहा कि अध्यक्ष ने राज्य में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत सरकार के इशारे पर लोकतंत्र की हत्या कर दी। विपक्ष के नेता अमर बाउरी ने दावा किया कि बृहस्पतिवार की कार्वाई दिखाती है कि राज्य सरकार एक तानाशाह बन गई है। बाउरी ने कहा, हम सरकार से लोगों से जुड़े मुद्दों पर प्रश्नों का जवाब देने का अनुरोध करते हैं। जो भी हुआ, वह विपक्षी विधायकों की आवाज को दबाने की कोशिश है।

यात्रियों को केदारनाथ यात्रा स्थगित करने की सलाह, बारिश से 12 लोगों की मौत

देहरादून। भारी बारिश के कारण रुद्रप्रयाग प्रशासन ने यात्रियों से बृहस्पतिवार को अपनी केदारनाथ यात्रा स्थगित करने को कहा जबकि उत्तराखंड के विभिन्न स्थानों पर बुधवार से वर्षा संबंधी घटनाओं में 12 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई और करीब छह अन्य घायल हो गए। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार, नैनीताल जिले के हल्द्वानी में एक बच्चे के नाले में बहने की भी सूचना है जिसकी तलाश की जा रही है। बुधवार रात करीब साढ़े नौ बजे भारी बारिश से गौरीकुंडकेदारनाथ पैदल रास्ते पर भीमबली में 2025 मीटर का मार्ग बह गया तथा पहाड़ी से बड़ेबड़े पत्थर आ गए। केंद्र के अनुसार, इस दौरान वहां फंसे 450 यात्रियों को गढ़वाल मंडल विकास निगम के अतिथि गृहों एवं पुलिस चौकी में ठहराया गया था। सुबह शुरू हुए बचाव अभियान में अब तक 200 यात्रियों को हेलीकॉप्टर के माध्यम से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है जबकि अन्य को वैकल्पिक पैदल रास्तों के जरिए वहां से निकाला जा रहा है।

केदारनाथ जाने वाले रास्ते के क्षतिग्रस्त होने के मद्देनजर रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन की ओर से यात्रियों को उनकी केदारनाथ यात्रा स्थगित करने की सलाह दी गई है। इस संबंध में एक परामर्श जारी कर कहा गया है कि केदारनाथ दर्शनों के लिए रुद्रप्रयाग तक पहुंचे तीर्थयात्री फिलहाल जहां कभी हैं, वहीं सुरक्षित रूके रहें और फिलहाल अपनी केदारनाथ धाम यात्रा को स्थगित कर दें। परामर्श में कहा गया है कि इस समय सोनप्रयाग से आगे मोटरमार्ग और पैदल मार्ग की स्थिति बिल्कुल भी सही नहीं है और मार्ग सही होने व यात्रा के सुचारू होने की सूचना अलग से दी जाएगी। सोनप्रयाग में मंदाकिनी नदी का जल चेतावनी स्तर के आसपास होने के कारण पार्किंग क्षेत्र भी खाली करवा दिया गया है। देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने बताया कि रायपुर क्षेत्र की एक नहर में बुधवार रात दो व्यक्ति डूब गए। उनके शव बरामद कर लिए गए हैं जिनकी पहचान सुंदर सिंह और अर्जुन सिंह राणा के रूप में हुई है। हरिद्वार जिले के रूड़की क्षेत्र के भारपुर गांव में भारी बारिश से एक मकान ढह गया जिससे उसके मलबे के नीचे दबने से चार व्यक्तियों की व्यक्तियों की मौत हो गई तथा 10 अन्य घायल हो गए जिनमें से आठ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

रूड़की बस अड्डे पर देर रात करीब साढ़े 11 बजे बिजली का करंट लगने से दो व्यक्तियों की मृत्यु हो गई। टिहरी जिले के घनसाली के जखनयाली गांव में बादल फटने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। टिहरी के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी बृजेश भट्ट ने बताया कि मलबे से भानु प्रसाद (50) और उनकी पत्नी नीलम देवी (45) के शव बरामद हुए जबकि उनके पुत्र विपिन (28) को घायल अवस्था में निकाला गया। उन्होंने बताया कि देर रात करीब दो बजे सांस लेने में शिकायत के कारण विपिन को एम्स ऋषिकेश ले जाया जा रहा था लेकिन देर रात उसने दम तोड़ दिया।

चमोली जिले की गैरसैंण तहसील के कुणखेत गांव में बीती रात भारी बारिश के दौरान अचानक पहाड़ी से आया मलबा एक मकान पर गिर गया जिससे उसमें दबकर एक महिला की जान चली गई। नैनीताल जिले के हल्द्वानी में बुधवार रात भारी बारिश से उफनाए एक नाले में एक सात वर्षीय बच्चा रिजवान बह गया। पुलिस और एसडीआरएफ द्वारा उसकी तलाश की जा रही है। मौसम विभाग से मिली सूचना के अनुसार, पिछले 24 घंटों में अकेले देहरादून में ही 172 मिमी बारिश दर्ज की गई। हरिद्वार के रोशनाबाद में सर्वाधिक 210 मिमी बारिश रिकार्ड की गई जबकि रायवाला में 163 मिमी, हल्द्वानी में 140 मिमी, हरिद्वार में 140 मिमी, रूड़की में 112 मिमी, नरेंद्र नगर में 107 मिमी, धनोल्टी में 98 मिमी, चकराता में 92 मिमी और नैनीताल में 89 मिमी बारिश दर्ज की गई। राज्य में अतिवृष्टि की स्वयं निगरानी कर रहे मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अलर्ट पर रहने को कहा है। प्रदेशवासी और राज्य में आने वाले यात्रियों की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में धामी ने कहा कि प्रदेश में बुधवार रात हुई भारी बारिश के कारण कई स्थानों पर जनजीवन प्रभावित होने की सूचना मिली तथा बचाव दलों ने रात भर अभियान चलाकर लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। बाद में, मुख्यमंत्री ने राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र पहुंचकर बारिश की स्थिति का जायजा लिया और सचिव, आपदा प्रबंधन को जिलाधिकारियों से समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए।

एकनाथ शिंदे ने फडणवीस को चुनौती को लेकर उद्धव पर साधा निशाना

भाषा। मुंबई/नागपुर

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना (यूबीटी)प्रमुख उद्धव ठाकरे पर बृहस्पतिवार को निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग दूसरों को चुनौती देने की बात कर रहे हैं, उन्हें यह पता करना चाहिए कि क्या उनमें ऐसा करने की ताकत है। ठाकरे ने बुधवार को फडणवीस को चुनौती देते हुए कहा, या तो आप वहां होंगे, या मैं। ठाकरे ने कहा, अनिल देशमुख ने हाल ही में कहा था कि कैसे फडणवीस ने मुझे और (उद्धव के बेटे) आदित्य को सलाखों के पीछे डालने की योजना बनाई थी। सब कुछ सहन करने के बाद, अब मैं दृढ़ संकल्प के साथ खड़ा हूं। या तो आप वहां होंगे, या मैं रहूंगा।

ठाकरे ने यह बात कहकर संकेत दिया कि दो पूर्व अच्छे मित्रों के बीच संबंध कितने कटु हो गए हैं। शिंदे ने कहा कि राजनीति में किसी को भी दूसरों को पूरी तरह से खत्म करने की बात नहीं करनी चाहिए। शिंदे ने कहा, जो लोग चुनौती देने की बात करते हैं, उन्हें समझना चाहिए कि हम कहां खड़े हैं। इसके लिए किसी व्यक्ति को ताकत की जरूरत होती है। बेतरतीब टिप्पणी करने की तरह, कोई भी दूसरे को खत्म नहीं कर सकता।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने नागपुर में संवाददाताओं से कहा कि ठाकरे की भाषा उनके मानसिक दिवालियापन को दर्शाती है। बावनकुले ने कहा, ठाकरे कोंकण और मुंबई में अपनी पार्टी के गिरते मत प्रतिशत को लेकर चिंतित हैं। जिस दिन उन्होंने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया, उनके समर्थकों ने उनका साथ छोड़ दिया। जब वे भाजपा के साथ गठबंधन में थे, तो उन्होंने 18 लोकसभा सीट जीती थीं, लेकिन अब सीट की संख्या में गिरावट आई है। ठाकरे इतना नीचे गिरकर और फडणवीस पर हमला करके अपना मानसिक दिवालियापन दिखा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ हैं और महायुति (शिवसेना, भाजपा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का सत्तारूढ़ गठबंधन) विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करेगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष (जेपी नड्डा की जगह जो अब केंद्रीय मंत्री हैं) पद पर फडणवीस के नाम पर विचार किए जाने की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर बावनकुले ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि केंद्रीय नेतृत्व क्या फैसला करेगा। उन्होंने कहा, हालांकि, देवेंद्र फडणवीस के पास बहुत बड़ा संगठनात्मक अनुभव है। उन्होंने महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष के रूप में काम किया है और उन्हें राष्ट्रीय संगठनात्मक अनुभव भी है, लेकिन महाराष्ट्र को देवेंद्र फडणवीस की दृष्टि की जरूरत है।

जून से अब तक देश में दिमागी बुखार से 59 मौतें: सरकार

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि जून से देश भर में एक्यूट एंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) यानी दिमागी बुखार के 148 मामले सामने आए और 59 मरीजों की मौत हो गई। मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि 51 मामलों में चांदीपुरा वायरस (सीएचपीवी) की पुष्टि हुई है। बयान के मुताबिक, 31 जुलाई तक गुजरात के 24 जिलों में 140, मध्यप्रदेश में चार, राजस्थान में तीन और महाराष्ट्र में एईएस का एक मामला दर्ज किया गया।

मंत्रालय ने बताया कि जून के आरंभ से ही गुजरात में 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) के मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) व राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) के निदेशक और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक तथा मध्यप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और गुजरात के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के क्षेत्रीय कार्यालयों ने बृहस्पतिवार को संयुक्त रूप से स्थिति की समीक्षा की।

बयान के मुताबिक, 19 जुलाई 2024 से एक्यूट एंसेफेलाइटिस सिंड्रोम की दैनिक रिपोर्ट में नए मामलों में गिरावट का रुझान स्पष्ट है। बयान में बताया गया कि गुजरात ने मच्छर जनित रोगों के नियंत्रण के लिए कीटनाशक स्प्रे, सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी), चिकित्सा कर्मियों को रोग की जानकारी उपलब्ध कराने और नामित सुविधाओं के लिए मामलों को समय पर रेफर करने जैसे विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय किए हैं।

बयान के मुताबिक, सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय करने और प्रकोप की विस्तृत महामारी विज्ञान जांच करने के लिए गुजरात राज्य सरकार की सहायता के लिए एक राष्ट्रीय संयुक्त प्रकोप प्रतिक्रिया दल (एनजेओआरटी) को तैनात किया गया है। बयान में बताया गया कि एईएस मामलों की रिपोर्ट करने वाले पड़ोसी राज्यों का मार्गदर्शन करने के लिए राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) और राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीवीबीडीसी) की ओर से एक संयुक्त परामर्श जारी किया जा रहा है।

मंत्रालय ने बताया कि चांदीपुरा वायरस (सीएचपीवी) रबडोविरिडे परिवार का सदस्य है जो देश के पश्चिमी, मध्य और दक्षिणी भागों में विशेष रूप से मानसून के मौसम में छिटपुट मामलों और प्रकोप का कारण बनता है। यह बीमारी अधिकतर 15 साल से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करती है। इसमें बुखार हो सकता है, जिसके कारण शरीर में ऐंठन, कोमा की स्थिति और कुछ मामलों में मृत्यु तक हो सकती है। चांदीपुरा वायरस के लिए कोई विशिष्ट उपचार उपलब्ध नहीं है और प्रबंधन लक्षणों के आधार पर किया जाता है। एक्यूट एंसेफेलाइटिस सिंड्रोम के संदिग्ध मामलों को समय पर निर्दिष्ट सुविधाओं से लैस अस्पतालों में स्थानांतरित करने से परिणामों में सुधार हो सकता है।

पेज 1 का शेष

राष्ट्रीय राजधानी..

हुआ था और तुरंत इस समस्या को दुरुस्त कर दिया गया है। इसके बाद, पानी का कोई और रिसाव नहीं देखा गया है। दिल्ली के छह मौसम केंद्रों ने एक ही दिन में 100 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की। बारिश के कारण कम से कम छह लोगों की मौत हो गई, जिसमें उत्तरी दिल्ली के सब्जी मंडी इलाके में एक इमारत गिरने से 62 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई, पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर इलाके में 22 वर्षीय महिला और उसका तीन वर्षीय बेटा पानी से भरे नाले में गिरकर डूब गए, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के बिंदापुर इलाके में एक 12 वर्षीय लड़का बिजली के तार के संपर्क में आने से करंट की चपेट में आ गया, दक्षिण दिल्ली के संगम विहार में एक 18 वर्षीय लड़का गिर गया और उसकी मौत हो गई तथा दक्षिण-पूर्व दिल्ली के मीठापुर में अपने घर में करंट लगने से 28 वर्षीय प्रभात की मौत हो गई। गुरुग्राम और नोएडा सहित शहर के आसपास के क्षेत्रों में पांच लोगों की मौत की बात सामने आई है। हरियाणा के गुरुग्राम में भारी बारिश के बाद हाईटेंशन तार के संपर्क में आने से तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि ग्रेटर नोएडा में दादरी इलाके में दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। शहर भर में पेड़ गिरने, सड़कों पर पानी भरने और दीवारें गिरने की कई घटनाएं सामने आईं क्योंकि कई प्रमुख मार्ग भीषण यातायात से जाम थे जिसके चलते लोग जाम में फंसे रहे। दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार गुरुवार सुबह 7 बजे तक उसे ट्रैफिक जाम से संबंधित 2,945 कॉल, जलभराव की 127 कॉल, इमारत गिरने की 27 कॉल और पेड़ गिरने की 50 कॉल मिली थी। दिल्ली नगर निगम को बुधवार रात 9 बजे से गुरुवार सुबह 6 बजे के बीच कुल 12 कॉल मिलीं, जिनमें पेड़ गिरने की दो और जलभराव की 10 कॉल शामिल हैं, जबकि गुरुवार को दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे के बीच उसे 43 कॉल मिलीं, जिनमें जलभराव से संबंधित 22 कॉल और पेड़ गिरने की 21 कॉल शामिल हैं। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने कहा कि उन्हें गुरुवार सुबह 6 बजे तक जलभराव से संबंधित 90 कॉल और उखड़े हुए पेड़ों को हटाने के लिए 20 कॉल मिलीं। खराब मौसम के कारण हवाई यातायात भी प्रभावित हुआ और दिल्ली हवाई अड्डे पर आने वाली कई उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा। वहीं दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी द्वारा बुधवार देर रात की गई घोषणा के अनुसार गुरुवार को शहर के सभी सरकारी और निजी स्कूल बंद रहेंगे।

वायनाड...

जारी करने में केंद्रीय एजेंसियों की विफलता का आरोप लगाया था। वायनाड का प्रतिनिधित्व करने वाले राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका वाड्रा के यहां पहुंचने से वायनाड के निवासियों को बड़ी राहत मिली। लोगों ने भाई-बहन का गर्मजोशी से स्वागत किया और नेहरू-गांधी परिवार के सदस्यों ने भूस्खलन और बाढ़ से प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया।

हिमाचल/उत्तराखंड ...

यहां सैलाब व भूस्खलन के कारण लापता हुए 36 लोगों की तलाश की जा रही है। झाकड़ी में समेज खड्डु में हाइड्रो प्रोजेक्ट के नजदीक बादल फटने से आये सैलाब के कारण लोगों को बचाने के लिए प्रशासन ने बचाव अभियान तेज कर दिया है। सैलाब में कई परिवार व हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट के सात कर्मचारी सहित 36 लोग लापता हैं। ।

उच्चतम न्यायालय...

ऐसा व्यवहार किया जैसे कोई गुंडा मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास में घुस आया हो। उच्च न्यायालय के समक्ष उसकी पूरी दलील यह थी कि मालीवाल आरोप मनगढ़ंत हैं। सिंघवी ने कहा कि घटना के दिन वह पुलिस थाने गई थीं, फिर बिना कुछ कहे वापस आ गईं लेकिन फिर तीन दिन बाद उन्होंने प्राथमिकी दर्ज कराई। पीठ ने कहा, वह हैरान हैं, क्या एक युवती से बात करने का यह तरीका है, मालीवाल द्वारा अपनी शारीरिक स्थिति के बारे में बताने के बाद भी उसने (बिभव कुमार ने) मालीवाल के साथ मारपीट की। सिंघवी ने कहा कि अदालत मालीवाल द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के विवरण पर भरोसा कर रही है, लेकिन कुमार की शिकायत मालीवाल की मित्रवत पुलिस और दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा दर्ज नहीं की गई थी। न्यायमूर्ति कांत ने कहा, हमें आपकी आंतरिक राजनीति से मतलब नहीं है और अदालत केवल केस रिकॉर्ड और प्राथमिकी पर गौर कर रही है। मामले के रिकॉर्ड का हवाला देते हुए पीठ ने कहा कि वह इसे खुली अदालत में नहीं पढ़ना चाहती, लेकिन एक बार जब मालीवाल उसे अपनी विशेष शारीरिक स्थितियों के कारण ऐसा करने से मना किया, तो इस व्यक्ति ने उन पर हमला करना जारी रखा। पीठ ने कहा, वह खुद को क्या समझता है। क्या सत्ता उसके सिर पर चढ़ गई है। सिंघवी ने कहा कि ये सभी आरोप परीक्षण के मामले हैं और फिलहाल वह केवल जमानत का अनुरोध कर रहे हैं। मामले को उच्चतम स्तर पर ले जाने और अपराध को देखने के बाद भी वह जमानत का हकदार है, क्योंकि वह सबूतों से छेड़छाड़ नहीं कर सकता या गवाहों को प्रभावित नहीं कर सकता। पीठ ने कहा, हां, हम केवल जमानत के मुद्दे पर गौर कर रहे हैं। अगर इस तरह का व्यक्ति गवाहों को प्रभावित नहीं कर सकता, तो कौन कर सकता है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, रिकॉर्ड देखिए, क्या ड्राइंग रूम (मुख्यमंत्री आवास) में कोई ऐसा व्यक्ति था जिसने उसके (बिभव कुमार) खिलाफ बोलने की हिम्मत की। हमें लगता है कि उसे शर्म भी नहीं आई।

राज्यों को...

जबकि न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पंकज मिथल न्यायमूर्ति सतीश चंद्र मिश्रा और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी ने अपने-अपने फैसले लिखे। न्यायमूर्ति त्रिवेदी को छोड़कर अन्य पांच न्यायाधीश प्रधान न्यायाधीश के निष्कर्षों से सहमत थे। न्यायमूर्ति त्रिवेदी ने अपने 85 पन्नों के असहमति वाले फैसले में कहा कि केवल संसद ही किसी जाति को अनुसूचित जाति की सूची में शामिल कर सकती है या बाहर कर सकती है, तथा राज्यों को इसमें फेरबदल करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने फैसला सुनाया कि अनुसूचित जातियां एक सजातीय वर्ग हैं, जिन्हें आगे उप-वर्गीकृत नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति त्रिवेदी ने लिखा, अनुच्छेद 341 के तहत अधिसूचना में अनुसूचित जातियों के रूप में सूचीबद्ध जातियों, नस्लों या जनजातियों को विभाजित/उप-विभाजित/उप-वर्गीकृत या पुनर्समूहीकृत करके किसी विशेष जातिजातियों को आरक्षण प्रदान करने या तरजीही बर्ताव करने के लिए कानून बनाने के लिए राज्यों के पास कोई विधाई क्षमता नहीं है।

रेल मंत्री...

उनके भाषण के दौरान विपक्षी सदस्य सदन के वेल में जमा हो गए और 'रेल मंत्री वापस जाओ', 'रील मंत्री हाय, हाय' और 'रील मंत्री इस्तिफा दो' के नारे लगाए। कांग्रेस नेता और लोकसभा सांसद गौरव गोगोई ने ट्रेन दुर्घटनाओं के लिए नैतिक जिम्मेदारी नहीं लेने के लिए वैष्णव पर कटाक्ष किया और उन्हें 'डिरेलमेंट मिनिस्टर' कहा। लोकसभा में अनुदान मांगों पर बहस का जवाब देते हुए वैष्णव ने यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कथित तौर पर पर्याप्त कदम नहीं उठाने के लिए पिछली यूपीए सरकार की आलोचना की। वैष्णव ने कहा, दुर्भाग्य से, कांग्रेस के 58 वर्षों के शासन के दौरान, 2014 तक भारतीय रेलवे पर एक किलोमीटर पर भी स्वचालित ट्रेन-सुरक्षा प्रणाली लागू नहीं की गई थी। मैं स्वीकार करता हूं कि कई प्रयोग किए गए थे, लेकिन इसे सफल बनाने के लिए कोई केंद्रित दृष्टिकोण नहीं था। वैष्णव ने कहा कि कवच 4.0 को इस साल 17 जुलाई को अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन द्वारा प्रमाणन प्राप्त हुआ और सिस्टम के तीन निर्माताओं ने अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ा दी है। वैष्णव ने कहा, दो नए निर्माता भी इसमें शामिल हो रहे हैं, 8,000 से अधिक इंजीनियरों और तकनीशियनों को प्रशिक्षित किया गया है, छह विश्वविद्यालयों ने अपने पाठ्यक्रम में सुरक्षा प्रणाली कवच को शामिल किया है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि...

उच्चतम न्यायालय में एक कैविएट भी दाखिल करेंगे। वाद की पोषणीयता को लेकर मुस्लिम पक्ष ने आपत्ति की थी कि यह वाद समय सीमा से बाधित है क्योंकि उनके पक्ष ने 12 अक्टूबर, 1968 को एक समझौता किया था और इस समझौते की पुष्टि 1974 में दिए गए एक दीवानी मुकदमे के निर्णय में की गई है। मुस्लिम पक्ष ने कहा था कि एक समझौते को चुनौती देने की समय सीमा तीन वर्ष है, लेकिन यह वाद 2020 में दायर किया गया था इसलिए मौजूदा वाद समय सीमा बाधित है। मुकदमों की पोषणीयता के संबंध में मुस्लिम पक्ष द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति जैन ने छह जून को निर्णय सुरक्षित रख लिया था। मुकदमे शाही ईदगाह मस्जिद के ढांचे को हटाकर कब्जा दिलाने और मंदिर का पुनर्निर्माण कराने की मांग के साथ दायर किए गए हैं।

सरकार सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध

आरक्षित श्रेणी के रिक्त पदों को भरा जाएगाः प्रधान

भाषा। नई दिल्ली

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार सामाजिक न्याय को लेकर प्रतिबद्ध है और शिक्षण संस्थानों में आरक्षित श्रेणी के लिए रिक्त सभी पदों को भरा जाएगा। उन्होंने वर्ष 2024-25 के लिए शिक्षा मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदानों की मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए यह भी कहा कि सरकार की नजर में भारत की हर भाषा राष्ट्रीय भाषा है। उनके जवाब के बाद अनुदानों की मांगों को सदन ने सभी कटौती प्रस्तावों को अस्वीकृत करते हुए ध्वनिमत से मंजूरी प्रदान की। प्रधान ने कहा, 34 साल के बाद नई शिक्षा नीति सामने आई। इसमें कई सारी खूबियां हैं। यह भारत के नवनिर्माण, नागरिकों का भाईचारा बढ़ाने और सभी समस्याओं के समाधान के लिए दार्शनिक तत्व है। उन्होंने कहा, नई शिक्षा नीति केवल नीतिगत दस्तावेज नहीं है, बल्कि विश्व की सारी समस्याओं में भारतीय नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करती है। उन्होंने कहा, युवाओं की जनसंख्या इन दिनों सबसे ज्यादा है जब देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन हो रहा है। मंत्री ने जीडीपी का छह प्रतिशत शिक्षा बजट पर खर्च करने की कोठारी आयोग की सिफारिश का जिक्र करते हुए कहा, 2013-14 में जीडीपी का 3.84 प्रतिशत शिक्षा पर खर्च होता था, 2020-21 में यह 4.64 प्रतिशत था। हम छह प्रतिशत की तरफ पहुंचेंगे, हमें विश्वास है। उन्होंने कहा कि 2013-14 में शिक्षा पर केंद्र एवं राज्यों का कुल खर्च 4.3 लाख करोड़ रुपए का था, जो अब नौ लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। प्रधान के अनुसार, 2014 में देश में विश्वविद्यालयों की संख्या 760 थी जो अब बढ़कर 1168 हो गई है। उन्होंने कहा कि आईआईटी, एनआईटी और आईआईएम जैसे संस्थानों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार सबका साथ, सबका विकास की बात करती है तो उसे अमल में भी लाती है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में लड़कियों के दाखिले में दुनिया में सबसे अधिक वृद्धि भारत में हुई है। प्रधान का कहना था कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्गों की बच्चियों की संख्या उच्च शिक्षा में बढ़ी है। उनके मुताबिक, शिक्षा को डिग्री आधारित एवं कौशल आधारित शिक्षा की तरफ ले जाना पड़ेगा तथा आधुनिक कौशल देना पड़ेगा। प्रधान ने कहा, नवाचार भारत के बच्चों के डीएनए में है। उनका कहना था कि शिक्षा को भविष्योन्मुखी बनाना है और उसी तरह उसे जड़ों एवं परंपराओं से जोड़कर रखना होगा।

उन्होंने विभिन्न भाषाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की सभी भाषा राष्ट्रीय भाषा हैं। प्रधान के अनुसार, नई शिक्षा नीति में इस बात पर जोर दिया गया है कि अगर बच्चा अपनी मातृभाषा में पढ़ेगा तो रचनात्मक सोच की शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि यह सरकार सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है तथा शिक्षण संस्थान में आरक्षित श्रेणी के रिक्त पदों को भरा जाएगा। शिक्षा मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार में ही नीट-यूजी में ओबीसी आरक्षण को लागू किया गया। उन्होंने कहा कि 2025-26 से बोर्ड परीक्षाओं को दो बार कराया जाएगा।

भाजपा सांसद ने अलीगढ़ मुस्लिम विवि में एससी, एसटी आरक्षण की मांग दोहराई

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के सांसद सतीश गौतम ने बृहस्पतिवार को सरकार से अपनी यह मांग दोहराई कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों को आरक्षण मिलना चाहिए। गौतम ने लोकसभा में शिक्षा मंत्रालय की अनुदान मांगों पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि देश में सबसे पहले स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शामिल काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) के छात्रों को आरक्षण का लाभ मिलता है, लेकिन अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) में नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार के समय एक शिक्षा मंत्री ने एएमयू को अल्पसंख्यक दर्जा देने का पत्र जारी कर दिया। गौतम ने कहा कि एएमयू जब केंद्र सरकार द्वारा संचालित संस्थान है तो यह अल्पसंख्यक संस्थान नहीं हो सकता। भाजपा सांसद ने कहा, एक तरफ कांग्रेस एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण की बात करती है तो दूसरी तरफ उनके एक शिक्षा मंत्री ने एएमयू में यह आरक्षण समाप्त कर दिया। उन्होंने मांग की कि एएमयू में इन वर्गों के छात्रों को अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालयों की तरह आरक्षण मिलना चाहिए। वह पहले भी कई मौकों पर एएमयू का अल्पसंख्यक दर्जा समाप्त करने और संस्थान में एससी, एसटी, ओबीसी आरक्षण बहाल करने की मांग उठा चुके हैं।

रेहड़ी-पटरी कानून का ठीक से नहीं हो रहा पालनः माकन

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद ने संसद में उठाई समस्या

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राज्यसभा सांसद अजय माकन ने बृहस्पतिवार को संसद में रेहड़ी पटरी की समस्याओं उठाते हुए कहा कि रेहड़ी पटरी आजीविका संरक्षण कानून का सही तौर पर पालन नहीं हो रहा है। माकन ने कहा, टाउन वेंडिंग कमेटी की रेगुलर मीटिंग नहीं हो रही है और सेंट्रल गवर्नमेंट इसको मॉनिटर करने में दिलचस्पी नहीं दिखा रही है। स्टेट के मंत्रियों को बुलाकर इस पर चर्चा करनी चाहिए।

राज्यसभा में कांग्रेसी नेता अजय माकन ने कहा कि रेहड़ी पटरी आजीविका संरक्षण कानून मेरे द्वारा बनाया गया था और मैंने इसे कैबिनेट से पास कराया। इसे आज पूरे देश में लागू किया जा रहा है। दुख की बात यह है कि एक तरफ प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत पैसे रेहड़ी पटरी वालों को दिए जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उन्हीं को उजाड़ा जा रहा है, जिन्होंने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत पैसे प्राप्त किए हैं। और इससे भी अधिक दुख की बात यह है कि मेरे पास में यह पूरी लिस्ट है, जिसमें प्रधानमंत्री के लोकसभा क्षेत्र भी शामिल है। इसमें रामनगर, शीतला घाट, लंका, सारनाथ, भिखारीपुर पांच बाजार है जहां प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत पैसे मिले हैं, लेकिन अब इन्हें हटाया जा रहा है। रेहड़ी पटरी आजीविका संरक्षण कानून के धारा तीन उप धारा तीन कहता है कि किसी को हटाया नहीं जा सकता जबतक उसे सर्टिफिकेट ऑफ वेंडिंग न मिल जाए। उसके बाद वहां से क्रय-विक्रय करने का अधिकार उसे मिल जाता है। अब जब सर्टिफिकेट मिल गया है तब उन्हें क्यों हटाया जा रहा है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी के दक्षिण पुरी, पानी की टंकी, पीपल चौक, विराट चौक, पुष्प विहार, मदनगीर वो इलाके हैं, जहां प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत लोगों को लोन मिल गया और सर्टिफिकेट ऑफ वेंडिंग मिल गई। लेकिन बावजूद इसके, उन्हें वहां से हटाया जा रहा है। दिल्ली में डाबरी रोड मार्केट, मंगलापुरी मार्केट, करोलबाग, अजमल खान रोड - इन सब जगहों से भी हटाया जा रहा है।

इस सूची में कोलकाता के अंदर बर्टरम स्ट्रीट, बेहाला, टेक्नोपोलिस, सेक्टर तीन, न्यू टाउन, सॉल्ट लेक और भोपाल का मिसरोद क्षेत्र, बरखेड़ा पठानी बाजार भी शामिल है। इसके अलावा उत्तराखंड रुद्रपुर के अंदर गांधी पार्क, रोड बस अड्डे, डी.डी चौक, समोसा मार्केट, देहरादून का निरंजनपुर मंडी, क्लाइमेट टाउन, भंडारी बाग भी शामि है। लोगों का कहना है कि हमें पैसे नहीं चाहिए, हमें सुरक्षा चाहिए। सुरक्षा जो हमारे कानून ने दिया है, वह रेहड़ी पटरी वालों को मिलनी चाहिए। पुलिस, लोकल बॉडी, और अन्य एजेंसियों द्वारा उनसे पैसे लिए जाते हैं।

कुमारस्वामी कल कर्नाटक सरकार के खिलाफ पदयात्रा में शामिल होंगेः भाजपा

नई दिल्ली। (भाषा) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सहयोगी दल जनता दल (सेक्युलर) को कर्नाटक में कथित एमयूडीए घोटाले के खिलाफ अपनी पदयात्रा में शामिल होने के लिए मना लिया और कहा कि जद(एस) नेता व केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी तीन अगस्त को बेंगलुरु से शुरू होने वाली पदयात्रा का हिस्सा होंगे। यह घटनाक्रम बुधवार को जद (एस) द्वारा मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की पत्नी सहित अन्य को भूखंड आवंटित करने में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रस्तावित पदयात्रा से पीछे हटने के एक दिन बाद हुआ है। भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजएंद्र, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और राज्य में पार्टी मामलों के प्रभारी भाजपा महासचिव राधा मोहन दास अग्रवाल ने पत्रकारों से बातचीत में कुमारस्वामी के यात्रा से बाहर रहने की पूर्व घोषणा को ज्यादा तवज्जो नहीं दी। कुमारस्वामी ने भाजपा नेता प्रीतम गौड़ा का नाम पदयात्रा के मुख्य आयोजक के रूप में लिए जाने पर नाराजगी व्यक्त की थी। प्रीतम ने कुमारस्वामी के भतीजे प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े कथित सेक्स स्कैंडल को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सूत्रों ने बताया कि भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने कुमारस्वामी से मुलाकात कर उन्हें यात्रा में शामिल होने के लिए मनाया। अग्रवाल ने राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की एकजुटता को रेखांकित करते हुए कहा कि भाजपा और जद(एस) दोनों दल तीन अगस्त से 10 अगस्त तक बेंगलुरु से मैसूर तक पदयात्रा का आयोजन कर रहे हैं ताकि एमयूडीए द्वारा भूखंडों के कथित धोखाधड़ी वाले आवंटन का विरोध किया जा सके। प्रीतम की मौजूदगी को लेकर कुमारस्वामी की नाराजगी के बारे में पूछे जाने पर अग्रवाल ने कहा कि यह यात्रा पार्टी के संगठन का कार्यक्रम है और इसमें किसी व्यक्ति को आमंत्रित नहीं किया जाता। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के तौर पर विजएंद्र और राज्य में अपनी पार्टी के चेहरे के तौर पर कुमारस्वामी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि कुमारस्वामी इस यात्रा का अहम हिस्सा हैं और तीन अगस्त को वहां होंगे। अग्रवाल ने बसंगौड़ा पाटिल यतनाल समेत भाजपा के असंतुष्ट नेताओं के दावों को खारिज करते हुए कहा कि भाजपा जैसी बड़ी पार्टी में अलग-अलग विचार हो सकते हैं। यतनाल ने आरोप लगाया है कि सिद्धरमैया को हटाने के लिए विजएंद्र कांग्रेस नेता और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के साथ मिले हुए हैं। अग्रवाल ने कहा कि पदयात्रा कांग्रेस नीत सरकार के कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ लोगों के गुस्से को आवाज देगी।

एएफएचक्यू नागरिक सेवा सशस्त्र बलों, सरकार के बीच महत्वपूर्ण कड़ी का काम कर सकती है

नई दिल्ली। (भाषा) रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि सशस्त्र बल मुख्यालय (एएफएचक्यू) नागरिक सेवा सशस्त्र बलों और सरकार को जोड़ने में एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम कर सकती है। उन्होंने कहा कि इस सेवा को मजबूत करने की जरूरत है। सशस्त्र बल मुख्यालय (एएफएचक्यू) दिवस पर अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने नागरिक सेवाओं को शासन का स्टील फ्रेम भी करार दिया। एएफएचक्यू दिवस हर साल एक अगस्त को उन कर्मियों की भूमिका को मान्यता देने के लिए मनाया जाता है जो मुख्य रूप से तीन एकीकृत सेना मुख्यालयों, एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय और रक्षा मंत्रालय के 24 अंतर-सेवा संगठनों में सैन्य कर्मियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हैं। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इसका उद्देश्य एएफएचक्यू कैडरों के उन नागरिक कर्मचारियों की समूह भावना को बढ़ावा देना है, जो शांति एवं युद्ध, दोनों काल के दौरान सेना मुख्यालय और रक्षा मंत्रालय के बीच एक पुल की भूमिका निभाते हैं। रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में यह भी आग्रह किया कि जो लोग शालीनता और विनम्रता के साथ काम करते हैं, वे जीवन में आगे बढ़ते हैं। उन्होंने आगाह किया कि किसी को अहंकार नहीं रखना चाहिए तथा अन्य लोगों से भी विचार लेने के लिए तैयार रहना चाहिए तथा एक टीम के रूप में काम करना चाहिए। उन्होंने कहा, देश की प्रशासनिक व्यवस्था में नागरिक सेवाओं की भूमिका को देखते हुए अगर नागरिक सेवाओं को प्रशासनिक व्यवस्था का स्टील फ्रेम कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। अगर

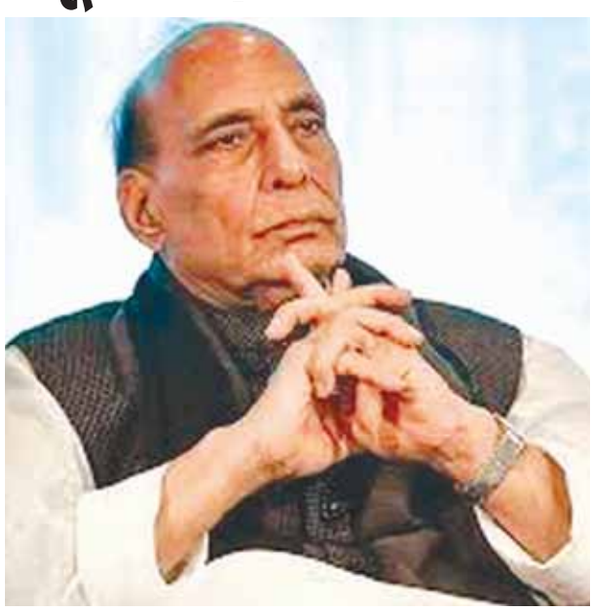

नागरिक सेवाएं स्टील फ्रेम हैं तो इसका फायदा रक्षा मंत्रालय को एएफएचक्यू सिविल सेवा के रूप में मिलता है। उन्होंने कहा, आप सशस्त्र बलों और सरकार के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। बेहतर दक्षता के लिए अपनी क्षमताओं को और अधिक मजबूत करने की जरूरत है।

नई दिल्ली में 83वें एएफएचक्यू नागरिक सेवा दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, कमान मुख्यालय और सेवा मुख्यालय से लेकर रक्षा मंत्रालय तक, सशस्त्र बलों और सिविल सेवाओं को एक साथ मिलकर काम करने की जरूरत है, जो आप कर रहे हैं। उन्होंने एएफएचक्यू नागरिक सेवाओं के कर्मियों से आह्वान किया कि वे आज के तेजी से बदलते समय में कुशल नीति निर्माण और कार्यान्वयन तथा रक्षा मंत्रालय में किए जा रहे सुधारों के क्रियान्वयन के लिए अपने कौशल को बढ़ाते रहें। इस अवसर पर रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठीअ वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी.आर. चौधरी, सचिव (पूर्व सैनिक कल्याण) डॉ. नितेन चंद्रा, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत और रक्षा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ असैन्य व सैन्य अधिकारी उपस्थित थे। एएफएचक्यू कैडर की नींव एक अगस्त, 1942 को मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के नियंत्रण में रक्षा मंत्रालय एवं वित्त (रक्षा) के विभिन्न सेवा मुख्यालयों व सचिवालय के तहत अलग-अलग संस्थाओं के रूप में तत्कालीन समय में विकेन्द्रीकृत नागरिक पदोंकैडर संचालन को व्यवस्थित करके रखी गई थी।

सीमा पर बीएसएफ ने नाकाम की घुसपैठ की कोशिश-घुसपैठिया ढेर

सांबाजम्मू। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को ढेर कर दिया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि जो कोई भी नापाक इरादे से भारत की धरती पर कदम रखेगा उसका यही हश्र होगा। अधिकारियों ने बताया कि 45 वर्षीय गैरहथियारबंद घुसपैठिया बुधवार देर रात पाकिस्तान की तुगलियालपुर चौकी से इस ओर घुस आया था और उसे मंगूचक क्षेत्र में खोरा चौकी के पास मार गिराया गया। बीएसएफ के जम्मू फ्रंटियर के महानिरीक्षक डी के बूरा ने घटनास्थल के पास संवाददाताओं को बताया, रात करीब 10.15 बजे अग्रिम ड्यूटी बिंदू (सीमा सुरक्षा बल की) से पाकिस्तान से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर रहे एक व्यक्ति की गतिविधि देखी गई। उसकी गतिविधि पर नजर रखी गई और जब वह इस तरफ घुसा तो उसे चुनौती दी गई। भारी बारिश के बावजूद बूरा ने बीएसएफ के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों के साथ सुबह क्षेत्र का दौरा किया और सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। बूरा ने कहा, घुसपैठिए ने भागने की कोशिश की लेकिन सतर्क कर्मियों ने गोली चलाकर उसे ढेर कर दिया। इलाके की तलाशी अब भी जारी है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि घुसपैठिए को जानबूझकर और सुरक्षा में किसी प्रकार की खामी का पता लगाने के लिए भेजा गया था जिसका लाभ उठाकर बाद में सशस्त्र आतंकवादियों को भेजा जा सके।

13 लाख से अधिक भारतीय छात्र विदेश में उच्च अध्ययन कर रहे हैं

नई दिल्ली। सरकार ने बृहस्पतिवार को संसद को बताया कि 13 लाख से अधिक भारतीय छात्र वर्तमान में विदेश में उच्च अध्ययन कर रहे हैं। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा में यह जानकारी साझा की। उनसे पूछा गया था कि क्या सरकार अध्ययन के लिए विदेश जाने वाले प्रवासी छात्रों के आंकड़े रखती है। अपने जवाब में सिंह ने अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, फ्रांस, सिंगापुर, रूस, इजरायल और यूक्रेन सहित 108 देशों में पढ़ रहे भारतीय छात्रों का देशवार विवरण साझा किया।साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, अभी 13,35,878 भारतीय छात्र विदेश में उच्च अध्ययन कर रहे हैं।उनके अनुसार 2023 में यह आंकड़ा 13,18,955 था जबकि यह 2022 में 9,07,404 था।उन्होंने कहा, चालू वर्ष में 13,35,878 भारतीय छात्रों में से 4,27,000 कनाडा में और 3,37,630 छात्र अमेरिका में, 8580 चीन में, आठ यूनान में, 900 इजराइल में, 14 पाकिस्तान में और 2510 यूक्रेन में पढ़ रहे हैं। एक अन्य सवाल के जवाब में सिंह ने कहा कि भारत सरकार लगातार ऐसे देशों की संख्या बढ़ाने के प्रयास कर रही है जो दुनिया भर में यात्रा को आसान बनाने के लिए भारतीयों को वीजा मुक्त प्रवेश यात्रा, पहुंचने पर वीजा जैसी सुविधाएं प्रदान कर सकते हैं।

झारखंड के लातेहार में करंट लगने से पांच कांवड़ियों की मौत

लातेहार (झारखंड)। झारखंड के लातेहार जिले में कांवड़ियों के वाहन के उच्च वोल्टेज वाले तार के संपर्क में आने से बृहस्पतिवार तड़के दो नाबालिग सहित पांच कावंड़ियों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह हादसा बालूमाथ थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले तम तम टोला में तड़के करीब तीन बजे हुआ। घटना में तीन लोग झुलस भी गए। कांवड़िए देवघर के बाबा बैद्यनाथ मंदिर से लौट रहे थे तभी उनका वाहन बिजली के खंभे से टकरा गया। बालूमाथ के उप-मंडल पुलिस अधिकारी आशुतोष कुमार सत्यम ने पीटीआई-भाषा को बताया, उच्च वोल्टेज वाला तार उनके वाहन पर गिर गया, जिससे पांच लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य झुलस गए। बाद में, एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना में पांच लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में से चार की पहचान रंगीली कुमारी (12), अंजलि कुमारी (15), दिलीप उरांव (29) और सबिता देवी (30) के रूप में की गई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हादसे में पांच कांवड़ियों की मौत पर शोक व्यक्त किया। सोरेन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, लातेहार के बालूमाथ में हादसे में पांच कांवड़ियों की मृत्यु की खबर से मन आहत है। परमात्मा दिवगंत लोगों की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिजनों को दुख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दे। हादसे में घायल लोगों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

कांग्रेस ने मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए एएमयू और जामिया में एससी-एसटी आरक्षण समाप्त किया था

नई दिल्ली। (भाषा) शिक्षा क्षेत्र में आरक्षण के मुद्दों को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद संबित पात्रा ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि मुख्य विपक्षी दल ने मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय और जामिया मिल्लिया इस्लामिया से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का आरक्षण समाप्त किया था। लोकसभा में शिक्षा मंत्रालय की अनुदान मांगों पर चर्चा में भाग लेते हुए पात्रा ने कहा कि कांग्रेस के लोग आरक्षण पर आंसू बहाते हैं, लेकिन वे जवाब दें कि क्या यह सच नहीं है कि केंद्र द्वारा वित्तपोषित एएमयू और जामिया संस्थानों में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए प्रदत्त आरक्षण को समाप्त कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया, कांग्रेस ने मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए 1981 में एएमयू में एससी और एसटी के आरक्षण को समाप्त कर दिया। कांग्रेस ने 2011 में जामिया मिल्लिया इस्लामिया में एससी और एसटी आरक्षण समाप्त कर दिया। पात्रा ने पेपर लीक को लेकर विपक्षी सदस्यों के आरोपों पर कहा, पेपर लीक पर आरोप लगाने से पहले वे अपने गिरेबान में झांकें जो पाप ही पाप से भरा पड़ा है। उन्होंने 2006 से लेकर 2014 तक केंद्र की पूर्ववर्ती संप्रग सरकार में पिछले कुछ साल में विभिन्न कांग्रेस शासित राज्यों में प्रश्नपत्र लीक के अनेक उदाहरण गिनाए। भाजपा सांसद ने कहा, इस सरकार ने गत फरवरी में पेपर लीक को रोकने के लिए एक विधेयक सदन में रखा है। इसमें दस साल तक की जेल का और एक करोड़ रुपए के जुर्माने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि इस बार के केंद्रीय बजट में शिक्षा, कौशल और उद्यमिता तथा रोजगार विषयों पर बहुत जोर दिया गया है। पात्रा ने आरोप लगाया कि विपक्ष 34 वर्ष तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लेकर चुप्पी साधे रहा और 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार बनने के बाद भाजपा के घोषणापत्र में किए गए एनईपी के वादे को पूरा किया गया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में मातृभाषा के प्रति सम्मान और शिक्षा को लेकर समग्रता की सोच है। पात्रा ने कहा कि मोदी सरकार में प्राथमिक शिक्षा में विद्यार्थियों के पंजीकरण में 3 प्रतिशत से अधिक वृद्धि, शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात में 9 प्रतिशत की वृद्धि, दिव्यांग बच्चों के लिए सुविधाओं वाले स्कूलों में 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र ओडिशा के पुरी में शांतिनिकेतन जैसे विश्वस्तरीय केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग की। चर्चा में भाग लेते हुए लोक जनशक्ति (राम विलास) के राजेश वर्मा ने कहा कि बजट के माध्यम से सरकार ने शिक्षा व्यवस्था को मजबूती देने का प्रयास किया है। उन्होंने केंद्रीय विश्वविद्यालयों के अनुदान के लिए आवंटन में 4000 करोड़ रुपए से अधिक की वृद्धि का उल्लेख किया। तेलुगु देशम पार्टी के श्रीभरत मतुकुमिल्ली ने नई शिक्षा नीति की सराहना करते हुए इसे देश के सतत विकास में सहायक करार दिया। उन्होंने आंध्र प्रदेश में स्थित विभिन्न केंद्रीय शिक्षण संस्थानों के लिए पर्याप्त सहयोग दिए जाने को लेकर सरकार की सराहना की तथा सहयोग जारी रखने का आग्रह किया। जनता दल यूनाइटेड के सुनील कुमार ने भी नई शिक्षा नीति को सरकार का एक बेहतरीन कदम बताया और कहा कि इससे बच्चे बस्ते के बोझ से उबर सकेंगे।

बीजद छोड़ने के एक दिन बाद ममता मोहंता भाजपा में शामिल

नई दिल्ली। (भाषा) बीजू जनता दल (बीजद) की पूर्व नेता ममता मोहंता राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने और नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली पार्टी छोड़ने के एक दिन बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गईं। मोहंता यहां भाजपा मुख्यालय में राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह और ओडिशा प्रभारी विजय पाल सिंह समेत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुईं। इस अवसर पर ओडिशा के कुछ भाजपा सांसद भी मौजूद थे। मोहंता का पार्टी में स्वागत करते हुए भाजपा के ओडिशा प्रभारी विजय पाल सिंह ने कहा कि उनके शामिल होने से पार्टी को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि वह भारत को एक विकसित देश और ओडिशा को एक विकसित राज्य बनाने के लिए पार्टी के संकल्प पत्र के क्रियान्वयन में योगदान देंगी। विजय पाल सिंह ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा, वह (ओडिशा में) आदिवासी क्षेत्र से आती हैं। उनके पार्टी में शामिल होने से भाजपा को निश्चित रूप से मजबूती मिलेगी। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने भी मोहंता का स्वागत किया और कहा कि वह भाजपा की विचारधारा को अपनाते हुए पार्टी में शामिल हुई हैं। अरुण सिंह ने संवाददाताओं से कहा, उन्होंने मयूरभंज और ओडिशा के कई अन्य हिस्सों में महिला सशक्तिकरण के लिए बहुत काम किया है।

आधा मानसून गुजर गया, 25 प्रतिशत क्षेत्रों में वर्षा की कमी

नई दिल्ली। मॉनसून का मौसम करीब आधा बीत चुका है और भारत के मौसम संबंधी 36 उपखंडों में से 25 प्रतिशत में कम बारिश दर्ज की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में देश में सामान्य यानी 280.5 मिमी से नौ प्रतिशत अधिक बारिश हुई जो 306.6 मिमी है। एक जून से 445.8 मिमी की सामान्य बारिश के मुकाबले 453.8 मिमी वर्षा हुई, जो दो प्रतिशत अधिक है। जुलाई में बारिश असमान रही। पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों और पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में बारिश में काफी कमी दर्ज की गई। हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में बारिश में कमी 35 प्रतिशत से 45 प्रतिशत तक रही। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, 13 उपखंडों में औसत से अधिक बारिश, 14 में सामान्य और नौ में कम बारिश दर्ज की गई। पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में वर्षा की कमी 30 जून को 13.3 प्रतिशत से बढ़कर 31 जुलाई को 19 प्रतिशत हो गई, तथा इस क्षेत्र में मानसून सीजन में अब तक 752.5 मिमी की सामान्य वर्षा के मुकाबले 610.2 मिमी वर्षा हुई।

भारत एक जिम्मेदार भूमिका निभाना चाहता है : बाइडन प्रशासन

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने भारत को एक महान शक्ति बताते हुए सांसदों से कहा कि नई दिल्ली विश्व स्तर पर एक जिम्मेदार भूमिका निभाना चाहती है। उप विदेश मंत्री कर्ट कैम्पबेल ने मंगलवार को हिंद-प्रशांत से परे अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा पर एक सुनवाई के दौरान ए टिप्पणियां कीं। उन्होंने उन खबरों के बीच ए टिप्पणियां की है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यूक्रेन पर रूस के युद्ध को खत्म करवाने के नवीन वैश्विक प्रयासों की पृष्ठभूमि में इस महीने कीव की यात्रा कर सकते हैं। कैम्पबेल ने सीनेट की विदेश संबंध समिति के सदस्यों से कहा, यह ध्यान रखना होगा कि भारत भी एक महान शक्ति है। उसका अपना दृष्टिकोण तथा अपने हित हैं। वे कभी अमेरिका के औपचारिक सहयोगी या साझेदार नहीं होंगे। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वैश्विक मंच पर सहयोगी देशों के रूप में हमारे रिश्ते मजबूत नहीं हो सकते। वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से एक द्विपक्षीय बैठक के लिए प्रधानमंत्री मोदी की हाल की मॉस्को यात्रा के बारे में सीनेटर जेम्स रिच के एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा, आपने रूस के संबंध में जो भी प्रभावी ढंग से कहा है, मैं उसमें सीधे तौर पर कुछ और नहीं कहने जा रहा हूं। मुझे लगता है कि हम यूक्रेन से भारत के और प्रत्यक्ष तौर पर बातचीत करने की खबरें सुन सकते हैं। मैं उसके लिए आभारी हूं। मुझे लगता है कि भारत विश्व स्तर पर जिम्मेदार भूमिका निभाना चाहता है।

भारत ने क्षेत्र में तनाव के मद्देनजर अपने नागरिकों को लेबनान छोड़ने का सख्त परामर्श जारी किया

दुबई। लेबनान की राजधानी बेरूत स्थित भारतीय दूतावास ने बृहस्पतिवार को भारतीय नागरिकों को अगले आदेश तक इस पश्चिमी एशियाई देश की यात्रा न करने तथा इजराइल और चरमपंथी समूह हिजबुल्ला के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर देश छोड़ने को लेकर सख्त परामर्श जारी किया है। पिछले वर्ष आठ अक्टूबर से इजराइल-लेबनान सीमा पर इजराइली सैनिकों और हिज़बुल्ला के बीच संघर्ष हो रहा है। इजराइल ने मंगलवार को दक्षिणी बेरूत में हिजबुल्ला के शीर्ष सैन्य कमांडर फौद शुकूर को निशाना बनाया। बाद में, इजराइल ने पुष्टि की कि उसने शुकूर को मार गिराया है। इजराइल का दावा है कि उसके कब्जे वाले गोलान हाइट्स क्षेत्र में सप्ताहांत रॉकेट से किए गए हमले में शुकूर का हाथ था जिसमें 12 युवक मारे गए थे। बेरूत स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक परामर्श में कहा, क्षेत्र में हाल के घटनाक्रम और संभावित खतरों के मद्देनजर, भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक लेबनान की यात्रा न करने की सख्त सलाह दी जाती है। इसमें कहा गया, सभी भारतीय नागरिकों को लेबनान छोड़ने का कड़ा परामर्श दिया जाता है। भारतीय दूतावास ने एक्स पर जारी परामर्श में कहा, जो लोग किसी भी कारण से यहां रहते है, उन्हें सावधानी बरतने, अपनी गतिविधियों को सीमित रखने तथा बेरूत स्थित भारतीय दूतावास से अपने ईमेल या आपातकालीन फोन नंबर 96176860128 के माध्यम से संपर्क में रहने की सलाह दी जाती है। दूतावास ने यह परामर्श बुधवार को ईरान में हमास नेता इस्माइल हनिया के मारे जाने और इससे कुछ घंटे पहले बेरूत में इजराइल द्वारा शुकूर को मार गिराए जाने के बाद जारी किया। इन दोनो घटनाओ से पश्चिम एशिया मे स्थिति और खतरनाक हो गई है।

ट्रंप ने हैरिस की पहचान पर सवाल उठाया : वह अश्वेत हैं या भारतीय?

भाषा। वाशिंगटन

रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने कमला हैरिस के खिलाफ नस्लीय टिप्पणी करते हुए उनसे पूछा कि वह भारतीय हैं या अश्वेत। इस पर डेमोक्रेटिक पार्टी की उनकी प्रतिद्वंद्वी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और पूर्व राष्ट्रपति की टिप्पणी को विभाजनकारी और अनादर का वही पुराना राग अलापना बताया। ट्रंप (78) ने झूठा दावा किया कि उपराष्ट्रपति हैरिस ने केवल अपनी एशियाई-अमेरिकी विरासत पर ही जोर दिया है जबकि उन्होंने दावा किया कि वह एक अश्वेत हैं। ट्रंप ने बुधवार को शिकागो में नेशनल एसोसिएशन ऑफ ब्लैक जर्नलिस्ट्स सम्मेलन में कहा, मैं उन्हें लंबे समय से अप्रत्यक्ष रूप से जानता हूं। वह हमेशा से भारतीय मूल की बताती थीं और केवल भारतीय मूल को बढ़ावा दे रही थीं। कई साल पहले तक मुझे नहीं पता था कि वह अश्वेत हैं, अब वह अश्वेत के रूप में पहचान बनाना चाहती हैं। उन्होंने कहा, तो मुझे नहीं पता वह भारतीय हैं या वह अश्वेत हैं? हैरिस की मां मूल रूप से भारत की हैं और उनके पिता जमैका से हैं।

दक्षिण एशियाई अमेरिकी राज्यों के निर्वाचित नेताओं, स्थानीय नेताओं ने कमला हैरिस का समर्थन किया

न्यूयॉर्क। दक्षिण एशियाई अमेरिकी राज्यों के निर्वाचित नेताओं तथा स्थानीय नेताओं ने अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस की उम्मीदवारी का समर्थन किया। नेताओं ने राष्ट्रपति पद के लिए हैरिस के नाम का समर्थन करते हुए कहा कि एक प्रवासी भारतीय महिला की बेटी होने के नाते वह निष्पक्ष और अधिक समावेशी आव्रजन प्रणाली तैयार करेंगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका में पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में उपराष्ट्रपति हैरिस की जीत सभी एशियाई अमेरिकियों, अश्वेत समुदायों और महिलाओं को एक शक्तिशाली संदेश देगी। इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट फंड द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, दक्षिण एशियाई निर्वाचित नेताओं के तौर पर हम अमेरिका की पहली दक्षिण एशियाई अमेरिकी महिला राष्ट्रपति बनने की ऐतिहासिक कोशिश में कमला हैरिस का गर्व से समर्थन करते है।

ग्लेशियर और बर्फ की चादरें पिघलने से उभरे नए पारिस्थितिक तंत्र

मेलबर्न,। अगस्त (द कन्वरसेशन) जैसे-जैसे वैश्विक तापमान साल-दर-साल बढ़ रहा है, दुनिया के ग्लेशियर पीछे हट रहे हैं। बर्फ की ए नदियाँ और यहां तक कि ग्रीनलैंड और अंटार्कटिक को ढकने वाली बड़ी बर्फ की चादरें पिघल रही हैं - और पिघलने की गति तेज हो रही है। केवल कुछ ही प्रजातियाँ होती है जो ग्लेशियरों और बर्फ की चादरों में रह सकती है, बर्फ के कीड़ों से लेकर बर्फ के पिस्सू और बर्फ के शैवाल तक। जब बर्फ पिघलती है तो इन प्रजातियों को उसके साथ पीछे हटना पड़ता है।लेकिन उन क्षेत्रों का क्या होता है जो ग्लेशियर पीछे छोड़ जाते है? क्या जीवन आगे बढ़ता है? शोधकर्ताओं की हमारी अंतरराष्ट्रीय टीम ने पिछला दशक इस बात की जांच में बिताया है कि जब ग्लेशियर पर्वत श्रृंखलाओं की ओर पीछे हटते है तो नई खुली जमीन का क्या होता है। हमने ट्रैक किया कि 46 पीछे हटने वाले ग्लेशियरों पर क्या हो रहा है: हिमालय से लेकर एंडीज़ तक, स्वालबार्ड के आर्कटिक द्वीपसमूह से लेकर दक्षिण में न्यूजीलैंड तक, और यहां तक कि मैक्सिको में उष्णकटिबंधीय ग्लेशियरों तक।

अमेजन नवचार पर ध्यान देगा

ग्लोबल। अमेजन प्राइम अब उसी दिन 10 लाख से अधिक और अगले दिन 40 लाख से अधिक उत्पादों की डिलीवरी करता है, जबकि अधिक सतत डिलीवरी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत कर रहा है। अमेजन इंडिया भारत भर में ग्राहकों को तेज विश्वसनीय और सुविधाजनक डिलीवरी विकल्प प्रदान करने के लिए नवाचार करता रहता है। 2014 में भारत में अगले दिन डिलीवरी का अग्रणी बनने से लेकर 2017 में प्राइम मेंबर्स के लिए उसी,दिन डिलीवरी की शुरुआत तक हमने सबसे बड़ी उत्पाद श्रृंखला के लिए तेज और विश्वसनीय डिलीवरी को प्राथमिकता देना जारी रखा है। ग्राहकों की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हमने उसी दिन और अगले दिन डिलीवरी के लिए उपलब्ध उत्पादों की श्रृंखला को मजबूत किया है। आजए प्राइम मेंबर्स को पर 10 लाख से अधिक उत्पादों पर मुफ्त, असीमित उसी दिन डिलीवरी और 40 लाख से अधिक उत्पादों पर अगले दिन डिलीवरी मिलती है। अमेजन प्राइम डिलीवरी अनुभवइंडिया के निदेशक और कंट्री हेड अक्षय साहि ने कहा कि हम अपने ग्राहकों के लिए सर्वोत्तम सुविधाओंए मूल्य और डिलीवरी विकल्पों के नए स्तर लाने के लिए लगातार नवाचार कर रहे हैं।

टोयोटा ने एमओयू पर दस्तखत किए

मुंबई। भारत के लिये अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता की पुनर्पुष्टि करते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने छत्रपति संभाजी नगर में एक ग्रीन फील्ड निर्माण सुविधा की स्थापना की संभावना का पता लगाने के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ एक एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए। महाराष्ट्र सरकार के साथ आज इस एमओयू का आदान-प्रदान डॉ. हर्षदीप कांबले (आईएएस), प्रधान सचिव (उद्योग), महाराष्ट्र सरकार और श्री सुदीप संतराम दलवी, निदेशक और मुख्य संचार अधिकारी, टीकेएम के बीच हुआ। इस मौके पर एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फडणवीस, अजीत पवार और अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। टीकेएम की ओर से टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के एमडी और सीईओ तथा टोयोटा मोटर कॉरपोरेशन (टीएमसी) में क्षेत्रीय सीईओ मसाकाजू योशिमुरा, टीकेएम की वाइस प्रेसिडेंट सुश्री मानसी टाटा, टीकेएम के उप प्रबंध निदेशक स्वप्नेश आर मारू उपस्थित थे।

प्लेटिनम की मांग दुनिया में बढ़ी

ढाका। दुनिया भर में प्लेटिनम की मांग बढी है। बारिश के मौसम में आपका स्टाईल बनाएगा प्लेटिनम इवारा का कलेक्शन। प्लेटिनम इवारा की सुंदर ज्वेलरी, शुद्ध प्लेटिनम से बनी है, जिसमें बारिश के हर दिन के लिए एक विशेष आकर्षण के साथ बेहतरीन लुक और ग्लैमर है।

हमास की सैन्य शाखा प्रमुख मोहम्मद जेफ भी मारा गया

मारे जाने की पुष्टि हो गई है: इजराइल

भाषा। यरूशलम

इजराइल की सेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस बात की पुष्टि हो गई है कि हमास की सैन्य शाखा का प्रमुख मोहम्मद ज़ेफ़ जुलाई में गाजा में हुए एक हवाई हमले में मारा जा चुका है। इजराइल ने 13 जुलाई को ज़ेफ़ को निशाना बनाते हुए गाजा के खान यूनिस शहर के बाहरी इलाकों में हमले किए थे, लेकिन ज़ेफ़ की मौत की तत्काल पुष्टि नहीं हो पाई थी। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने उस समय कहा था कि हमले में 90 से अधिक लोगों की मौत हुई है, जिनमें आसपास के तंबुओं में रह रहे विस्थापित लोग भी शामिल हैं। इजराइली सेना ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि खुफिया जानकारी के विश्लेषण के बाद इस बात की पुष्टि हो गई है कि मोहम्मद ज़ेफ़ हमले में मारा जा चुका है। वर्ष 1990 में हमास की सैन्य शाखा कस्साम ब्रिगेड की स्थापना के समय से इसके सदस्य रहे ज़ेफ़ ने दशकों तक इसका नेतृत्व किया। ज़ेफ़ के नेतृत्व में कस्साम ब्रिगेड ने इजराइल के खिलाफ दर्जनों आत्मघाती हमले किए।

ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने हमास नेता हनिएह के जनाजे के पास खड़े होकर नमाज-ए-जनाजा पढ़ी

बेरूत। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और उनके समर्थित फलस्तीनी मिलिशिया के प्रतिनिधियों ने बृहस्पतिवार को हमास नेता इस्माइल हनिएह और उनके अंगरक्षक के जनाजे के पास खड़े होकर नमाज-ए-जनाजा पढ़ी। हनिएह और उसका अंगरक्षक एक हवाई हमले में मारे गए थे जिसका आरोप इजराइल पर लगाया गया है। इस हमले से एक व्यापक क्षेत्रीय युद्ध का खतरा उत्पन्न हो गया है। खामेनेई ने तेहरान विश्वविद्यालय में हनिएह के जनाजे के पास खड़े होकर नमाज-ए-जनाजा पढ़ी, जबकि ईरान के नए राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान उनके बगल में खड़े थे। बाद में सरकारी टेलीविजन ने हनिएह और उनके अंगरक्षक के ताबूतों को एक ट्रक में रखकर तेहरान में आजादी चौक की ओर ले जाते हुए दिखाया और लोगों ने उन पर फूल बरसाए। तेहरान में नमाज-ए-जनाजा पढ़े जाने के बाद, हनिएह के शव को शुक्रवार को दफ़नाने के लिए कतर ले जाया जाएगा। हनिएह तेहरान में पेजेश्कियान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने आए थे। एसोसिएटेड प्रेस की तस्वीरों में हमास नेता को फलस्तीनी इस्लामिक जिहाद चरमपंथी समूह और हिजबुल्लाह के नेताओं के साथ बैठे हुए दिखाया गया था और ईरानी मीडिया ने हनिएह और पेजेश्कियान को गले मिलते हुए दिखाया था। हनिएह ने पहले खामेनेई से मुलाकात की थी।कुछ घंटो बाद, हनिएह हवाई हमले में मारा गया। इस हमले में हनिएह का तेहरान में स्थित आवास नष्ट हो गया। ईरानी अधिकारियों ने कहा कि हमले की जांच की जा रही है, लेकिन उन्होंने विस्तृत जानकारी नही दी।

चीन ने घायल चीनी नाविक को बचाने के लिए भारतीय नौसेना के प्रति हार्दिक आभार जताया

बीजिंग। चीन ने बृहस्पतिवार को मुंबई तट के पास समुद्र में एक मालवाहक जहाज से गंभीर रूप से घायल एक चीनी नाविक को बचाने और समय पर उसका उपचार कराने के लिए भारतीय नौसेना के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। भारतीय नौसेना के हेलीकॉप्टर ने 24 जुलाई को खराब मौसम के बीच मुंबई से करीब 370 किलोमीटर दूर समुद्र में गंभीर रूप से घायल 51 वर्षीय चीनी नाविक को बाहर निकाला और उसका उपचार कराया। इस नाविक का कथित रूप से बहुत अधिक रक्तस्राव हो चुका था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने यहां प्रेसवार्ता के दौरान एक सवाल के जवाब में कहा, भारतीय पक्ष तत्काल उसके बचाव के लिए आगे आया और उसने समय से उसका इलाज कराया। चीन में अब उसकी हालत ठीक है और उसकी तबीयत धीरे-धीरे सुधर रही है। लिन ने कहा, चीनी पक्ष भारतीय पक्ष के उनसभी विभागों एवं कर्मियों के प्रति हार्दिक आभार प्रकट करता है जिन्होंने मौके पर विपरीत परस्थितियों के बावजूद यह मानवीय अभियान चलाया। भारतीय नौसेना के हेलीकॉप्टर ने 24 जुलाई को तड़के पनामा के झंडे वाले जहाज झोंग शान मेन से गंभीर रूप से घायल चीनी नाविक को बाहर निकाला और उसे वायुसेना के एक अड्डे पर पहुंचाया।

अमेरिका-रूस ने सोवियत इतिहास के बाद गेर्शकोविच और व्हेलन के साथ बंदियों की सबसे बड़ी अदला-बदली

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका और रूस ने सोवियत इतिहास के बाद बृहस्पतिवार को बंदियों की अपनी सबसे बड़ी अदला-बदली पूरी की। इसके अंतर्गत मॉस्को ने वॉल स्ट्रीट जर्नल के रिपोर्टर इवान गेर्शकोविच और मिशिगन के कॉर्पोरेट सुरक्षा कार्यकारी पॉल व्हेलन को एक बहुराष्ट्रीय समझौते के तहत रिहा करने का फैसला किया। तुर्किए के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी जहां बंदियों की अदला-बदली से संबंधित समझौते पर काम हुआ। उन्होंने कहा कि इस समझौते के तहत एक-दूसरे के यहां जेलों में बंद लगभग दो दर्जन लोग मुक्त किए जाएंगे। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आदेश पर फरवरी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण किए जाने के कारण शीतयुद्ध के बाद वाशिंगटन और मॉस्को के बीच संबंध सबसे निचले स्तर पर आ गए थे, लेकिन इसके बावजूद बंदियों की अदला-बदली के लिए पिछले दरवाजे से गुप्त बैठकें होती रहीं। अमेरिका को अपने नागरिकों की रिहाई के लिए एक बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। रूस ने पश्चिम में गंभीर अपराधों के लिए दोषी ठहराए गए अपने नागरिकों की रिहाई पत्रकारों, असंतुष्टों और अन्य पश्चिमी बंदियों को मुक्त करने के बदले में सुनिश्चित कर ली। व्हाइट हाउस ने समझौते पर तुरंत कोई विवरण जारी नहीं किया। रेडियो फ्री यूरोपरेडियो लिबर्टी के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्याधिकारी स्टीफन कैपस ने ऑनलाइन पोस्ट किए गए एक बयान में मीडिया में आई इन खबरों को स्वीकार किया कि प्रसारक के लिए काम करने वाले पत्रकार अलसु कुर्माशेवा को समझौते के तहत रिहा किया जाएगा।

अराजकतावादियों ने श्रीलंका जैसी स्थिति पैदा करने की कोशिश की: हसीना

भाषा। ढाका

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बुधवार को यहां भारतीय उच्चायुक्त से कहा कि हाल में आरक्षण में सुधार को लेकर शुरू हुए आंदोलन के दौरान अराजकतावादियों ने देश में श्रीलंका जैसी अराजकता पैदा करने और उनकी सरकार को गिराने की कोशिश की। बांग्लादेश में हाल ही में पुलिस और मुख्य रूप से छात्र प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पें देखने को मिली थीं। प्रदर्शनकारी विवादास्पद आरक्षण प्रणाली को समाप्त करने की मांग कर रहे थे जिसके तहत 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में हिस्सा लेने वाले लड़ाकों के रिश्तेदारों को सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया गया था। बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा से अपने सरकारी आवास गणभवन में मुलाकात के दौरान हसीना ने कहा, वास्तव में, उन्होंने (अराजकतावादियों ने) श्रीलंका जैसी हिंसा फैलाने और सरकार को हटाने की योजना बनाई थी। श्रीलंका 2022 में अभूतपूर्व आर्थिक संकट से जूझ रहा था जहां विदेशी मुद्रा भंडार नगण्य होने के कारण महंगाई आसमान छू रही थी और देश में ईंधन, भोजन और दवाओं की कमी हो गई थी। आर्थिक उथल-पुथल के कारण महीनों तक सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन हुए जिसकी वजह से अंततः तत्कालीन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को अपना पद छोड़ना पड़ा। इससे पहले दिन में, हसीना ने कहा कि उनकी सरकार ने हाल ही में आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान हुई देशव्यापी हिंसा की उचित जांच करने तथा हमलों में शामिल वास्तविक दोषियों को दंडित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों से सहयोग मांगा है।

बांग्लादेश ने जमात-ए-इस्लामी, पार्टी की छात्र शाखा इस्लामी छात्र शिबिर पर प्रतिबंध लगाया

भाषा। ढाका

बांग्लादेश ने देशव्यापी अशांति के चलते जन सुरक्षा के लिए उत्पन्न खतरे का हवाला देते हुए आतंकवाद रोधी कानून के तहत जमात-ए-इस्लामी और इसकी छात्र शाखा इस्लामी छात्र शिबिर पर बृहस्पतिवार को प्रतिबंध लगा दिया। गृह मंत्रालय के सार्वजनिक सुरक्षा प्रभाग द्वारा जारी एक अधिसूचना में इस्लामिस्ट पार्टी पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की गई। यह पार्टी पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की प्रमुख सहयोगी है। जमात, छात्र शिबिर और अन्य संबद्ध समूहों पर प्रतिबंध आतंकवाद रोधी कानून की धारा 18(1) के तहत एक आदेश के माध्यम से लगाया गया। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बृहस्पतिवार को कहा, उन्होंने (जमात-शिबिर और बीएनपी) छात्रों को अपनी ढाल के रूप में इस्तेमाल किया। प्रधानमंत्री हसीना ने यह बात तब कही जब इतालवी राजदूत एंटोनियो एलेसांद्रो ने यहां उनके सरकारी आवास गणभवन में उनसे मुलाकात की। बांग्लादेश सरकार ने सरकारी नौकरियों में आरक्षण को लेकर देशभर में हुए छात्रों के हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद मंगलवार को जमात-ए-इस्लामी पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया।

कैंसर का निदान विनाशकारी, कुछ घबराते हैं, कुछ जीने की राह बदल लेते हैं

भाषा। वेलिंगटन

कैंसर जानलेवा बीमारी है और अगर किसी को कैंसर हो जाए तो उसके लिए जीना मुश्किल हो जाता है। इससे घबराहट और चिंता की भावना पैदा हो सकती है। लेकिन कुछ लोगों के लिए, यह जीवन को अलग ढंग से जीने की राह दिखाता है, जिसमें उबाऊ नौकरियां छोड़ना और अधिक साहसी बनना शामिल है।हमारे हाल ही में प्रकाशित शोध में, हमने कैंसर निदान के प्रभाव और कैंसर से बचे लोगों के लिए उसके बाद के अनुभवों को समझने की कोशिश की।हमने81 न्यूज़ीलैंडवासियों (23 माओरी और 58 गैर-माओरी) से बात की, जो कैंसर के जीवन-सीमित या अंतिम निदान के साथ अपेक्षा से अधिक समय तक जीवित रहे थे (पहले निदान के बाद से चार से 32 वर्ष), और 25 लोगों से जिनकी पहचान उनके सहयोगियों के रूप में की गई थी। हमने पाया कि लोगों के कैंसर निदान का अनुभव करने और उस पर प्रतिक्रिया देने के तरीके बहुत अलग-अलग होते हैं, लेकिन कुछ लोगों को यह महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देता है। 81 प्रतिभागियों में से, 26 ने यह विचार व्यक्त किया कि कैंसर का उनके जीवन पर कुछ सकारात्मक प्रभाव पड़ा है – इसके नकारात्मक प्रभावों के साथ साथ।बदलाव तो होगा ही-यह कहा जाना कि आपके पास जीने के लिए केवल सीमित समय बचा है, निस्संदेह एक झटका हो सकता है। लेकिन इससे गहरा बदलाव आ सकता है.- जिन लोगों को गंभीर बीमारी का पता चलता है उनके लिए "जीवन रहते किए जाने वाले कुछ जरूरी कामों की सूची बनाना असामान्य नहीं है। हमारे अध्ययन में कुछ लोगों ने यात्रा करने या नए घर में जाने का इरादा जताया।दूसरों के लिए, निदान ने उनके जीवन पर पुनर्विचार करने और उनके रहने के तरीके में और अधिक महत्वपूर्ण बदलाव करने का मौका प्रदान किया। उन्होंने सांस्कृतिक रूप से अधिक साहसी होने और नए कौशल अपनाने का निर्णय लिया।इनमें से कई लोगों ने अपनी नौकरियाँ छोड़ दीं या ऐसी नौकरियाँ बदल लीं जो उनके लिए बेहतर थीं। कई लोगों ने अपने आस-पास के लोगों के साथ अपने रिश्ते बदल लिए। एक ने अपने बच्चों के प्रति अधिक स्नेह दिखाने की बात की, दूसरे ने दयालुता दिखाई और छोटी-छोटी बातों पर परेशान होना बंद कर दिया।कुछ लोगों ने अधिक चयनात्मक होने और नकारात्मक लोगों के आसपास न रहने का निर्णय लिया। दूसरों ने नए शौक या शिल्प अपनाए जो उन्हें उपचारात्मक लगे। एक व्यक्ति के लिए, कैंसर निदान ने चीज़ों और लोगों को अलग ढंग से देखने की प्रेरणा प्रदान की, जो उन्होंने सोचा था कि अन्यथा नहीं होता।व्यक्ति वह बनने के लिए परिवर्तन से गुजर सकते हैं जो उन्हें लगता है कि वे जीवन में बनना चाहते हैं। एक व्यक्ति को, जीने के लिए दो महीने दिए गए, उसने रोंगोआ (माओरी पारंपरिक उपचार) को अपनाया।

काम्प्लेक्स ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित का सफलतापूर्वक इलाज

डॉक्टरों की एक टीम ने 23 वर्षीय व्यक्ति में पोस्टीरियर फोसा ट्यूमर को हटाने के लिए एक काम्प्लेक्स सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। इस सर्जरी की सफलता से परिवार के साथ-साथ मरीज को भी राहत मिली है। उजाला सिग्नस कुलवंती हॉस्पिटल, कानपुर के मरीज को इस ट्यूमर की वजह से कई महीनों से लगातार सिरदर्द और चलने में कठिनाई हो रही थी। 14 जुलाई, 2024 को हॉस्पिटल में डॉ. अमित गुप्ता, एमसीएच, न्यूरोसर्जरी की देखरेख में सबऑक्सीपिटल क्रैनियोटॉमी के माध्यम से ट्यूमर को हटाया गया। सफल प्रक्रिया पर बात करते हुए डॉ. गुप्ता ने कहा पोस्टीरियर फोसा ट्यूमर अपने स्थान और इसमें शामिल महत्वपूर्ण संरचनाओं के कारण विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण होते हैं। यह इस युवा मरीज का दृढ़ संकल्प हमारी टीम की एक्सपर्टीज और उजाला सिग्नस कुलवंती हॉस्पिटल की एडवांस्ड सुविधाओं के कारण था, जिसने हमें इस सर्जरी को सफलतापूर्वक करने की सहूलियत दी। हम मरीज की रिकवरी और सर्जरी के सकारात्मक परिणाम से खुश हैं। यह केस जटिल न्यूरोसर्जिकल बीमारियों के मैनेजमेंट में प्रारंभिक डायग्नोसिस और विशेष देखभाल के महत्व को दर्शाता है।

क्विक न्यूज

भारत ने डिजिटलीकरण के माध्यम से लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला : संरा महासभा अध्यक्ष

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासभा के78वें सत्र के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने भारत का उदाहरण देते हुए रोम में वैश्विक श्रोताओ को बताया कि दक्षिण एशियाई देश ने डिजिटलीकरण के माध्यम से लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है।फ्रांसिस ने डिजिटलीकरण के माध्यम से तीव्र विकास को गति देने का जिक्र करते हुए भारत का उदाहरण दिया और उसकी सराहना की। उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए भारत का मामला लें,[8230] भारत पिछले पांच या छह वर्षों में केवल स्मार्टफोन के उपयोग से 80 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में सक्षम रहा है। फ्रांसिस रोम स्थित संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) में वर्तमान और भावी पीढ़ियों के लिए भूखमरी को समाप्त करने की दिशा में प्रगति में तेजी लाने विषय पर व्याख्यान दे रहे थे। फ्रांसिस व्याख्यान के बाद कार्यक्रम में एकत्रित संयुक्त राष्ट्र के राजनयिकों, अधिकारियों और नीति विशेषज्ञों के प्रश्नो का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत में ग्रामीण किसानो का कभी बैंकिंग प्रणाली से कोई संबंध नही था लेकिन अब वे अपने सभी व्यवसाय स्मार्टफोन की मदद से कर पा रहे हैं, जिनमें उनके देनदारियों का भुगतान और ऑर्डर के लिए भुगतान प्राप्त करना भी शामिल है।उन्होंने रेखांकित किया कि भारत में 80 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ गए है। फ्रांसिस ने कहा कि भारत में इंटरनेट की पहुंच उच्च स्तर पर है और लगभग हर किसी के पास मोबाइल फोन है।संयुक्त राष्ट्र महासभा अध्यक्ष ने कहा कि वैश्विक दक्षिण के कई हिस्सों में ऐसा नही है। समानता की मांग है कि डिजिटलीकरण के लिए वैश्विक ढांचे पर बातचीत के शुरुआती चरण के रूप में इस असमानता को दूर करने के लिए कुछ प्रयास, कुछ पहल की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि 2009 में भारत में केवल 17 प्रतिशत वयस्कों के पास बैंक खाते थे 15 प्रतिशत ने डिजिटल भुगतान का उपयोग किया था, 25 में से एक के पास एक विशिष्ट पहचान दस्तावेज था और लगभग 37 प्रतिशत के पास मोबाइल फोन थे।फ्रांसिस ने कहा कि ए संख्याएं तेजी से बढ़ी हैं और आज दूरसंचार घनत्व 93 प्रतिशत तक पहुंच गई है। एक अरब से अधिक लोगों के पास डिजिटल पहचान पत्र है और 80 प्रतिशत से अधिक लोगो के पास बैंक खाते हैं। 2022 तक,प्रति माह 600 करोड़ से अधिक डिजिटल माध्यम से लेनदेन किए गए।

ब्रिटेन में चाकू से हमला करने वाले संदिग्ध का नाम किया गया सार्वजनिक

लंदन। उत्तर-पश्चिमी इंग्लैंड के साउथपोर्ट में तीन लड़कियों की चाकू घोंपकर हत्या करने के आरोपी किशोर का नाम बृहस्पतिवार को सार्वजनिक कर दिया गया। वही, घटना के बाद यहां डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर हुए हिंसक प्रदर्शनों को लेकर प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने पुलिस प्रमुखों से बातचीत की। साउथपोर्ट में सोमवार को हुए हमले के थोड़ी देर बाद ही 17 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया था जिसका नाम एक्सेल मुगनवा रुदाकुबाना है। उसका जन्म वेल्स में हुआ था और और वह लंकाशायर के बैंक्स गांव का रहने वाला है। अदालत द्वारा प्रतिबंध हटाने के बाद उसका नाम सार्वजनिक किया गया है। वह लिवरपूल नगर मजिस्ट्रेट अदालत में पेश हुआ जहां उस पर हत्या के तीन और हत्या की कोशिश के 10 आरोप लगाए गए तथा चाकू रखने का भी आरोप लगाया गया है। न्यायाधीश एंड्रयू मेनरी ने यह दलील सुनने के बाद कि आरोपी का 18वां जन्मदिन सात अगस्त को है, आरोपी का नाम सार्वजनिक न करने के कानूनी प्रतिबंध को हटा दिया और उसे मामले की 25 अक्टूबर को होने वाली अगली सुनवाई तक उसे हिरासत में भेज दिया। इस घटना के बाद बुधवार शाम को हुई हिंसक झड़पों के संबंध में मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा कि हिसा, पुलिस अधिकारियो पर हमला, चाकू और आपत्तिजनक हथियार रखने तथा विरोध प्रदर्शन की शर्तो का उल्लंघन करने जैसे अपराधो के लिए 111 लोगो को गिरफ्तार किया गया है। घटना मे कई पुलिस अधिकारी भी घायल हुए हैं। साउथपोर्ट में एक सामुदायिक केंद्र में हुई चाकू से हमले की घटना मे आठ अन्य बच्चे गंभीर रूप से घायल हुए है, जिनमे से पांच की हालत गंभीर है। घटना मे घायल हुए दो वयस्को की भी हालत गंभीर है।

पाकिस्तान: लाहौर में बारिश का 44 वर्ष का रिकार्ड टूटा, शहर के इलाके जलमग्न

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के लाहौर में बृहस्पतिवार को मानसून के दौरान एक दिन में अधिकतम बारिश का 44 साल का रिकॉर्ड टूट गया। इससे सड़कों, घरों और यहां तक कि सरकारी अस्पतालों में भी पानी भर गया, जिससे तीन लोगों की मौत भी हो गई। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। अधिकारियों ने बताया कि अगले कुछ दिनों में और बारिश होने का अनुमान है और अधिकारियो ने मंगला में झेलम नदी में बाढ़ आने की चेतावनी दी है। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) के प्रवक्ता मजहर हुसैन के अनुसार, मानसून के दौरान एक दिन में अधिकतम बारिश का 44 साल पुराना रिकॉर्ड बृहस्पतिवार को टूट गया, जब लाहौर हवाई अड्डे के इलाके में अधिकतम 337 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। पाकिस्तान मौसम विभाग (पीएमडी) ने कहा, "अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आने वाले मानसून के कारण एक से 6 अगस्त तक देश के ऊपरी हिस्सों में रुक-रुक कर भारी बारिश होने की उम्मीद है। अधिकारियों ने कहा, "बारिश के कारण सड़कें, घर और यहां तक कि सरकारी अस्पताल भी जलमग्न हो गए, जिससे लाहौर में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। शहर में करीब 300 फीडर से आपूर्ति बाधित हो गई। शहर में बारिश से जुड़ी घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई। भारी बारिश के कारण लाहौर में भी कई घंटो तक विमान परिचालन बंद रहा। पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने संबंधित अधिकारियो को बारिश के पानी से घिरे इलाको से पानी निकालने के लिए चौबीस घंटे क्षेत्र में रहने का निर्देश दिया है। पीडीएमए ने कहा कि मानसून की बारिश के कारण नदियों, बांधों और झरनों में जलस्तर बढ़ रहा है। उसने कहा, "एक से 4 अगस्त तक मंगला में झेलम नदी में मध्यम से उच्च स्तर की बाढ़ देखी जा सकती है। मानसून की बारिश से संबंधित घटनाओं में 29 जुलाई से खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में कुल 24 लोग मारे गए, जिससे जुलाई में मरने वालों की कुल संख्या देश भर में लगभग 100 हो गई है।

एफएलओ ने दक्षिण अफ्रीकी महिलाओं को प्रशिक्षण दिया

अफ्रीका। फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन-एफएलओ जो कि व्यवसायी महिलाओं का शीर्ष निकाय है, ने अपनी उद्यमिता पहल के तहत 22 दक्षिण अफ्रीकी महिलाओं को सोलर पैनल, होम लाइटिंग सिस्टम, स्ट्रीट लाइट, मिनी और माइक्रोग्रिड और फोटोवोल्टिक सर्किट बनाने और उनके रखरखाव का प्रशिक्षण दिया है। इन 22 महिलाओं को राजस्थान के अजमेर जिले के तिलोनिया गांव में प्रसिद्ध बेयरफुट कॉलेज के साथ साझेदारी में प्रशिक्षण दिया गया। इन नई क्षमताओं के साथ उन्हें सोलर मामा के रूप में मान्यता दी गई है और यह प्रशिक्षण उन्हें दक्षिण अफ्रीका में अपने समुदायों को रोशनी देने में मदद करेगा। 22 दक्षिण अफ्रीकी महिलाओं को प्रशिक्षित करने की यह यात्रा एफएलओ की भारत में प्रशिक्षितष् पहल की दिशा में एक कदम है और सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हम महिलाओं को सशक्त बनाने और उनके सामाजिक.आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, लैंगिक समानता की वकालत करने और महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए एक मंच प्रदान करने में सबसे आगे रहे हैं। वैश्विक जुड़ाव के लिए हमारी प्रतिबद्धता सोलर मामा परियोजना द्वारा दर्शाई गई है।फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री जॉयश्री दास वर्मा ने ये बाते कही। प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत संकल्पना और क्रियान्वयन एफएलओ की पूर्व अध्यक्ष सुश्री सुधा शिवकुमार ने किया। अगस्त 2023 में सुधा ने फिक्की के अनुरोध पर दक्षिण अफ्रीका में एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। प्रतिनिधिमंडल में आठ सदस्य शामिल थे। और एफएलओ ने ब्रिक्स महिला व्यापार गठबंधन वार्षिक बैठक ब्रिक्स.अफ्रीका व्यापार सम्मेलन, ब्रिक्स व्यापार मंच, डरबन में पैनल चर्चा और महिला व्यापार गठबंधन के बंद कमरे में आयोजित सत्र सहित महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भाग लिया।

शटलरों व बॉक्सरों की दावेदारी पड़ी कमजोर, हॉकी में मिली पहली हार

बढ़त बनाने के बाद बेल्जियम से हारी भारतीय हॉकी टीम

● पेरिस ओलंपिक

भाषा। पेरिस

पेरिस ओलंपिक में निशानेबाजी रेंज से भारत के पदकों की हैट्रिक पूरी हो गई जब स्वप्निल कुसाले ने ओलंपिक में 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में देश के लिए पहला कांस्य पदक जीता लेकिन बैडमिंटन और मुक्केबाजी में पदक के प्रबल दावेदारों के बाहर होने से देश को निराशा हाथ लगी, वहीं भारतीय हॉकी टीम को बृहस्पतिवार को यहां पहली हार झेलनी पड़ी। वहीं हाफटाइम तक एक गोल से बढ़त बनाने के बावजूद भारत को मौजूदा चैम्पियन बेल्जियम ने पूल बी के मैच में 2-1 से हरा दिया। इस टूर्नामेंट में भारत की यह पहली हार थी जिसने न्यूजीलैंड को 3-2 और आयरलैंड को 2- 0 से हराने के अलावा अर्जेंटीना से 1-1 से ड्रॉ खेला था। क्वार्टर फाइनल के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुकी भारतीय टीम के लिए अभिषेक ने 18वें मिनट में पहला गोल किया और भारत ने हाफटाइम तक बढ़त बरकरार रखी। बेल्जियम ने तीसरे क्वार्टर में दो गोल करके बढ़त बनाई जो आखिर तक कायम रही। बेल्जियम के लिए थिबू स्टॉकब्रोक्स ने 33वें और जॉन जॉन डोमीन ने 44वें मिनट में गोल किया। भारत को अब अगला मैच शुक्रवार को आस्ट्रेलिया से खेलना है जिसे बेल्जियम ने 6-2 से हराया था।

मुक्केबाज जरीन का सपना टूटा

दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (50 किलो) का ओलंपिक पदक जीतने का सपना एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता चीन की वू यू से 0 -5 से अप्रत्याशित और एकतरफा हार के साथ खत्म हो गया। निकहत का यह पहला ओलंपिक था और उन्हें वरीयता भी नहीं मिली थी क्योंकि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघ (आईबीए) को मान्यता नहीं देती जो विश्व चैंपियनशिप कराता है। भारत की पदक की सबसे प्रबल दावेदारों में से एक निकहत को बेहद कठिन ड्रा भी मिला था। निकहत पेरिस ओलंपिक से बाहर होने वाली भारत की चौथी मुक्केबाज है। तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किलो) और विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता निशांत देव (71 किलो) पदक से एक जीत दूर है। दुनिया के पूर्व नंबर एक मुक्केबाज अमित पंघाल (51 किलो), राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मीन लम्बोरिया (57 किलो) और एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति पंवार (54 किलो) बाहर हो चुके हैं।

20 किमी पैदल चाल में निराशाजनक प्रदर्शन

भारतीय खिलाड़ियों का पुरुष और महिला दोनों वर्ग की 20 किलोमीटर पैदल चाल में निराशाजनक प्रदर्शन रहा। पुरुष वर्ग में विकास सिंह और परमजीत सिंह जहां क्रमशः 30वें और 37वें स्थान पर रहे, वहीं राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अक्षदीप सिंह छह किमी के बाद हट गए। महिला वर्ग में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारक प्रियंका गोस्वामी 41वें स्थान पर रही।

तीरंदाज जाधव हारे, पुरुष एकल में भारतीय चुनौती समाप्त

भारतीय तीरंदाज प्रवीण जाधव व्यक्तिगत पुरुष रिकर्व स्पर्धा के पहले दौर में चीन के काओ वेनचाओ के खिलाफ 0-6 (28-29 29-30 27-28) से हार कर बाहर हो गए। जाधव की हार के साथ पुरुष व्यक्तिगत स्पर्धा में भारतीय अभियान समाप्त हो गया क्योंकि अनुभवी तरुणदीप राय और धीरज बोम्मदेवरा पहले ही अपने नॉकआउट मैच हार चुके हैं। महिला व्यक्तिगत वर्ग में अनुभवी दीपिका कुमारी और 18 साल की भजन कौर की दावेदारी बरकरार है। दोनों शनिवार को अपने प्री क्वार्टर फाइनलमुकाबले खेलेंगी। भारतीय पुरुष और महिला टीमें पहले ही टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो चुकी हैं।

ओलंपिक पदक तालिका

देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
चीन	11	7	3	21
फ्रांस	8	10	8	26
जापान	8	3	4	15
ऑस्ट्रेलिया	7	6	4	17
अमेरिका	6	13	12	31
ग्रेट ब्रिटेन	6	7	7	20
दक्षिण कोरिया	6	3	3	12
इटली	3	6	4	13
कनाडा	2	2	3	7
जर्मनी	2	2	2	6
भारत	0	0	3	3

नौकायन

पेरिस ओलंपिक में भारत का कार्यक्रम

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में प्रतियोगिताओं के सातवें दिन शुक्रवार को भारत का कार्यक्रम इस प्रकार है।गोल्फःपुरुषों के व्यक्तिगत फाइनल्स (दूसरा दौर): शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर - दोपहर 12.30 बजे ,निशानेबाजीः महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन प्रिसिजनः ईशा सिंह और मनु भाकर - दोपहर 12.30 बजे ,पुरुषों की स्कीट क्वालीफिकेशन पहला दिनः अनंतजीत सिंह नरुका - दोपहर 1.00 बजे , तीरंदाजीः मिश्रित टीम (1/8 एलीमिनेशन): भारत (धीरज बोम्मादेवरा और अंकिता भकत) बनाम इंडोनेशिया - दोपहर 1.19 बजे नौकायनः पुरुषों का सिंगल स्कल्स फाइनल (फाइनल डी): बलराज पंवार - दोपहर 1.48 बजे ,जूडोः महिलाओं का प्लस 78 किग्रा (एलीमिनेशन राउंड ऑफ 32): तूलिका मान बनाम इडालिस ओर्टिज (क्यूबा) - दोपहर 2.12 बजे ,पाल नौकायनःमहिला डिंगी (रेस तीन): नेत्रा कुमानन - दोपहर 3.45 बजे ,महिला डिंगी (रेस चार): नेत्रा कुमानन - शाम 4.53 बजे ,पुरुष डिंगी (रेस तीन): विष्णु सरवनन - शाम 7.05 बजे ,पुरुष डिंगी (रेस चार): विष्णु सरवनन - रात 8.15 बजे ,हॉकीःपुरुष टूर्नामेंट (ग्रुप चरण): भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया - शाम 4.45 बजे ,बैडमिंटनः पुरुष एकल क्वार्टर फाइनलः लक्ष्य सेन बनाम चाउ टिएन चेन (चीनी ताइपे) - शाम 6:30 बजे ,एथलेटिक्सः महिला पांच हजार मीटर (हीट एक): अंकिता ध्यानी - रात 9.40 बजे ,महिला पांच हजार मीटर (हीट दो): पारुल चौधरी - रात 10.06 बजे ,पुरुष गोला फेंक (क्वालीफिकेशन): तेजिंदरपाल सिंह तूर - रात 11.40 बज

शिंदे ने कुसाले के लिए एक करोड़ की घोषणा की

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बृहस्पतिवार को पेरिस ओलंपिक मे कांस्य पदक जीतने वाले निशानेबाज स्वप्निल कुसाले के लिए एक करोड़ रुपए के पुरस्कार की घोषणा की। कुसाले ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में ओलंपिक कांस्य पदक जीता, जिससे भारत के पेरिस ओलंपिक मे कुल पदकों की संख्या तीन हो गई। शिंदे ने पत्रकारों को बताया कि उन्होंने कुसाले के पिता और कोच से बात की थी। उन्होने कहा, महाराष्ट्र सरकार कुसाले के लिए एक करोड़ रुपए के पुरस्कार की घोषणा कर रही है। ओलंपिक से लौटने पर उनको सम्मानित किया जाएगा।

'गोल्फर दीक्षा पेरिस में कार दुर्घटना में घायल होने से बचीं

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाली भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर की कार को अन्य वाहन ने टक्कर मार दी लेकिन गनीमत है कि उन्हे कोई चोट नही लगी जिससे वह अपनी स्पर्धा मे तय कार्यक्रम के अनुसार हिस्सा लेंगी। कार मे डागर परिवार दीक्षा, उनके पिता और कैडी कर्नल नरेन डागर, उनकी मां और भाई थे। मंगलवार रात इंडिया हाउस मे एक समारोह से लौटते समय एक अन्य वाहन ने उनकी कार को टक्कर मार दी थी। कर्नल डागर के अनुसार दीक्षा ठीक है और सात अगस्त से तय कार्यक्रम के अनुसार स्पर्धा मे खेलेंगी और वह अभ्यास के लिए भी जा रही है।

स्वियातेक सेमीफाइनल में हारकर बाहर

पेरिस। शीर्ष रैंकिंग पर काबिज इगा स्वियातेक बृहस्पतिवार को पेरिस ओलंपिक की महिला टेनिस स्पर्धा के सेमीफाइनल मे चीन की झेंग किनवेन से हारकर बाहर हो गईं। झेंग ने पिछले पांच साल मे चार फ्रेंच ओपन खिताब जीतने वाली स्वियातेक को 6-2, 7-5 से शिकस्त दी। शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी स्वियातेक के लिए यह करारा झटका था। डब्ल्यूटीए रैंकिंग मे सातवे स्थान पर काबिज झेंग जनवरी मे आस्ट्रेलियन ओपन मे उपविजेता रही थी।

प्रणय को हराकर लक्ष्य क्वार्टर फाइनल में

भाषा। पेरिस

लक्ष्य सेन ने पेरिस ओलंपिक की बैडमिंटन पुरुष एकल स्पर्धा के प्री क्वार्टर फाइनल में बृहस्पतिवार को यहां हमवतन भारतीय एचएस प्रणय को एकतरफा मुकाबले में सीधे गेम में हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और दुनिया के 24वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने 39 मिनट चले अंतिम 16 के मुकाबले में 30वें नंबर के खिलाड़ी प्रणय को 21-12, 21-6 से शिकस्त दी। लक्ष्य की प्रणय के खिलाफ आठ मैच में यह पांचवीं जीत है। लक्ष्य ओलंपिक बैडमिंटन पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले लंदन ओलंपिक 2012 में पारूपल्ली कश्यप और रियो ओलंपिक 2016 में किदांबी श्रीकांत पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बना चुके हैं ।क्वार्टर फाइनल में हालांकि लक्ष्य की राह आसान नहीं होगी। गैर वरीय लक्ष्य अंतिम आठ में 12वें वरीय और दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी चीनी ताइपे के चाउ टिएन चेन से भिड़ेंगे जिन्होंने जापान के पांचवें वरीय कोडाई नाराओका को 21-12, 21-16 से हराया ।लक्ष्य ने मैच के बाद कहा, मुझे लगता है कि कड़े मैच खेलने से आपको आत्मविश्वास मिलता है। मैं अब टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए तैयार हूं। चाउ के खिलाफ यह एक मुश्किल मैच होगा, मुझे अच्छी तरह से उबरना होगा और अपना शत प्रतिशत देना होगा। प्रणय के खिलाफ लक्ष्य शुरुआत से ही शानदार लय में नजर आए। प्रणय मैच के दौरान बिल्कुल भी लय में नहीं दिए और उन्हें प्रत्एक अंक जुटाने के लिए काफी जूझना पड़ा। वह पूरे मुकाबले के दौरान कभी भी लक्ष्य को चुनौती पेश करने की स्थिति में नहीं दिखे ।लक्ष्य ने शानदार स्मैश लगाए जबकि नेट पर भी शानदार खेल दिखाया। बाइस साल के लक्ष्य ने पहले गेम में अच्छी शुरुआत करते हुए 7-4 की बढ़त बनाई और फिर ब्रेक तक 11-6 की बड़ी बढ़त हासिल करने में सफल रहे। विश्व चैंपियनशिप के पूर्व कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने 32 साल के प्रणय की लगातार गलतियों का फायदा उठाकर बढ़त को 13-6 तक पहुंचाया। उत्तराखंड के अल्मोड़ा के रहने वाले लक्ष्य ने लगातार चार अंक के साथ बढ़त को 18-9 किया। लक्ष्य ने 19-12 के स्कोर पर प्रणय के शॉट वापस लौटाने में नाकाम रहने पर आठ गेम प्वाइंट हासिल किए और फिर विरोधी खिलाड़ी के अगला शॉट बाहर मारने पर पहला गेम 21 मिनट में 21-12 से जीत लिया। दूसरे गेम में लक्ष्य ने पूरी तरह से दबदबा बनाते हुए 6-। की बढ़त बनाई। प्रणय के पास विरोधी खिलाड़ी के खेल का कोई जवाब नहीं था जिससे लक्ष्य ने ब्रेक तक 11-3 की काफी बड़ी बढ़त बना ली और फिर स्कोर 14-3 किया ।लक्ष्य ने बढ़त को 19-5 किया और फिर प्रणय के बाहर शॉट मारने पर 15 मैच प्वाइंट हासिल किए।

सात्विक और चिराग पुरुष युगल से बाहर

पदक की प्रबल दावेदार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी क्वार्टर फाइनल में कड़े मुकाबले में हारकर बाहर हो गई जिससे देश को निराशा हाथ लगी। एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग शेट्टी को पहला गेम जीतने के बावजूद आरोन चिया और सोह वूई यिक की मलेशिया की जोड़ी के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी। दुनिया की पांचवें नंबर की सात्विक और चिराग की जोड़ी को 64 मिनट चले मुकाबले में दुनिया की सातवें नंबर की जोड़ी के खिलाफ 21-13, 14-21, 16-21 से हार मिली।

उसका फोकस नही हटे इसलिए कल फोन भी नहीं किया : स्वप्निल के माता पिता

मुंबई। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता स्वप्निल कुसाले के माता पिता ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्हें यकीन था कि उनका बेटा तिरंगे और देश के लिए पदक जीतेगा। स्वप्निल के पिता सुरेश कुसाले ने कोल्हापूर में पत्रकारों से कहा , हमने उसे उसके खेल पर फोकस करने दिया और कल फोन भी नहीं किया। उन्होंने कहा , पिछले दस बारह साल से वह घर से बाहर ही है और अपनी निशानेबाजी पर फोकस कर रहा है। उसके पदक जीतने के बाद से हमें लगातार फोन आ रहे हैं। स्वप्निल (28 वर्ष) की मां लगातार प्रार्थना कर रही थी और पदक मिलते ही उनकी आंखें भर पाई। मुकाबले का सीधा प्रसारण देख रहे परिजनों और पड़ोसियों ने भारत माता की जय के नारे लगाए। स्वप्निल की ट्रेनिंग पर करीब 25 लाख रूपए खर्च करने वाले सुरेश ने कहा , यह उसकी कड़ी मेहनत और समर्पण था जो आज रंग लाया। स्वप्निल की मां ने कहा , वह सांगली में पब्लिक स्कूल में था जब निशानेबाजी में उसकी रूचि जगी। बाद में वह ट्रेनिंग के लिए नासिक चला गया था।

पेरिस में निशानेबाजों के अच्छे प्रदर्शन का भरोसा था : आईओए प्रमुख उषा

भाषा। शेटराउ (फ्रांस)

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने बृहस्पतिवार को कहा कि भले ही रियो और तोक्यो में पिछले दो ओलंपिक में निशानेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा हो लेकिन उन्हें पेरिस में उनके अच्छा करने का भरोसा था। पेरिस ओलंपिक में भारत का 21 सदस्ईय निशानेबाजी दल हिस्सा ले रहा है जिसमें से देश को तीन कांस्य पदक मिल चुके हैं। मनु भाकर एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय निशानेबाज बन गईं। उन्होंने 10 मीटर व्यक्तिगत महिला एयर पिस्टल और सरबजोत सिंह के साथ मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। स्वप्निल कुसाले ने बृहस्पतिवार को 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में भारत के खाते में एक और कांस्य जोड़ा। उषा ने पीटीआई से कहा, पिछले दो ओलंपिक में हम निशानेबाजी में पदक नहीं जीत सके थे लेकिन हम पहले भी मनु ने अच्छी शुरुआत की उम्मीद कर रहे थे।

राहुल व ऋषभ मसला सुलझाने उतरेगा भारत

● रोहित और कोहली पर होगी निगाहें

भाषा। कोलंबो

गौतम गंभीर की अगुवाई वाले भारतीय टीम प्रबंधन के पास श्रीलंका के खिलाफ शुक्रवार से शुरू होने वाली तीन मैच की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला में यह फैसला करने का मौका होगा कि केएल राहुल और ऋषभ पंत में से कौन वनडे क्रिकेट में भारत का लंबे समय तक विकेटकीपर बल्लेबाज होगा। इस श्रृंखला में कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली पर भी निगाहें टिकी रहेगी जो टी20 विश्व कप में जीत के बाद पहली बार कोई मैच खेलेंगे। भारतीय टीम प्रबंधन बाहर चल रही चर्चाओं पर ध्यान दिए बिना उचित टीम संयोजन तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगा क्योंकि इस सत्र में चैंपियंस ट्राफी सहित कुछ महत्वपूर्ण वनडे प्रतियोगिताएं होनी हैं। इस संदर्भ में राहुल बनाम ऋषभ का मसला निश्चित तौर पर प्राथमिकता में होगा। पंत के चोट से उबरकर वापसी करने से पहले राहुल ने विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका अच्छी तरह से निभाई थी। उन्होंने विकेट के आगे और विकेट के पीछे अच्छा प्रदर्शन किया था। राहुल द्रविड़ के नेतृत्व वाले पिछले टीम प्रबंधन ने उन पर पूरा भरोसा दिखाया था। लेकिन अब जबकि पंत की वापसी हो गई है तो यह देखना दिलचस्प होगा कि गंभीर बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को प्राथमिकता देते हैं या पिछले टीम प्रबंधन की तरह राहुल पर ही विश्वास बनाए रखते हैं। अगर गंभीर और कप्तान रोहित इन दोनों बल्लेबाजों को अंतिम एकादश में बनाए रखने का फैसला करते हैं तो तब उन्हें इस पर विचार करना होगा कि श्रेयस अय्यर को कैसे टीम में फिट किया जाए जो 50 ओवरों की क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। इस तरह से देखा जाए तो भारतीय बल्लेबाजी क्रम में दो स्थान के लिए राहुल, पंत और अय्यर के बीच मुकाबला है। अगर भारत इन तीनों को टीम में रखता है तो फिर उसे पांच गेंदबाजों के साथ उतरना होगा। भारत हालांकि इस तरह का जोखिम नहीं उठाना चाहेगा क्योंकि हार्दिक पंड्या निजी कारणों से इस श्रृंखला में नहीं खेल रहे हैं। भारत नंबर छह बल्लेबाज के रूप में शिवम दुबे या रियान पराग में से किसी को मौका दे सकता है।

पंत और राहुल में से किसी एक को विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर चुनना मुश्किल : रोहित

कोलंबो। कप्तान रोहित शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि वनडे में भारत के विकेटकीपर बल्लेबाजी स्थान के लिए केएल राहुल और ऋषभ पंत में से किसी एक को चुनना काफी मुश्किल फैसला है क्योंकि दोनो खिलाड़ी अपने तरीके से मैच विजेता है। पंत ने अमेरिका में टी20 विश्व कप के दौरान भारतीय टीम में वापसी की जबकि राहुल शुक्रवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ पहले मैच में इस साल जनवरी के बाद पहला वनडे मैच खेलने पर नजर लगाए होंगे। रोहित ने यहां मैच से पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस मे कहा, यह (राहुल और पंत मे से किसी एक को विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर चुनना) मुश्किल फैसला है। दोनों ही बेहतरीन खिलाड़ी है और आप दोनों की काबिलियत को जानते है। वे अपने-अपने तरीके से मैच विजेता है। उन्होने बीते समय मे हमारे लिए कई मैच जीते है।

पीएम मोदी, गंभीर, हरभजन ने अंशुमन गायकवाड़ को याद किया

सभी बोले- वह भद्रजन थे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और हरभजन सिंह ने अंशुमन गायकवाड़ के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हे वास्तविक भद्रजन बताया। एक खिलाड़ी, कोच और चयनकर्ता के रूप मे भारतीय क्रिकेट की सेवा करने वाले गायकवाड़ का रक्त कैंसर के कारण बुधवार को निधन हो गया। उन्होंने भारत की तरफ से 40 टेस्ट और 15 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। प्रधानमंत्री मोदी ने गायकवाड़ के निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने भारतीय क्रिकेट मे बहुत बड़ा योगदान दिया है।

मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, अंशुमन गायकवाड़ जी को क्रिकेट मे उनके योगदान के लिए याद किया जाएगा। वह एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी और उत्कृष्ट कोच थे। उनके निधन से दुख हुआ। उनके परिवार और प्रशंसको के प्रति संवेदना। ओम शांति। भारत की सीमित ओवरो की श्रृंखला के लिए अभी श्रीलंका गए गंभीर ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, अंशुमन गायकवाड़ जी के निधन की खबर से दुखी हूं। भगवान उनके परिवार और प्रियजनो को शक्ति दे। हरभजन के गायकवाड़ के साथ बहुत अच्छे संबंध थे। उन्होने 1998 मे जब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मे पदार्पण किया था तब गायकवाड टीम के कोच थे।हरभजन ने कहा, अंशुमन गायकवाड़ का निधन दिल तोड़ने वाली खबर है। उनके कोच रहते हुए टेस्ट क्रिकेट मे पदार्पण की मेरे साथ सुखद यादे जुड़ी है। वह वास्तव मे भद्रजन थे। उनके निधन से भारतीय क्रिकेट को बड़ी क्षति पहुंची है। उनकी आत्मा को शांति मिले। परिवार के प्रति संवेदना। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, अंशुमन गायकवाड़ जी के निधन से गहरा दुख हुआ, एक महान क्रिकेटर, जिनके क्रिकेट कौशल ने भारतीय क्रिकेट का गौरव बढ़ाया। दुख की इस घड़ी मे उनके परिजनो के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं है। ओम शांति। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने कहा, अंशुमन गायकवाड़ के परिवार और दोस्तो के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

अंतिम संस्कार किया गया

वडोदरा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंशुमान गायकवाड़ का गुरुवार दोपहर गुजरात के वडोदरा शहर मे अंतिम संस्कार किया गया। उनका अंतिम संस्कार कीर्ति मंदिर मे किया गया जिसमें उनके परिवार के सदस्य तथा खेल, राजनीति और अन्य क्षेत्रो की प्रमुख हस्तियां मौजूद थे। अस्पताल से गायकवाड़ की पार्थिव देह को शहर के सेवासी इलाके मे उनके निवास पर ले जाया गया। फिर दोपहर कीर्ति मंदिर मे दोपहर करीब डेढ़ बजे उनके बेटे शत्रुंजय गायकवाड़ ने अंतिम संस्कार किया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष रोजर बिन्नी, पूर्व विकेटकीपर नयन मोंगिया और किरण मोरे के साथ बड़ौदा क्रिकेट संघ के कई पूर्व और मौजूदा अधिकारी मौजूद थे। वडोदरा भाजपा अध्यक्ष विजय शाह और कांग्रेस प्रवक्ता नरेंद्र रावत भी गायकवाड़ के अंतिम संस्कार मे मौजूद थे।

क्विक न्यूज

लखनऊ ट्रायथलॉन एवं एक्वाथलॉन 3 व 4 अगस्त को

लखनऊ। ट्रायथलॉन एक बहु-खेल प्रतिस्पर्धा हैं जिसमें खिलाड़ी की क्षमता की कड़ी परीक्षा होती है जिसमे उसे तैराकीए साइकिल चालन और विभिन्न दूरी की दौड़ तीनों में अपना दम दिखाना होता है। यह ओलंपिक के आधिकारिक खेलों की श्रेणी में भी है। इस खेल को नये आयाम देने के लिए लखनऊ ट्रायथलॉन एवं एक्वाथलॉन-2024 प्रतियोगिता आगामी 3 व 4 अगस्त 2024 को भारतीय खेल प्राधिकरण क्षेत्रीय केंद्र, सरोजनीनगर लखनऊ में आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता के बारे में जानकारी देने के लिए आयोजित प्रेस वार्ता में उत्तर प्रदेश ट्रायथलॉन एसोसिएशन के सचिव संदीप मिश्रा, प्रतियोगिता निदेशक रविन कपूर व आयोजन सचिव आशुतोष त्रिपाठी सचिव, लखनऊ ट्रायथलॉनद्ध ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रतिभागी 9 वर्ष से 25 वर्ष की श्रेणी में अलग.अलग ग्रुप्स में आयोजित स्पर्धाओं में प्रतिभाग करेंगे। सचिव संदीप मिश्रा ने बताया कि ट्रायथलॉन गेम्स के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिये शहर के विभिन्न लगभग 25 स्कूलों से उत्तर प्रदेश ट्रायथलॉन एसोसिएशन ने संपर्क किया था। जिससे उनको इस प्रतियोगिता के लिए अलग-अलग समूहों के लिये छात्र.छात्राओं की प्रविष्टि मिली है और अभी तक लखनऊ ट्रायथलॉन एवं एक्वाथलॉन.2024 के लिये लगभग 150 प्रविष्टियां मिल चुकी हैं। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व एसोसिएशन उत्तर प्रदेश में विगत दो वर्षों में उत्तर प्रदेश स्टेट ट्रायथलॉन प्रतियोगिता आयोजित करा चुकी है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश ट्रायथलॉन एसोसिएशन को उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ से मान्यता मिली है तथा उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ द्वारा इस खेल को आगे बढ़ाने के लिये सदैव सहयोग दिया जाता है। प्रतियोगिता निदेशक रविन कपूर ने बताया कि छोटे बच्चों के प्रोत्साहन के लिए हम एक्वाथलॉन की स्पर्धा भी करा रहे है जिसमे प्रतिभागी को तैराकी व साइकिलिंग में दम.खम दिखाना होता है।

युवाओं के लिए गेमिंग पर जोर देंगे

नई दिल्ली। भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड रियलमी ने स्मार्टफोन और एआईओटी पोर्टफोलियो में लंबे इंतजार के बाद सबसे आधुनिक उत्पाद, रियलमी 13 प्रो सीरीज़ 5जी रियलमी वॉच एस2 और रियलमी बड्स टी310 पेश किए। रियलमी 13 प्रो सीरीज़ 5जी में दो मॉडलए रियलमी 13 प्रो 5जी और रियलमी 13 प्रो 5जी शामिल हैं। क्वालकोम इंडिया प्राईवेट लिमिटेड में मोबाईल कि कंप्यूट और एक्सआर बिज़नेस हेड सौरभ अरोड़ा ने कहा कि हम भारत मेंयूज़र्स को प्रीमियम स्मार्टफोन अनुभव प्रदान करने के लिए अपनी दीर्घकालिक साझेदारी आगे बढ़ाने के लिए उत्साहितहैं। प्रोडक्टिविटी और मनोरंजन,जैसे गेमिंग, शानदार फोटो और वीडियो कैप्चर आदि जैसे विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जा सके। इसमें एआई के साथ अल्ट्रा क्लियर कैमरा हैए जो इंप्रेशनिज़्म के महान मास्टरए क्लॉड मोनेट से प्रेरित आकर्षक डिज़ाईन के साथ अत्याधुनिक कैमरा टेक्नोलॉजी पेश करता है। रियलमी ने मिड से हाई एंड स्मार्टफोन बाजार में प्रमुख दिग्गज बनने की अपनी योजना के बारे में बताया था। यह महत्वाकांक्षा तीन मुख्य क्षेत्रों: विशाल मैमोरी पॉपुलराईज़ेशन, क्वालिटी अपग्रेड, और हमारे एआईयूआई पॉपुलाईज़र प्लान से स्पष्ट है।

अंजू बॉबी जॉर्ज को ओलंपिक में पुरुष रिले टीम और साबले से अच्छे प्रदर्शन का भरोसा

चेन्नई। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) उपाध्यक्ष अंजू बॉबी जॉर्ज का मानना है कि बेशक सभी की निगाहें भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा पर होगी लेकिन भारतीय पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम स्पर्धा में और स्टीपलचेस एथलीट अविनाश साबले पेरिस ओलंपिक मे सबको हैरान कर सकते है। चोपड़ा की अगुआई मे 29 सदस्ईय भारतीय एथलेटिक्स दल पेरिस ओलंपिक मे 16 पदक स्पर्धाओ मे भाग लेगा। अंजू ने बृहस्पतिवार को जियो सिनेमा द्वारा आयोजित मीडिया से बातचीत मे कहा, अब एथलेटिक्स मे हर कोई एक नाम (नीरज चोपड़ा) जानता है। लेकिन अन्य एथलीट अविनाश साबले, चार गुणा 400 मीटर रिले टीम और किशोर जेना (भाला फेंक) से भी उम्मीद है।

निकहत ने अकेले यात्रा की योजना बनाई, पेरिस में दिल टूटने के बाद मजबूत वापसी का वादा

पेरिस। चुनौतीपूर्ण हार से थकी निकहत जरीन ने अपने आंसुओं को रोका और रिंग के अंदर तथा चीन की वू यू के खिलाफ प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले से पहले 48 घंटो मे सामना की गई चुनौतियो को याद किया। भारत की सबसे मजबूत पदक संभावनाओ मे से एक मानी जा रही निकहत बृहस्पतिवार को नॉर्थ पेरिस एरेना मे शीर्ष वरीयता प्राप्त चीनी मुक्केबाज के खिलाफ 0-5 से दिल तोड़ने वाली हार के बाद ओलंपिक से बाहर हो गईं। निकहत ने कम से कम पांच बार कहा, मै मजबूत वापसी करूंगी। दो बार की विश्व चैंपियन निकहत ने खाली पेट ट्रेनिंग की, प्री क्वार्टर फाइनल से एक रात पहले वह सो नही पाई और एशियाई खेलो की मौजूदा स्वर्ण पदक विजेता यू के खिलाफ होने वाले मैच के बारे मे सोचती रही जो फ्लाइवेट (52 किग्रा) मे 2023 की विश्व चैंपियन भी है। आखिरकार निकहत का सबसे बुरा डर सच हो गया क्योंकि वह विश्व चैंपियन से हार गई। यह स्पष्ट है कि यह हार उसे लंबे समय तक परेशान करेगी। यू ने मुकाबले मे दबदबा बनाए रखा जबकि निकहत ने दूसरे दौर मे वापसी की कोशिश की लेकिन वह पर्याप्त नही था। क्या मुझे थोड़ा पानी मिल सकता है। निकहत ने अपने कोच की ओर इशारा करते हुए कहा और फिर आधी भरी बोतल से एक घूंट लिया। उन्होने कहा, माफ करना दोस्तो, मै देश के लिए पदक नही जीत सकी। मैने यहां तक पहुंचने के लिए बहुत त्याग किए है। मैने इस ओलंपिक के लिए खुद को मानसिक और शारीरिक रूप से अच्छी तरह से तैयार किया था। निकहत ने कहा, मैने पिछले दो दिनो से कुछ नही खाया था, मुझे अपना वजन नियंत्रित रखना था।

ओलंपिक में कांस्य पदक से पहले कंधे में दर्द और छह महीने तक अनिश्चितता से जूझे सरबजोत

नई दिल्ली। एक खिलाड़ी का सफर चोटो से अछूता नही रहता और पेरिस ओलंपिक पदक विजेता सरबजोत सिंह के करियर में एक ऐसा दौर भी आया जब वह एक बार भी अपनी पिस्तौल नही उठा पाते थे, प्रतियोगिता में 60 बार ऐसा करने की बात को भूल ही जाओ। हालांकि सतर्क योजना और रिहैबिलिटेशन ने उन्हे पिछले साल मार्च मे लगी करियर के लिए खतरनाक चोट से उबरने मे मदद की और वह पेरिस खेलो की मिश्रित टीम 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में मनु भाकर के साथ कांस्य पदक विजेता बने। बृहस्पतिवार दोपहर दिल्ली पहुंचने पर सरबजोत का जोरदार स्वागत हुआ। बाइस वर्षीय सरबजोत और उनके कोच अभिषेक राणा के सामने ऐसा दौर भी था जब वह ओलंपिक कोटा स्थान हासिल करने से कोसो दूर थे। लेकिन अंततः पेरिस में मनु के साथ मिश्रित टीम कांस्य पदक जीतने में सफल रहे। सरबजोत ने खेल मंत्री मनसुख मांडविया द्वारा सम्मानित करने के लिए आयोजित समारोह के इतर पीटीआई से बातचीत मे कहा, मुझे खुशी है कि अनिश्चितता के दिन अब पीछे छूट गए है। पिछले साल मार्च मे भोपाल विश्व कप के ठीक बाद मेरे निशानेबाजी वाले हाथ के कंधे की गंभीर समस्या हो गई थी जिसके कारण मै 60 शॉट तो दूर, एक भी शॉट लेने के लिए अपना हाथ नही उठा सकता था। एक समय ऐसा भी था जब पांच शॉट के बाद मै दर्द और जकड़न से राहत पाने के लिए बर्फ की थैली लेकर थोड़ी देर के लिए बैठ जाता था। बाद मे यह इतना ज्यादा हो गया कि मै लक्ष्य की ऊंचाई तक पिस्तौल भी नही उठा सकता थ।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा द इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड,ए-8, सेक्टर-7, जिला-गौतमबुद्ध नगर, नोएडा (उ.प्र.)-201301, दूरभाष-01202470700 से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5 ,बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।